

Monthly Current Affairs

May 2019

दैनिक सामयिकी यूपीएससी आईएस की तैयारी के लिये

01.05.2019

1. एस्पेरजिलस कवक: पॉलिथीन का नाशक है।

- पुणे विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने सदाबहार राइजोस्फेयर मृदा (जड़ मिट्टी जहां सूक्ष्मजीव निवास करते हैं) से एस्पेरजिलस टेरेयिस स्ट्रेन कवक की पहचान की है जो संभावित रूप से पॉलिथीन और प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने में मदद कर सकता है।
- कवकों को गृह का प्रमुख पुनर्चक्रक कहा जाता है और आवास मरम्मत में इन्हें अग्र-दल प्रजाति के रूप में माना जाता है।
- पांच तटीय राज्यों केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा और गुजरात में 12 विभिन्न स्थानों से सदाबहार राइजोस्फेयर मृदा से प्लास्टिक क्षरण कवक की पहचान की गई है।

संबंधित जानकारी

- पॉलिथीन, कुल प्लास्टिक अपशिष्ट में लगभग 64 प्रतिशत योगदान देती है और प्राकृतिक पर्यावरणीय परिस्थितियों में इसे नष्ट होने में लगभग 1,000 वर्षों का समय लगता है।
- प्रतिबंध के बावजूद भी एकल-उपयोग पॉलिथीन बैग अभी भी व्यापक रूप से उपयोग किए जा रहे हैं और इन्हें डंपिंग स्थानों पर जमा किया जा रहा है।
- पॉलिथीन के निपटान हेतु कूड़ा जलाने जैसे उपलब्ध विकल्प पर्यावरण के लिए हानिकारक हैं।
- रोगाणुओं का उपयोग करके जैव अवक्रमण या क्षरण को उपयुक्त और पर्यावरण के अनुकूल माना जाता है।

नोट:

- इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 2018 की थीम "प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना" थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- डाउन टू अर्थ

2. हिममानव पदचिन्ह

- भारतीय सेना ने दावा किया है कि उन्होंने नेपाल में लोक-साहित्य के पौराणिक प्राणी हिममानव के "रहस्यमय पदचिन्हों" की खोज की है।

संबंधित जानकारी

येती (हिममानव)

- नेपाल के लोक-साहित्य में, येति या घृणित हिममानव एक वानर के समान प्राणी है, जो औसत मानव की तुलना लंबा है।
- वे हिमालय, साइबेरिया, मध्य और पूर्वी एशिया में निवास करते हैं।
- इन्हें सामान्यतः मेह-तेह (मानव-भालू) और कांग-मी (हिममानव) के रूप में भी जाना जाता है।
- वैज्ञानिक समुदाय ने सामान्यतः येति को एक किंवदंती माना है, उन्हें इसके अस्तित्व के साक्ष्य की कमी के कारण माना जाता है।
- एक आनुवांशिक अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने हिमालय में पाए जाने वाले बालों के नमूनों में से डी.एन.ए. का मिलान प्लीस्टोसीन युग से एक प्रागैतिहासिक भालू के साथ किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. यूनेस्को रचनात्मक शहर नेटवर्क

- श्रीनगर होटल प्रबंधन संस्थान ने शहर की कला और शिल्प को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की है।
- यह कार्यक्रम श्रीनगर को शिल्प और लोक कला के शहर के रूप में यूनेस्को रचनात्मक शहर नेटवर्क (यू.सी.सी.एन.) में शामिल करने हेतु एक फाइल तैयार करने की दिशा में एक कदम है।
- जम्मू और कश्मीर में यूनेस्को विश्व धरोहर शिलालेख के साथ कोई स्थल या स्मारक नहीं है।

संबंधित जानकारी

यूनेस्को रचनात्मक शहर नेटवर्क (यू.सी.सी.एन.)

- यह यूनेस्को की परियोजना है, जो वर्ष 2004 में शुरू की गई थी। यह उन शहरों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई है जो रचनात्मकता को अपने शहरी विकास के प्रमुख कारक के रूप में मान्यता देते हैं।
- इस नेटवर्क का उद्देश्य सतत शहरी विकास, सामाजिक समावेश और सांस्कृतिक जीवंतता के लिए एक चालक के रूप में रचनात्मकता में निवेश करने हेतु प्रतिबद्ध सदस्य शहरों के मध्य आपसी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है।
- यह नेटवर्क निम्नलिखित रचनात्मक क्षेत्रों की पहचान करता है:
 1. शिल्प और लोक कला
 2. मीडिया आर्ट्स
 3. फिल्म
 4. डिजाइन
 5. साहित्य
 6. संगीत
 7. पाक-कला
- यह नेटवर्क रचनात्मक पर्यटन की अवधारणा को पहचानता है, जिसे रचनात्मक अनुभव और भागीदारी से संबंधित यात्रा के रूप में परिभाषित किया जाता है।
- **यू.सी.सी.एन. में शामिल भारतीय शहर:**
 - संगीत हेतु वाराणसी
 - संगीत हेतु चेन्नई
 - शिल्प और लोक कला हेतु जयपुर

नोट:

- 180 शहरों के नेटवर्क का हिस्सा बनने हेतु जहां विकास को उनकी रचनात्मक परंपराओं से गहनता से जोड़ा जाना माना जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- टी.ओ.आई.

4. **वर्ष 2018 में भारत का सैन्य खर्च 1% और पाकिस्तान का 11% बढ़ा है।**
- सिपरी की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2018 में विश्व का सैन्य व्यय 2.6 प्रतिशत

बढ़कर 1822 बिलियन डॉलर हो गया है, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, सऊदी अरब, फ्रांस के साथ भारत का इस मात्रा के 60 प्रतिशत का योगदान है।

- भारत का सैन्य खर्च 1 प्रतिशत बढ़कर 66.5 अरब डॉलर हो गया है, जब कि पाकिस्तान का सैन्य व्यय 11 प्रतिशत बढ़कर 11.4 अरब डॉलर हो गया है।
- 2010 के बाद पहली बार अमेरिका द्वारा सैन्य खर्च में वृद्धि हुई है और चीन के सैन्य व्यय में लगातार 24वें वर्ष वृद्धि हुई है।
- वैश्विक सैन्य खर्च, विश्व की जी.डी.पी. का 1 प्रतिशत है।
- भारत में, रक्षा बजट जी.डी.पी. के 2 प्रतिशत से कम है।

संबंधित जानकारी

सिपरी (स्टॉकहोम अंतर्राष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान)

- सिपरी, एक अंतर्राष्ट्रीय संस्थान है, जो संघर्ष, आयुध, हथियार नियंत्रण और निरस्त्रीकरण में अनुसंधान हेतु समर्पित है।
- इसकी स्थापना 1966 में हुई थी।
- यह स्वीडन के स्टॉकहोम में स्थित है।
- सिपरी नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, मीडिया और रुचिकर जनता के लिए ओपन सोर्स के आधार पर डेटा, विश्लेषण और सिफारिशें प्रदान करता है।

टॉपिक-

स्रोत- इकानॉमिक टाइम्स

5. **मद्रास उच्च न्यायालय ने पॉक्सो अधिनियम में संशोधन करने का सुझाव दिया है।**
- बाल अधिकार और तस्कर विरोधी कार्यकर्ताओं ने मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा की गई टिप्पणियों का स्वागत किया है।
- मद्रास उच्च न्यायालय ने दो महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं:
 1. पॉक्सो अधिनियम की धारा 2 (डी) के अंतर्गत 'बच्चे' की परिभाषा को 18 के बजाय 16 के रूप में फिर से परिभाषित किया जा सकता है।

2. 16 वर्ष की आयु के बाद किसी भी प्रकार के यौन संबंध या शारीरिक संपर्क या संबद्ध कृत्यों और ऐसे यौन उत्पीड़न को पाँक्सो अधिनियम के कठोर प्रावधानों से बाहर रखा जा सकता है और यदि इसे इस प्रकार परिभाषित किया जाता है तो इसे और अधिक उदार प्रावधान के अंतर्गत आजमाया जा सकता है, जिसे स्वयं अधिनियम में पेश किया गया हो।

यह किस प्रकार मदद करता है?

- 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों से यौन उत्पीड़न के मामलों और 16 वर्ष से अधिक आयु के किशोर संबंधों के मामलों में अंतर करने के लिए संशोधन का सुझाव दिया गया है।
- इसका प्रभाव यह है कि अपराधी की आयु 5 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए अथवा लड़की की आयु 16 वर्ष या उससे अधिक नहीं होनी चाहिए।
- इस प्रकार पीड़ित लड़की की प्रभावशाली उम्र का उस व्यक्ति द्वारा लाभ न उठाया जा सकेगा जो अधिक उम्र का है और अनुमेय आसक्ति अथवा भोलेपन को पार कर चुका है।

संबंधित जानकारी

यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पाँक्सो) अधिनियम, 2012

- पाँक्सो अधिनियम, 2012 को बच्चों के हितों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए यौन उत्पीड़न, यौन शोषण और अश्लील साहित्य के अपराधों से बच्चों की रक्षा करने हेतु अधिनियमित किया गया था।
- यह अधिनियम एक बच्चे को अठारह वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है और बच्चे के स्वस्थ शारीरिक, भावनात्मक, बौद्धिक और सामाजिक विकास को सुनिश्चित करने हेतु प्रत्येक स्तर पर सर्वोपरि महत्व के रूप में बच्चे के सर्वोत्तम हितों और कल्याण का सम्मान करता है।
- यह अधिनियम यौन दुर्व्यवहार के विभिन्न रूपों को परिभाषित करता है, जिसमें मर्मज्ञ और गैर-मर्मज्ञ उत्पीड़न के साथ ही यौन उत्पीड़न और अश्लील साहित्य भी शामिल हैं।

- यह अधिनियम कुछ परिस्थितियों के अंतर्गत यौन उत्पीड़न को "उत्तेजक" मानता है, जैसे कि जब पीड़ित बच्चा मानसिक रूप से बीमार हो अथवा जब अपराध परिवार के किसी सदस्य जैसे किसी विश्वसनीय संबंधी अथवा पुलिस अधिकारी, शिक्षक अथवा चिकित्सक जैसे किसी प्राधिकारी द्वारा किया गया हो।
- यह अधिनियम पुलिस को जांच प्रक्रिया के दौरान बाल संरक्षक की भूमिका में रखता है।
- यह अधिनियम कहता है कि बाल यौन शोषण का मामला दर्ज होने की तारीख से एक वर्ष के भीतर उस मामले का निपटारा हो जाना चाहिए।

नोट:

पाँक्सो ई-बॉक्स

- यह राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पाँक्सो) की एक पहल है, जो बाल अपराधों को दर्ज करने हेतु ऑनलाइन शिकायत पेटी की सुविधा प्रदान करता है।
- इसे वर्ष 2016 में लॉन्च किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण अधिनियम

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. लोकसभा का भंग होना

- भारत में, लोकसभा का कार्यकाल पाँच वर्ष का होता है लेकिन इसे पहले भी भंग किया जा सकता है।
- संविधान के अनुच्छेद 83 (2) के अनुसार, इसकी बैठक के पहले दिन से पांच वर्षों का कार्यकाल पूरा होने तक, निचले सदन को भंग किया जा सकता है।
- इस मामले में, संसद के नए सदस्यों का चुनाव करने हेतु चुनाव आयोजित किया जाता है।
- निचले सदन को प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा पहले भी भंग किया जा सकता है।
- यह तब भी भंग किया जा सकता है यदि राष्ट्रपति को लगता है कि किसी सरकार के इस्तीफे या गिरने के बाद कोई व्यवहार्य सरकार नहीं बनाई जा सकती है।

- समान प्रकार से, संविधान के अनुच्छेद 172 में कहा गया है कि राज्य विधानसभाएं पांच वर्ष तक जारी रहेंगी जब तक कि पहले भंग न की जाएं।

विधेयक पर प्रभाव

- लोकसभा में लंबित विधेयक समाप्त हो जाता है (चाहे वह लोकसभा में उत्पन्न हो या राज्यसभा द्वारा उसे प्रेषित किया गया हो)।
- लोकसभा द्वारा पारित लेकिन राज्यसभा में लंबित विधेयक समाप्त हो जाता है।
- यदि कोई विधेयक असहमति के कारण दोनों सदनों द्वारा पारित नहीं किया गया है और यदि राष्ट्रपति ने लोकसभा के भंग होने से पहले संयुक्त बैठक के आयोजन को अधिसूचित किया है, तो विधेयक समाप्त नहीं होता है।
- एक विधेयक जो राज्यसभा में लंबित हो लेकिन लोकसभा द्वारा पारित नहीं किया गया हो, वह विधेयक समाप्त नहीं होता है।
- दोनों सदनों द्वारा पारित लेकिन राष्ट्रपति की सहमति हेतु लंबित विधेयक समाप्त नहीं होता है।
- दोनों सदनों द्वारा पारित विधेयक लेकिन सदनों के पुनर्विचार हेतु राष्ट्रपति द्वारा लौटाया गया विधेयक समाप्त नहीं होता है।

नोट:

- **राज्यसभा** एक स्थायी सदन है और इसे **भंग नहीं** किया जा सकता है।
- **राज्यसभा** के एक-तिहाई सदस्य प्रत्येक दूसरे वर्ष सेवानिवृत्त होते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – नीति एवं गवर्नंस

स्रोत- द हिंदू

7. गोल्डमैन पर्यावरणीय पुरस्कार, 2019

- गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार 2019 के पुरस्कार हेतु पूरे विश्व से 6 व्यक्तियों को चुना गया है।

गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार

- यह प्रत्येक वर्ष जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले पर्यावरणीय कार्यकर्ताओं को दिया जाने वाला पुरस्कार है।

- इस पुरस्कार का उद्देश्य उन जमीनी पर्यावरणविदों को सम्मानित करना है जो पर्यावरण की रक्षा के लिए अपने जीवन को जोखिम में डालते हैं और उन लोगों को सशक्त बनाना हैं जिन्हें औद्योगिक परियोजनाओं से सबसे अधिक नुकसान हुआ है।
- यह पुरस्कार कैलीफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को में स्थित गोल्डमैन पर्यावरण फाउंडेशन द्वारा दिया जाता है।
- इसे ग्रीन नोबेल भी कहा जाता है।
- गोल्डमैन पर्यावरणीय पुरस्कार से विश्व के छह भौगोलिक क्षेत्रों अफ्रीका, एशिया, यूरोप, द्वीप एवं द्वीप राष्ट्र, उत्तरी अमेरिका और दक्षिण एवं मध्य अमेरिका में से प्रत्येक क्षेत्र के एक व्यक्ति को सम्मानित किया जाता है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

8. शोधकर्ताओं ने जलवायु परिवर्तन-तन्त्रक काबुली चने के जीन की पहचान की है।

- हैदराबाद आधारित अंतर्राष्ट्रीय अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान (आई.सी.आर.आई.एस.ए.टी.) के शोधकर्ताओं ने काबुली चने के संदर्भ में गर्मी और सूखा सहने हेतु महत्वपूर्ण कारकों की खोज की है।
- पहचाने गए जीन, फसल को 38 डिग्री सेल्सियस तक तापमान सहन करने में मदद कर सकते हैं।

संबंधित जानकारी

- काबुली चना, दक्षिण एशिया में एक महत्वपूर्ण रबी की फसल (एक फली फसल) है, जो वैश्विक स्तर पर काबुली चने की खेती का लगभग 90 प्रतिशत है।
- हालांकि, सूखे और बढ़ते तापमान के कारण पूरे विश्व में काबुली चने की फसल में 70 प्रतिशत से अधिक का नुकसान हो रहा है।

आई.सी.आर.आई.एस.ए.टी.

- यह एक गैर-लाभकारी, गैर-राजनीतिक संगठन है जो एशिया और उप-सहारा अफ्रीका के शुष्क क्षेत्रों में विकास हेतु कृषि अनुसंधान करता है।

- इसका मुख्यालय हैदराबाद, तेलंगाना में स्थित है।
- हाल ही में, इसने छह अत्यधिक पौष्टिक सूखा-सहिष्णु फसलों पर शोध किया है, जिन्हें स्मार्ट फूड के रूप में भी जाना जाता है, वे काबुली चना, अरहर, बाजरा, रागी, चारा और मूंगफली हैं।

नोट: स्मार्ट फूड वह भोजन है जिसे उपभोक्ता, ग्रह और किसान के लिए अच्छा माना जाता है और यह उन समाधानों में से एक है जो इन सभी मुद्दों को एकजुट करने में योगदान देते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकी

स्रोत- डाउन टू अर्थ

02.05.2019

1. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मसूदा अजहर को वैश्विक आतंकवादी के रूप में नामित किया है।
- जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूदा अजहर को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद 1267 समिति द्वारा वैश्विक आतंकवादी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

यह मुद्दा भारत के लिए महत्वपूर्ण क्यों है?

- भारत ने 2 जनवरी, 2016 को पठानकोट में भारतीय वायु सेना के बेस पर हमले के लिए जैश को दोषी ठहराया था, इसलिए भारत ने फरवरी, 2016 में यू.एन.एस.सी. 1267 समिति के तत्वावधान में अजहर को वैश्विक आतंकवादी के रूप में नामित करने हेतु एक प्रस्ताव रखा था।

संबंधित जानकारी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद 1267 समिति के संदर्भ में जानकारी:

- यू.एन.एस.सी. 1267 प्रस्ताव को 15 अक्टूबर, 1999 को सर्वसम्मति से अपनाया गया था।
- यह उन व्यक्तियों और संस्थाओं की एक समेकित सूची है, जो अलकायदा या तालिबान से संबंधित हैं।
- व्यक्तियों को इस सूची में सूचीबद्ध करने के लिए प्रतिबंधों को लागू करने हेतु प्रत्येक सदस्य राष्ट्र में कानून पारित किए जाने चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंगों में से एक है।
- इसे अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को सुनिश्चित करने, संयुक्त राष्ट्र में नए सदस्यों को स्वीकार करने और इसके विशेषाधिकार में किसी भी प्रकार के बदलाव को मंजूरी प्रदान करने का प्रभार है।
- इसकी शक्तियों में शांति संचालन और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों की स्थापना के साथ-साथ संकल्पों के माध्यम से सैन्य कार्यों का प्राधिकरण भी शामिल है।
- यह संयुक्त राष्ट्र का एकमात्र निकाय है जिसके पास सदस्य राज्यों को बाध्यकारी संकल्प जारी करने का अधिकार है।
- इसमें 15 सदस्य हैं, जिसमें 5 स्थायी सदस्य हैं और 10 गैर-स्थायी सदस्य हैं।

संयुक्त राष्ट्र के अन्य प्रधान संगठन

- संयुक्त राष्ट्र सचिवालय
- संयुक्त राष्ट्र महासभा
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद
- संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद
- संयुक्त राष्ट्र न्यासिता परिषद

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

2. इराक, भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है।
- वाणिज्यिक खुफिया एवं सांख्यिकी महानिदेशालय से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2018-19 के दौरान इराक, भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता है।

संबंधित जानकारी

वाणिज्यिक खुफिया एवं सांख्यिकी महानिदेशालय के संदर्भ में जानकारी:

- वाणिज्यिक खुफिया एवं सांख्यिकी महानिदेशालय, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है।

- यह भारत की व्यापार सांख्यिकी और वाणिज्यिक सूचना के संग्रह, संकलन और प्रसार हेतु अग्रणी आधिकारिक संगठन है।
- यह कार्यालय कोलकाता में स्थित है, जिसकी अध्यक्षता महानिदेशक द्वारा की जाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण संस्थान

स्रोत- द हिंदू

3. बेलुगा व्हेल

- हाल ही में बेलुगा व्हेल/ सफेद व्हेल को टफजॉर्ड के ठंडे बंदरगाह में उछल-कूद करते पाया गया है, यह नॉर्वे के सबसे उत्तरी बिंदु के पास एक छोटा सा गांव है।

संबंधित जानकारी

बेलुगा व्हेल के संदर्भ में जानकारी:

- इसे सफेद व्हेल के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह इस रंग का एकमात्र समुद्री स्तनपायी है।
- वे आर्कटिक और उप-आर्कटिक क्षेत्र में पाए जाने वाले जलीय स्तनपायी हैं।
- इसके सिर पर सामने की ओर एक विशिष्ट उभार होता है जिसमें एक एचोलाकातिक अंग होता है जिसे मेलन (तरबूज) कहते हैं, जो इस प्रजाति में बड़ा और विकृत होता है।
- इन्हें आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में कम चिंतनीय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

नोट:

हाल ही में जापान अंतर्राष्ट्रीय व्हेलिंग आयोग से बाहर हो गया है, यह एक अंतर्राष्ट्रीय निकाय है जिसे अंतर्राष्ट्रीय व्हेलिंग विनियमन सम्मेलन की शर्तों द्वारा स्थापित किया गया है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. आई.सी.ए.टी. - एक विश्व स्तरीय मोटर वाहन परीक्षण केंद्र है।
- अंतर्राष्ट्रीय मोटर वाहन प्रौद्योगिकी केंद्र (आई.सी.ए.टी.) को अब एन.ए.टी.आरआई.पी. के संरक्षण में चेन्नई के मानेसर में खोला जा रहा है, यह एक विश्व स्तरीय मोटर वाहन परीक्षण केंद्र है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय मोटर वाहन परीक्षण और आर एंड डी ढांचा परियोजना के संदर्भ में जानकारी:

- यह मोटर वाहन के क्षेत्र में भारत सरकार की सबसे बड़ी और सबसे महत्वपूर्ण पहलों में से एक है।
- इस परियोजना का उद्देश्य भारत में मोटर वाहन के क्षेत्र हेतु एक परीक्षण, सत्यापन और आर एंड डी ढांचा तैयार करना है।
- यह विश्व के साथ भारतीय मोटर वाहन उद्योग के समेकित एकीकरण की सुविधा भी प्रदान करता है जिससे कि देश को वैश्विक मोटर वाहन मानचित्र पर प्रमुखता से स्थापित किया जा सके।
- मोटर वाहन उद्योग भारत का प्रगतिशील उद्योग है जो देश की जी.डी.पी. में 5% से अधिक का योगदान देता है।
- यह भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय के अधीन है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –नीति एवं गवर्नैस

स्रोत- पी.आई.बी.

5. कूनथंकुलम पक्षी अभयारण्य

- हाल ही में 68 चित्रित सारस शवों को कूनथंकुलम पक्षी अभयारण्य में दफनाया गया है, जिसमें 65 किशोर शामिल हैं। जहां पर अचानक आई आंधी ने पेड़ों के ऊपर बने घोंसलों को नष्ट कर दिया था, जिससे कि पक्षी पेड़ों से नीचे गिरे और मर गए थे।

संबंधित जानकारी

चित्रित सारस के संदर्भ में जानकारी:

- चित्रित सारस, सारस परिवार में एक बड़ा चिड़िया पक्षी है।
- यह दक्षिण एशिया में हिमालय के उष्णकटिबंधीय मैदानों की आद्रभूमि में पाए जाते हैं और दक्षिण पूर्व एशिया में फैले हुए हैं।
- इन्हें आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में लुप्तप्राय के करीब के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

कून्थंकुलम पक्षी अभयारण्य के संदर्भ में जानकारी:

- यह एक संरक्षित क्षेत्र है जिसे 1994 में एक पक्षी अभयारण्य के रूप में घोषित किया गया था।
- यह तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- टी.ओ.आई.

6. जी.एस.टी.एन. विसंगतियों को रोकने के लिए डेटा साझा करने हेतु सी.बी.डी.टी. के साथ समझौता जापन पर हस्ताक्षर कर रहा है।
- केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने जी.एस.टी. नेटवर्क के साथ एक समझौता जापन में प्रवेश करने का निर्णय लिया है।

समझौता जापन की मुख्य विशेषताएं

- यह समझौता जापन आयकर विभाग को बिक्री और लाभ सहित विवरण साझा करने की अनुमति प्रदान करेगा जो व्यवसायों ने अपने आयकर रिटर्न में जी.एस.टी.एन. के साथ दर्शाया है, ऐसा समीक्षा और कर चोरी की जांच को उचित अनुपात में बढ़ाने हेतु किया जा रहा है।
- यह कदम प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर अधिकार्यों को उन सूचनाओं में विसंगतियों को रोकने की अनुमति प्रदान करेगा, जिन्हें व्यापार ने अपने संबंधित कर रिटर्न रूपों में दर्शाया है और कर चोरों को गिरफ्तार करने में मदद करेगा।
- समझौता जापन में डेटा के विनिमय के साधन, गोपनीयता के रखरखाव और डेटा के सुरक्षित संरक्षण हेतु तंत्र भी शामिल होगा।

संबंधित जानकारी

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के संदर्भ में जानकारी

- यह एक संवैधानिक प्राधिकरण है जो केंद्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 के अंतर्गत कार्य करता है।
- यह वित्त मंत्रालय में राजस्व विभाग का एक हिस्सा है।
- यह भारत में प्रत्यक्ष करों की नीति और योजना हेतु इनपुट प्रदान करता है और आयकर विभाग

के माध्यम से प्रत्यक्ष कर कानूनों के प्रशासन हेतु भी जिम्मेदार है।

जी.एस.टी. नेटवर्क के संदर्भ में जानकारी

- जी.एस.टी. नेटवर्क (जी.एस.टी.एन.), एक गैर-लाभकारी संगठन है।
- इसे जी.एस.टी. पोर्टल की संपूर्ण आई.टी. प्रणाली का प्रबंधन करने हेतु स्थापित किया गया है।
- इस पोर्टल का उपयोग सरकार द्वारा प्रत्येक वित्तीय हस्तांतरण को ट्रैक करने के लिए किया जाता है।
- यह करदाताओं को पंजीकरण से लेकर कर दाखिल करने और सभी कर विवरणों को बनाए रखने की सभी सेवाएं भी प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण संस्थान

स्रोत- इकोनॉमिक संस्थान

7. गुजरात ने अपना 60वां स्थापना दिवस मनाया है।
- गुजरात ने 1 मई को अपना 60वां स्थापना दिवस मनाया है।

संबंधित जानकारी

- बॉम्बे पुनर्गठन अधिनियम के अंतर्गत मुंबई राज्य के विभाजन के बाद 1 मई, 1960 को गुजरात राज्य अस्तित्व में आया था।
- अहमदाबाद को "विश्व के सबसे तेज प्रगति करने वाले शहरों" की फोर्ब्स सूची में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है, इस शहर को चीन के चेंगदू और चॉककिंग शहर के बाद स्थान प्राप्त हुआ है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –नीति एवं गवर्नंस

स्रोत- द हिंदू

03.05.2019

1. चक्रवात का नाम किस प्रकार निर्धारित किया जाता है?
- विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यू.एम.ओ.) और संयुक्त राष्ट्र एशिया एवं प्रशांत आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (ई.एस.सी.ए.पी.) ने उष्णकटिबंधीय चक्रवात नामकरण प्रणाली की वर्ष 2000 में शुरुआत की थी।

- बंगाल की खाड़ी से उत्पन्न हुए नए चक्रवात का नाम फनी रखा गया है।
- इससे पहले वर्ष 2014 में हूदहूद, 2017 में ओक्खी और 2018 में तितली और गाजा चक्रवात आए थे।
- पूरे विश्व में चक्रवातों का नाम 9 क्षेत्रों- उत्तरी अटलांटिक, पूर्वी उत्तरी प्रशांत, मध्य उत्तरी प्रशांत, पश्चिमी उत्तरी प्रशांत, उत्तर हिंद महासागर, दक्षिण पश्चिम हिंद महासागर, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिणी प्रशांत और दक्षिण अटलांटिक द्वारा रखा जाता है।
- उत्तर हिंद महासागर की घाटी में चक्रवातों का नाम भारतीय मौसम विभाग द्वारा निर्धारित किया जाता है और पहले उष्णकटिबंधीय चक्रवात का नाम वर्ष 2004 में ओनिल (बांग्लादेश द्वारा दिया गया) रखा गया था।
- आठ उत्तर हिंद महासागरीय देशों- बांग्लादेश, भारत, मालदीव, म्यांमार, ओमान, पाकिस्तान, श्रीलंका और थाईलैंड में से प्रत्येक ने आठ नाम दिए हैं जिन्हें 64 नामों की सूची में जोड़ा गया है।
- चक्रवातों का नाम रखने के क्रम में प्रत्येक देश से एक नाम चुना जाता है।
- अगले चक्रवात का नाम वायु होगा।

चक्रवात का नाम क्यों रखा जाता है?

- उष्णकटिबंधीय चक्रवातों का नाम पूर्वानुमान, निगरानी और चेतावनी के संदर्भ में पूर्वानुमानकर्ताओं और आम जनता के मध्य संचार को सुगम बनाने हेतु रखा जाता है।

नोट:

- 64 नामों के समाप्त हो जाने के बाद, आठ देश नामों की नई सूची प्रस्तावित करेंगे।
- बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से उत्पन्न होने वाले चक्रवातों के लिए इन सूचियों को प्रत्येक कुछ वर्षों में नहीं बदला जाता है।
- हालांकि, अटलांटिक और पूर्वी प्रशांत घाटी में तूफानों की सूची को बदला जाता है।

क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केंद्र (आर.एस.एम.सी.)

- यह विश्व मौसम निगरानी के भाग के रूप में विश्व मौसम संगठन में आम सहमति द्वारा सहमत हुए और इसके भाग के रूप में हैं, यह विशिष्ट कार्यक्रम के संदर्भ में सूचना, सलाह और चेतावनी के वितरण हेतु जिम्मेदार है।
- उष्णकटिबंधीय चक्रवात क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केंद्र अपनी जिम्मेदारी के नामित क्षेत्र में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों का पता लगाने हेतु जिम्मेदार है और मौजूदा प्रणालियों और उनके पूर्वानुमान की स्थिति, गति और तीव्रता के बारे में बुनियादी जानकारी प्रदान करने हेतु जिम्मेदार है।
- भारतीय मौसम विभाग (आई.एम.डी. / आर.एस.एम.सी. नई दिल्ली), उत्तर हिंद महासागर के भीतर उष्णकटिबंधीय चक्रवातों का पता लगाने हेतु जिम्मेदार है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आपदा प्रबंधन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. 99942 एपोफिस क्या है?

- हाल ही में एक पृथ्वी के निकट स्थित क्षुद्रग्रह 99942 एपोफिस पृथ्वी द्वारा सतह से लगभग 31,000 कि.मी. की ऊँचाई पर कूज करेगा।

संबंधित जानकारी

99942 एपोफिस क्षुद्रग्रह

- एपोफिस, लगभग 2,000 क्षुद्रग्रहों में से एक है जिन्हें वर्तमान में संभावित खतरनाक क्षुद्रग्रह के रूप में जाना जाता है।
- 340 मीटर चौड़े आकार के किसी क्षुद्रग्रह का पृथ्वी के इतने समीप से होकर गुजर जाना, अत्यंत दुर्लभ है।
- नासा की जेट प्रणोदन प्रयोगशाला के अनुसार, एक बिंदु पर, यह एक मिनट के भीतर संपूर्ण चंद्रमा की चौड़ाई से अधिक दूरी तय करेगा और यह लिटिल डिपर में तारों के समान चमकेगा।
- वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि उनके अवलोकनों से महत्वपूर्ण वैज्ञानिक ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिल सकती है जिसे एक दिन ग्रह रक्षा के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. चुनाव में लॉटरी क्या होती है?

- चुनाव में लॉटरी तब लागू होती है जब एक निर्वाचन क्षेत्र के दो उम्मीदवारों को समान संख्या में मत डाले जाते हैं।
- जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 102 के अनुसार, यदि मतों की संख्या समान है और इन दोनों में से किसी को भी जीतने हेतु केवल एक मत की आवश्यकता है और यदि अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत निर्वाचन अधिकारी द्वारा कोई निर्णय नहीं लिया गया है।
- फिर उस राज्य का उच्च न्यायालय एक लॉटरी द्वारा निर्णय लेता है।
- लॉटरी जीतने वाला उम्मीदवार चुनाव जीतता है।

नोट:

- उदाहरण के लिए, वर्ष 2017 में, बृहन्मुंबई नगर निगम के 220वें नंबर के चुनाव में शिवसेना के सुरेंद्र बागलकर और भाजपा के अतुल शाह को समान संख्या में मत मिले थे।
- परिणाम लॉटरी द्वारा तय किया गया था और श्री शाह ने जीत हासिल की थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

4. ए.डी.बी. ने मेट्रो रेल वित्तपोषण को बढ़ाया है।
- ए.डी.बी. ने भारत में शहरी परिवहन प्रणाली को बेहतर बनाने के अपने प्रयासों के भाग के रूप में मेट्रो रेल परियोजनाओं और दिल्ली और मेरठ के बीच एक तेज रेल गलियारे का वित्तपोषण करने का निर्णय लिया है।
- ए.डी.बी. ने भोपाल मेट्रो और बेंगलुरु मेट्रो के वित्तपोषण हेतु संबंधित राज्य सरकारों से भी बात की है।

संबंधित जानकारी

एशियाई विकास बैंक (ए.डी.बी.)

- यह 19 दिसंबर, 1966 को स्थापित एक क्षेत्रीय विकास बैंक है।
- एशियाई विकास बैंक का मुख्यालय मनीला, फिलीपींस में स्थित है।

- इसका उद्देश्य एशिया में सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।
- ए.डी.बी. के 67 सदस्य हैं, जिनमें से 48 सदस्य एशिया और प्रशांत के और 19 सदस्य बाहरी हैं।
- ए.डी.बी. में चीन, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बाद जापान और अमेरिका के शेयरों का सबसे बड़ा हिस्सा है।
- यह भी एक आधिकारिक संयुक्त राष्ट्र पर्यवेक्षक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

5. चक्रवात फेनी: आई.एन.सी.ओ.आई.एस. ने पूर्वी तट के किनारे नुकसान की चेतावनी दी है।
- भारतीय राष्ट्रीय समुद्र जानकारी सेवा केंद्र (आई.एन.सी.ओ.आई.एस.), जो चौबीस घंटे अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान "फेनी" की निगरानी कर रहा है, इसने स्थायी तेज हवाओं, तूफानी लहरों और गंभीर लहरों के कारण पूर्वी तट के दूर भी स्थानों के संभावित नुकसान की चेतावनी दी है।

संबंधित जानकारी

आई.एन.सी.ओ.आई.एस.

- यह पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन है।
- यह हैदराबाद के प्रगाथि नगर में स्थित है।
- यह पृथ्वी प्रणाली विज्ञान संगठन (ई.एस.एस.ओ.) की एक इकाई है।
- ई.एस.एस.ओ.-आई.एन.सी.ओ.आई.एस. को समाज, उद्योग, सरकारी संस्थाओं और वैज्ञानिक समुदायों को सर्वोत्तम संभावित महासागर जानकारी और सलाहकार सेवाएं प्रदान करना अनिवार्य है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – महत्वपूर्ण संगठन

स्रोत- टी.ओ.आई.

6. चंद्रयान-2

- इसरो ने कहा है कि चंद्रयान-2 को 5 जुलाई, 2019 से 16 जुलाई, 2019 के बीच किसी भी समय लॉन्च किया जा सकता है।

संबंधित जानकारी

- चंद्रयान -2, चंद्रमा पर भारत का दूसरा मिशन है जो कि पूर्णतया स्वदेशी मिशन है।
- यह एक ऑर्बिटर, 'विक्रम' नामक लैंडर और 'प्रज्ञान' नामक रोवर से मिलकर बना है।
- ऑर्बिटर चंद्रमा का चक्कर लगाएगा और उसकी सतह के बारे में जानकारी प्रदान करेगा, जब कि लैंडर सतह पर सहज रूप से लैंडिंग करेगा और रोवर को भेजेगा।
- पेलोड चंद्रमा स्थलाकृतियों, खनिज विज्ञान, तत्व प्रचुरता, चंद्रमा बहिर्मंडल और हाइड्रोसिल एवं जल-बर्फ के हस्ताक्षर पर वैज्ञानिक जानकारी एकत्र करेंगे।
- चंद्रयान -2, एक भू-समकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान मार्क III (जी.एस.एल.वी. -एम.के. III) रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया जाएगा।
- जी.एस.एल.वी. -एम.के. III, एक तीन-चरण हैवी-लिफ्ट प्रक्षेपण यान है जिसे भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जी.टी.ओ.) के भीतर चार-टन वर्ग के उपग्रहों को ले जाने हेतु डिजाइन किया गया है।
- चंद्रयान-2, भारत के पहले चंद्रमा मिशन चंद्रयान-1 का अनुवर्ती मिशन है।

चंद्रयान -1 मिशन

- इसे अक्टूबर, 2008 में लॉन्च किया गया था और अगस्त, 2009 तक संचालित किया गया था।
- मिशन में एक चंद्रमा ऑर्बिटर और एक प्रभावकारक शामिल था।

अन्य भारतीय अंतरिक्ष मिशन

- मंगलयान: इसे द मार्स ऑर्बिटर मिशन (एम.ओ.एम.) के रूप में भी जाना जाता है, यह एक अंतरिक्ष जांच है जो 24 सितंबर, 2014 से मंगल की परिक्रमा कर रहा है।
- आदित्य-एल1: यह मिशन वैज्ञानिक की सूर्य की विशेषताओं के अध्ययन और अवलोकन में मदद करेगा।
- गगनयान: यह वर्ष 2022 तक भारत का मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत-लिवमिंट

7. भारत में वर्ष 2018 में धार्मिक स्वतंत्रता में निरंतर रूप से 'गिरावट' जारी रही है: यू.एस.सी.आई.आर.एफ.

- संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यू.एस.सी.आई.आर.एफ.) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत में वर्ष 2018 में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति में समग्र गिरावट हुई है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- यू.एस.सी.आई.आर.एफ. ने धार्मिक स्वतंत्रता पर देशों की टियर टू श्रेणी में भारत को बनाए रखा है।
- टियर 2", उन देशों की पहचान करता है जहाँ धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन हुए हैं लेकिन टियर 1 माने जाने के स्तर तक उनकी गंभीरता में वृद्धि नहीं हुई है।
- उन देशों को टियर 2 में रखा गया है जो धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन में व्यस्त रहते हैं अथवा उसे सहन करते हैं, जो विशिष्ट चिंता के देश के रूप में नामित होने हेतु प्रणालीगत, मौजूदा, एकत्र मानकों में से किसी एक तत्व को पूरा करता है।
- यू.एस.सी.आई.आर.एफ. ने भारत को टियर 2 देश की श्रेणी में रखा है। टियर 2 देश वे हैं जिनमें वर्ष 2018 के दौरान सरकार द्वारा किए गए या सहन किए गए उल्लंघन गंभीर हैं और देश के विशिष्ट चिंता मानक (सी.पी.सी.) के कम से कम एक तत्व द्वारा चिन्हित हैं।
- सी.पी.सी. का दर्जा उन देशों को दिया जाता है जो धार्मिक स्वतंत्रता के प्रणालीगत, मौजूदा और जबरदस्त उल्लंघन में व्यस्त रहते हैं अथवा उसे सहन करते हैं।
- रिपोर्ट ने भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों के द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों और धार्मिक अथवा विश्वास स्वतंत्रता के अधिकार में कई सीमाओं की पहचान की है।

- एक सकारात्मक टिप्पणी में यह उजागर हुआ है कि वर्ष 2018 में सांप्रदायिक हमलों में वर्ष 2017 के स्तर की अपेक्षा 12% की गिरावट आई है।
- इसके अतिरिक्त अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के बजट में भी 12% की वृद्धि हुई है।

यू.एस.सी.आई.आर.एफ.

- यह एक स्वतंत्र, द्विदलीय अमेरिकी संघीय सरकारी आयोग है जो विदेशों में धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता के सार्वभौमिक अधिकार की रक्षा करता है।

नोट:

- भारतीय संविधान के भाग III के अनुच्छेद 25, 26, 27 और 28 के अंतर्गत धर्म की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की गारंटी दी गई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. कश्मीर: हंगल का भविष्य अभी भी अधर में लटका हुआ क्यों है?
- कश्मीर की प्रतिष्ठित वन्यजीव प्रजातियों की आबादी में भारी गिरावट हुई है, हंगुल निरंतर रूप से एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है क्योंकि हिरणों के संरक्षण के प्रयास वर्षों से चल रहे हैं लेकिन अब तक कोई महत्वपूर्ण परिणाम सामने नहीं आया है।
- वर्ष 1900 की शुरुआत में 5,000 की आबादी से लेकर हंगुल की संख्या में दशकों से लगातार कमी हुई है, जिससे यह काफी हद तक दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान के 141 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र तक ही सीमित हो गए हैं।

संबंधित जानकारी

हंगुल

- हंगुल को कश्मीरी हिरण के रूप में भी जाना जाता है और यह जम्मू और कश्मीर का राज्य पशु है।
- यह एक मात्र एशियाई जीव अथवा यूरोपीय लाल हिरण की उप-प्रजाति है।

- यह भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची 1 के अंतर्गत है।
- यह जम्मू और कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर से 15 कि.मी. उत्तर-पश्चिम में दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान तक सीमित है।
- इसे आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

9. जी.एस.आई. उत्तर पूर्वी क्षेत्र ने मॉव्मलुह गुफा, थेरियाघाट में भूवैज्ञानिक डिस्प्ले बोर्ड स्थापित किए हैं।
- मेघालय के पूर्वी खासी पहाड़ी जिले में मॉव्मलुह गुफा और थेरियाघाट, सोभर में बोर्डों का अनावरण किया गया है।
- मॉव्मलुह गुफा पहले सुर्खियों में बनी थी क्योंकि गुफा से प्राप्त स्टैलेग्माइट के उच्च संकल्प स्थिर समस्थानिक अध्ययनों से पता चला है कि लगभग 4200 वर्ष पहले एक प्रमुख जलवायु संबंधी घटना घटी थी।
- मॉव्मलुह गुफा में गतिरोध को एक वैश्विक स्ट्रेटोटाइप अनुभाग और बिंदु (जी.एस.एस.पी.) के रूप में टैग किया गया है जो भारत में भूवैज्ञानिक समय अवधि का पहला औपचारिक रूप से अनुसमर्थित मार्कर है।
- इस बीच, थेरियाघाट क्रेटाशियस (के) -पलेओगेन (पी.जी.) बड़े पैमाने पर विलुप्त होने की घटना को चिह्नित करता है।
- थेरियाघाट में उम-सोहींग्केव (वाहू) नदी खंड भारत में क्रेटाशियस-पलेओगेन (के-पी.जी.) सीमा संक्रमण के संपूर्ण रिकॉर्ड रखने हेतु जाना जाता है।

टॉपिक- जी.एस.-1- कला एवं संस्कृति

स्रोत- ए.आई.आर.

10. फानीगिरि में दुर्लभ आदमकद मूर्ति खोदी गई है।
- तेलंगाना के पुरातत्वविदों ने सूर्यपेट के फानीगिरी में एक बौद्ध स्थल से आदमकद मूर्तिकला के रूप में एक दुर्लभ खजाने का पता लगाया है।

- यह देश में पाई गई अब तक की सबसे बड़ी प्लास्टर की आदमकद मूर्ति है।
- उत्खनन में प्राप्त आदमकद मूर्ति को जठाखा चक्र में बोधिसत्व में से एक का प्रतिनिधित्व करने के रूप में माना जाता है।
- इस मूर्ति की ऊंचाई लगभग 1.73 मीटर और चौड़ाई 35 से.मी. है।

टॉपिक- जी.एस.-1- कला एवं संस्कृति

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

06.05.2019

1. इसरो, रिसैट-2बी.आर.1 लॉन्च करने के लिए तैयार है।
 - भारत एक अन्य 'लक्ष्य' को प्राप्त करने हेतु तैयार है, क्योंकि इसरो 22 मई को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से अपने नवीनतम रडार इमेजिंग उपग्रह (रिसैट -2बी.आर.1) को लॉन्च करेगा।
 - रिसैट-2बी.आर.1, पिछली रिसैट-श्रृंखला के उपग्रह की तुलना में बहुत अधिक उन्नत है।
 - रिसैट का एक्स-बैंड कृत्रिम द्वारक रडार (एस.ए.आर.) में दिन-रात के साथ-साथ सभी मौसम की निगरानी करने की क्षमता है।
 - यह रडार बादलों को भेद सकता है और 1 मीटर तक के रिज़ॉल्यूशन तक जूम कर सकता है (अतः यह 1 मीटर की दूरी पर रखी दो वस्तुओं के मध्य अंतर कर सकता है)।
 - नया इमेजिंग उपग्रह, भारतीय सुरक्षा बलों की सभी मौसम निगरानी क्षमताओं को बढ़ावा देगा और भारतीय सीमाओं के आसपास किसी भी संभावित खतरे का पता लगाने में मदद करेगा।
 - यह उपग्रह समुद्र में दुश्मन के जहाजों को भी ट्रैक कर सकता है, इसका उपयोग हिंद महासागर में चीनी नौसैनिक जहाजों और अरब सागर में पाकिस्तानी युद्धपोतों पर नज़र रखने के लिए किया जा सकता है।
 - पुराने रिसैट-श्रृंखला के उपग्रहों से प्राप्त चित्रों का प्रयोग वर्ष 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक की

योजना बनाने और इस साल पाकिस्तान के बालाकोट में जैश के कैंप पर हवाई हमले की योजना बनाने में किया गया था।

- रिसैट ने आपदा प्रबंधन अनुप्रयोगों के लिए इसरो की क्षमता को भी बढ़ाया है।

संबंधित जानकारी

- वर्ष 2008 में मुंबई में 26/11 के आतंकवादी हमलों के बाद, रिसैट -2 उपग्रह कार्यक्रम ने रिसैट-1 पर प्राथमिकता से काम किया था क्योंकि इसमें उन्नत रडार प्रणाली है, यह इजरायल में निर्मित है और इसे सुरक्षा बलों की निगरानी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 20 अप्रैल, 2009 को लांच किया गया था।
- 536 कि.मी. की ऊंचाई से यह उपग्रह 24 घंटे भारतीय सीमाओं की निगरानी करता है और सुरक्षा एजेंसियों की घुसपैठियों पर नज़र रखने में मदद करता है। कृत्रिम द्वारक रडार, पारंपरिक बीम-स्कैनिंग रडार की तुलना में स्पष्ट अंतरिक्ष रिजोल्यूशन प्रदान करने के लिए एक लक्ष्य क्षेत्र पर रडार एंटीना की गति का उपयोग करता है।
- सामान्यतः द्वारक जितना बड़ा होगा इमेज रिजोल्यूशन उतना ही अधिक होगा, चाहे द्वारक भौतिक (एक बड़ा एंटीना) या कृत्रिम (एक गतिज एंटीना) हो- यह एस.ए.आर. को तुलनात्मक रूप से छोटे भौतिक एंटीना के साथ उच्च रिजोल्यूशन की इमेज बनाने हेतु यी एस.ए.आर. को अनुमति देता है।

टॉपिक- जी.एस.-3-विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

2. हिंसक मृत्यु का वैश्विक पंजीकरण
 - सिपरी ने पूरे विश्व में हिंसक मौतों की वार्षिक संख्या को ज्ञात करने के लिए हिंसक मृत्यु का वैश्विक पंजीकरण (जी.आरई.वी.डी.) नामक एक नई पहल की शुरुआत की है।
 - जी.आरई.वी.डी. अपनी गणना में सभी प्रकार की हिंसा से होने वाली मृत्युओं को शामिल करेगा और इसे एक ओपन सोर्स डेटाबेस में दर्शाएगा।

- यह शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और आम जनता को वैश्विक, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय, प्रांतीय, शहर और नगरपालिका स्तरों पर हिंसा के रुझानों की निगरानी करने की अनुमति देगा।
- यह डेटाबेस समय, स्थान, अपराधी, पीड़ित और हिंसा के प्रकार सहित प्रत्येक हिंसक मृत्यु के लिए एकल प्रविष्टि का आयोजन करेगा।

संबंधित जानकारी

स्टॉकहोम अंतर्राष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान (सिपरी)

- यह स्वीडन में स्थित एक अंतर्राष्ट्रीय संस्थान है।
- यह संघर्ष, आयुध, हथियार नियंत्रण और निरस्त्रीकरण में अनुसंधान हेतु समर्पित है।
- इसे 1966 में स्थापित किया गया था जो नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, मीडिया और इच्छुक जनता को ओपेन सोर्स के आधार पर डेटा, विश्लेषण और सिफारिशें प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

3. ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया ने उन्नत भारत अभियान को सम्पन्न करने हेतु आई.आई.टी.-कानपुर के साथ संधि की है।
- इलेक्ट्रॉनिक्स और आई.टी. मंत्रालय (सूचना प्रौद्योगिकी), सी.एस.सी. (सामान्य सेवा केंद्र) के अंतर्गत एक विशिष्ट उद्देश्यीय वाहन, "उन्नत भारत अभियान" को सम्पन्न करने हेतु ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड ने आई.आई.टी. कानपुर के साथ संधि की है।
- सी.एस.सी. के साथ अग्रणी संस्थानों के साथ आई.आई.टी.-कानपुर का सहयोग सरकार के डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण को मजबूत करेगा।

संबंधित जानकारी

उन्नत भारत अभियान

- यह 2014 में शुरू की गई, मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एक पहल है।
- इसका उद्देश्य कम से कम 5 गांवों के एक सेट को उच्च शिक्षा संस्थानों से इस प्रकार जोड़ना है

कि ये संस्थाएं अपने ज्ञान के आधार का उपयोग करके इन ग्रामीण समुदायों की आर्थिक और सामाजिक बेहतरी में योगदान दे सकें, जो ग्रामीण भारत में स्थायी विकास को गति प्रदान करने में मदद करता है।

- आई.आई.टी. कानपुर ने 5 गांवों को उनके समग्र विकास हेतु गोद लिया है।
- ये गाँव कानपुर के बाहरी इलाके में स्थित हैं और ये गांव: हृदयपुर, बैकुंठपुर, ईश्वरीगंज, प्रतापपुर हरि और सक्सूपुरवा हैं।
- दूसरा संस्करण (उन्नाव भारत अभियान 2.0) अप्रैल, 2018 में लॉन्च किया गया था।
- इस योजना के अंतर्गत, उच्च शिक्षा संस्थान विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास गतिविधियों में भाग लेंगे।

लक्ष्य

- उच्च शैक्षणिक संस्थानों के संकाय और छात्रों को ग्रामीण वास्तविकताओं को समझने में संलग्न रखना।
- मौजूदा अभिनव तकनीकों को पहचानना और उनका चयन करना, प्रौद्योगिकियों के अनुकूलन को सक्षम करना या लोगों की आवश्यकतानुसार अभिनव समाधानों हेतु कार्यान्वयन विधियों को विकसित करना।
- उच्च शैक्षणिक संस्थानों को विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों के सुचारु कार्यान्वयन हेतु विकासशील प्रणालियों में योगदान प्रदान करने की अनुमति देना।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सरकारी योजना

स्रोत- द हिंदू

4. कर्नाटक में स्कूल बैग के वजन को सीमित कर दिया गया है।
- कर्नाटक सरकार ने राज्य में सभी स्कूलों को निर्देश देते हुए एक आदेश जारी किया है, जिसमें सरकारी, सहायता प्राप्त और बिना-सहायता प्राप्त संस्थान भी शामिल हैं, यह आदेश सुनिश्चित करता है कि स्कूल बैग का वजन बच्चों के वजन के 10% से अधिक नहीं होना चाहिए।

- पिछले वर्ष अक्टूबर में केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के आदेश के बाद यह आदेश आया है जिसमें सभी राज्यों को स्कूल बैग के वजन को कम करने हेतु दिशानिर्देश तैयार करने का निर्देश दिया गया है।

आदेश की मुख्य विशेषताएं

- राज्य में सभी स्कूलों जिसमें सरकारी, सहायता प्राप्त और बिना-सहायता प्राप्त संस्थान भी शामिल हैं, को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्कूल बैग का वजन बच्चे के वजन के 10% से अधिक नहीं होना चाहिए।
- कक्षा 1 या 2 के एक छात्र के बैग का वजन 2 किलो से अधिक नहीं होना चाहिए।
- कक्षा 3 से 5 तक के छात्रों के बैग का वजन 2 से 3 कि.ग्रा. होना चाहिए।
- निर्धारित वजन नियत रूप से बढ़ता जाता है, कक्षा 9 और 10 के छात्रों के बैग का वजन 4-5 किलोग्राम होना चाहिए।
- कक्षा 1 और 2 के छात्रों को कोई होमवर्क नहीं दिया जाना चाहिए।
- संपूर्ण कक्षाकार्य को या तो फाइलों या किताबों में स्कूल में ही रखा जाना चाहिए।
- प्रत्येक महीने के तीसरे शनिवार का "नो स्कूल बैग डे" के रूप में पालन किया जाना चाहिए।
- इस दिन, शिक्षकों को छात्रों को बिना किसी किताब के शामिल करना होता है। सुझाई गई गतिविधियों में फ़ील्ड विज़िट, सामान्य ज्ञान क्लब, कला वर्ग, इनडोर और आउटडोर गेम, अबैकस, नृत्य कक्षाएं और डिबेट शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नंस

स्रोत- द हिंदू

5. गौर (भारतीय जंगली सांड)

- दक्षिण कन्नड़ में सुब्रह्मण्य के पास मवीनाकत्ते गांव में एक भारतीय गौर एक कुएं में गिर गया है।

संबंधित जानकारी

भारतीय जंगली सांड

- गौर को भारतीय जंगली सांड भी कहा जाता है, सबसे बड़ा विलुप्त सांड है।

- यह गोवा का राज्य पशु है।
- यह प्रजाति दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया की मूल निवासी है।
- इसे 1986 से आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट और सीआईटीईएस परिशिष्ट में लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- गौर, जंगली मवेशियों की प्रजातियों में सबसे ऊँचा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

6. सेंडाई फ्रेमवर्क

- संयुक्त राष्ट्र आपदा न्यूनीकरण संस्था ने भारतीय मौसम विभाग के चक्रवात फणि के संदर्भ में शुरुआती चेतावनियों की "लगभग यथार्थ सटीकता" की सराहना की है जिसने सेंडाई फ्रेमवर्क के कार्यान्वयन के कारण "भारत के शून्य-आकस्मिक दृष्टिकोण" की मदद की है।

संबंधित जानकारी

सेंडाई आपदा जोखिम न्यूनीकरण फ्रेमवर्क (एस.एफ.डी.आर.आर.)

- संयुक्त राष्ट्र संगठन के सदस्य राज्यों ने मार्च, 2015 में आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर तीसरे विश्व सम्मेलन में एस.एफ.डी.आर.आर. को मंजूरी प्रदान की है, यह सम्मेलन जापान के सेंडाई में आयोजित किया गया था।
- यह संधि स्वैच्छिक है और सदस्य राज्यों पर बाध्यकारी नहीं है।
- इस फ्रेमवर्क के अंतर्गत, आपदा जोखिमों को कम करने के लिए सदस्य राज्यों की प्राथमिक भूमिका की पहचान की जाती है।
- फ्रेमवर्क की समय सीमा 15 वर्ष अर्थात 2015-2030 तक है।
- एस.एफ.डी.आर.आर. का उद्देश्य अगले 15 वर्षों में आपदा जोखिम को और आपदा में जीवन, आजीविका और स्वास्थ्य के नुकसान को, पर्यावरण, सांस्कृतिक, सामाजिक, भौतिक और आर्थिक, लोगों की परिसंपत्तियां, समुदाय, व्यवसाय और देश के जोखिम में सतत कमी के लक्ष्य को प्राप्त करना है।

सैंडाई फ्रेमवर्क की विशिष्ट प्राथमिकताएं:

- आपदा जोखिम को समझना
- आपदा जोखिमों के प्रबंधन हेतु आपदा जोखिमों के शासन को सशक्त करना
- लचीलेपन हेतु आपदा जोखिम न्यूनीकरण में निवेश करना
- प्रभावी प्रतिक्रिया, बहाली, पुनर्निर्माण और पुनर्वास को सुनिश्चित करने हेतु आपदा की तैयारी में सुधार करना

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – आपदा प्रबंधन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. कन्याश्री प्रकल्प योजना

- पश्चिम बंगाल सरकार की कन्याश्री प्रकल्प योजना ने पढ़ाई के मध्य स्कूल छोड़ने के मामलों को रोकने में 10% की वृद्धि दर्ज की है।

संबंधित जानकारी

कन्याश्री प्रकल्प योजना

- यह योजना पश्चिम बंगाल सरकार (महिला विकास एवं समाज कल्याण विभाग) द्वारा अक्टूबर, 2013 में शुरू की गई थी।
- इसका उद्देश्य लड़कियों की शिक्षा प्राप्ति को बढ़ाना, बाल विवाह की रोकथाम करना और वित्तीय समावेशन को बढ़ाना है।
- यह एक सशर्त नकद हस्तांतरण योजना है जिसका उद्देश्य किशोर लड़कियों की स्कूली शिक्षा को प्रोत्साहित करके और 18 वर्ष की आयु तक उनके विवाह में देरी करके बालिकाओं की स्थिति और भलाई में सुधार करना है।

उद्देश्य:

- राज्य में किशोरी लड़कियों के जीवन और स्थिति में सुधार करना
- राज्य के वंचित परिवारों की प्रत्येक लड़की को उच्च शिक्षा को जारी रखने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना।
- बाल विवाह को रोकना
- उनके स्वास्थ्य के संदर्भ में बेहतर परिणाम प्राप्त करना (विशेषकर शिशु और मातृ मृत्यु दर को रोकने के लिए सुविधा प्रदान करना)

- राज्य में लड़कियों के सशक्तीकरण के लिए योगदान देना
- यह योजना राज्य में 13 से 19 वर्ष की आयु के सभी बालिकाओं को शामिल करेगी
- उच्च अध्ययन के लिए 18 वर्ष से अधिक आयु की अविवाहित लड़कियों को अपनी शिक्षा को आगे जारी रखने हेतु 25000 रुपये का अनुदान प्रदान किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – सरकारी योजना

स्रोत- द हिंदू

8. पूर्वोत्तर भारत तेजी से क्यों सूख रहा है?

- शोधकर्ताओं की एक टीम ने पाया है कि पूर्वोत्तर भारत, पृथ्वी पर सबसे अधिक शुष्क स्थानों में से एक है जो कि तेजी से सूख रहा है, ऐसा विशेषकर पिछले 30 वर्षों में प्रशांत दशकीय दोलनों के कारण हुआ है।
- इन दोलनों के कारण कुछ स्थान जहां पर मानसून के मौसम के दौरान 3,000 मि.मी. तक बारिश होती थी, अब इन क्षेत्रों में बारिश में लगभग 25-30% की कमी हुई है।

संबंधित जानकारी

प्रशांत दशकीय दोलन (पी.डी.ओ.)

- इसे प्रायः प्रशांत जलवायु परिवर्तनशीलता के लंबे समय तक रहने वाले अल-नीनो जैसे प्रारूप के रूप में वर्णित किया जाता है।
- पी.डी.ओ. प्रारूप को प्रशांत घाटी और उत्तरी अमेरिकी जलवायु में व्यापक बदलावों द्वारा चिह्नित किया जाता है।
- ई.एन.एस.ओ. घटना के समानांतर, पी.डी.ओ. के चरम चरणों को या तो गर्म या ठंडे के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जैसा कि उत्तर-पूर्व और उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में समुद्र के तापमान की विसंगतियों द्वारा परिभाषित किया गया है।
- जब समुद्र की सतह का तापमान आंतरिक रूप से उत्तरी प्रशांत में ठंडा होता है और प्रशांत तट के किनारे गर्म होता है और जब उत्तरी प्रशांत पर समुद्र स्तरीय दबाव औसत से कम होता है तो पी.डी.ओ. का मान धनात्मक होता है।

- जब जलवायु विसंगति प्रारूपों को उलट दिया जाता है, तो उत्तरी अमेरिकी तट के किनारे आंतरिक और ठंडी एस.एस.टी. विसंगतियों में गर्म समुद्र सतह तापमान (एस.एस.टी.) विसंगतियों के साथ या उत्तरी प्रशांत पर औसत समुद्र स्तर के दबाव से अधिक पी.डी.ओ. का मान नकारात्मक होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आपदा प्रबंधन

स्रोत- टी.ओ.आई.

9. आंध्र प्रदेश के सिम्हाचलम मंदिर में "चन्दनोत्सवम"
 - सिम्हाचलम में भगवान वाराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के वार्षिक "चंदनोत्सवम" महोत्सव हेतु 2,000 पुलिस बलों को तैनात किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

चंदनोत्सवम

- चंदनोत्सव (चंदन उत्सव), को चंदन यात्रा के नाम से भी जाना जाता है, यह सिम्हाचलम मंदिर में मनाया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण महोत्सव है।
- यह अक्षय तृतीया के त्यौहार के दिन मनाया जाता है।
- इस दिन, चंदन का लेप, जिसे सामान्यतः चंदनम कहा जाता है, जो पूरे मूलावर को ढके रहता है, इसे हटा दिया जाता है।
- इसके परिणामस्वरूप, भक्त पूरे वर्ष में एक बार 12 घंटे के लिए देवता की मूर्ति का मूल रूप देखते हैं।

वाराह लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर

- श्री वाराह लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर, आंध्र प्रदेश में सिम्हाचलम पहाड़ी पर स्थित एक हिंदू मंदिर है।
- यह हिंदू त्रिमूर्ति देवताओं में से एक देवता श्री विष्णु जी को समर्पित है, जिनकी वहां वाराह नरसिम्हा के रूप में पूजा-अर्चना की जाती है।
- अक्षय तृतीया के अवसर के अतिरिक्त वाराह नरसिम्हा की मूर्ति को पूरे वर्ष चंदन के लेप से ढक के रखा जाता है, जिससे यह शिवलिंग जैसी दिखती है।

- यह श्रीकूर्म और अन्य लोगों के साथ मध्यकाल में वैष्णववाद का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता था।
- इस मंदिर को इतिहासकारों ने चालुक्य चोल राजा कुलोत्तुंगा प्रथम द्वारा 9वीं शताब्दी ईस्वी के शिलालेख की सहायता से मान्यता प्रदान की थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

10. वित्त आयोग की सलाहकार परिषद में मुख्य आर्थिक सलाहकार को शामिल किया गया है।
 - भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार, डॉ. कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यन को पंद्रहवें वित्त आयोग की सलाहकार परिषद के सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

संबंधित जानकारी

- मुख्य आर्थिक सलाहकार, भारत सरकार में एक पद है और भारत सरकार के सचिव के पद के समतुल्य है।
- सी.ई.ए., भारतीय आर्थिक सेवा का पदेन नियंत्रण अधिकारी होता है।
- आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री से संबद्ध होता है।

सलाहकार परिषद:

परिषद की भूमिकाएं निम्नलिखित हैं:

- आयोग के संदर्भ की शर्तों (टी.ओ.आर.) से संबंधित किसी भी प्रासंगिक मुद्दे पर आयोग को सलाह देना।
- किसी भी अनुसंधान अध्ययन की तैयारी में सहायता करना जो आयोग की अपने टी.ओ.आर. में निहित मुद्दे के प्रति समझ को बढ़ाएगा
- राजकोषीय विचलन से संबंधित मामलों पर सर्वोत्तम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं की तलाश करने हेतु आयोग की समझ को व्यापक करने में मदद करना

वित्त आयोग

- इसे मुख्य रूप से संघ और राज्यों के मध्य और राज्यों के मध्य कर राजस्व के वितरण पर अपनी सिफारिशें प्रदान करने हेतु संविधान के अनुच्छेद 280 के अंतर्गत राष्ट्रपति द्वारा गठित किया गया था।

- आयोग को प्रत्येक पांच वर्ष में नियुक्त किया जाता है।
- इसमें एक अध्यक्ष और चार अन्य सदस्य शामिल होते हैं।
- 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एन. के. सिंह हैं।
- इसकी सिफारिशें 1 अप्रैल, 2020 से शुरू होने वाली पांच वर्ष की अवधि को कवर करेंगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नंस

स्रोत-इकोनॉमिक टाइम्स

1.1. भारतीय नौसेना ने चौथी स्काॅपीन श्रेणी की पनडुब्बी "वेला" लॉन्च की है।

- भारतीय नौसेना की प्रोजेक्ट 75 की स्टील्थ स्काॅपीन श्रेणी की चौथी पनडुब्बी को महाराष्ट्र के मुंबई में मझगांव डॉक लिमिटेड के कान्होजी अंग्रे वेट बेसिन में लांच किया गया है।
- पहले की पनडुब्बी के बाद इस पनडुब्बी को "वेला" नाम दिया गया था, जो कि तत्कालीन वेला श्रेणी की प्रमुख पनडुब्बी थी, फॉक्सट्रॉट श्रेणी की पनडुब्बियों का दूसरा बैच तत्कालीन यू.एस.एस.आर. से प्राप्त किया गया था।
- पनडुब्बियों का निर्माण मझगांव डॉक लिमिटेड में किया जा रहा है, जिसमें प्रमुख सहयोगी फ्रांस का मैसर्स नेवल ग्रुप है।

संबंधित जानकारी

- नौसेना के पास वर्ष 2020 तक ऐसी छह पनडुब्बियां होंगी।
- स्काॅपीन श्रेणी की इन 6 स्टील्थ पनडुब्बियों का निर्माण प्रोजेक्ट 75 के अंतर्गत फ्रांस के डी.सी.एन.एस. सहयोग से किया जा रहा है और मझगांव डाक लिमिटेड में इनका विनिर्माण किया जा रहा है।
- (a) पहली स्काॅपीन पनडुब्बी- कलवरी
- (b) दूसरी स्काॅपीन पनडुब्बी- खंडेरी
- (c) तीसरी स्कोपीन सबमरीन- करंज
- ये छह पनडुब्बियां भारतीय नौसेना की पनडुब्बियों की पुरानी सिंधुघोष और शिशुमार श्रेणी को प्रतिस्थापित करेंगी।

टॉपिक- जी.एस.-3- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- ए.आई.आर.

07.05.2019

1. तमिलनाडु में विशालकाय सफेद गिलहरी देखी गई है।

- शोधकर्ताओं ने पूर्वी घाट में गिंगी के निकट पक्कामलाई रिजर्व जंगलों में सफेद गिलहरी के घोंसले देखे हैं।

संबंधित जानकारी

विशालकाय सफेद गिलहरी

- इसे सामान्यतः दक्षिणी भारत में पश्चिमी घाट में घोंसला बनाने के लिए जाना जाता है।
- दक्षिण भारत में, यह केरल में चिन्नार वन्यजीव अभयारण्य से अन्नामलाई बाघ रिजर्व तक और तमिलनाडु में पलानी पहाड़ियों में पाई जाती है।
- यह प्रजाति दक्षिणी राज्यों केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु और श्रीलंका की स्थानिक प्रजाति है।
- आई.यू.सी.एन. दर्जा: खतरे के निकट है और सी.आई.टी.ई.एस. की अनुसूची II के अंतर्गत सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

2. एक मिलियन प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं: यू.एन.

- आई.पी.बी.ई.एस. की वैश्विक मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, औसतन रूप से पिछले 10 मिलियन वर्षों में प्रजातियों के विलुप्त होने की वैश्विक दर पहले से ही पिछले की तुलना में 10 से 100 गुना तक बढ़ गई है।
- संयुक्त राष्ट्र अंतरसरकारी जलवायु परिवर्तन पैनल (आई.पी.सी.सी.) के बाद जारी की गई इस रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि ग्लोबल वार्मिंग के प्रलयकारी स्तर से बचने के लिए विश्व के पास केवल 12 वर्ष का समय शेष है।

रिपोर्ट के महत्वपूर्ण बिंदु

- लगभग 10% कीट प्रजातियां विलुप्त होने का खतरे का सामना कर रही हैं।
- 23% भूमि क्षेत्रों में भूमि पतन के कारण कृषि उत्पादकता कम हो गई है।

- लगभग 25% ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन भूमि समाशोधन, फसल उत्पादन और उर्वरीकरण के कारण होता है।
- 1870 के दशक के बाद से सभी जीवित प्रवाल भित्ति क्षेत्र का लगभग आधा हिस्सा समाप्त हो गया है।
- 1992 से शहरी क्षेत्रों में 100% से अधिक की वृद्धि हुई है।

संबंधित जानकारी

जैव विविधता एवं पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं पर अंतरसरकारी विज्ञान नीति मंच (आई.पी.बी.ई.एस.)

- यह एक स्वतंत्र अंतर-सरकारी निकाय है, जिसे जैव विविधता, दीर्घकालिक मानव कल्याण और सतत विकास के संरक्षण और सतत उपयोग हेतु जैव विविधता एवं पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं हेतु विज्ञान-नीति इंटरफ़ेस को मजबूत करने के लिए स्थापित किया गया है।
- इसकी स्थापना पनामा सिटी में 21 अप्रैल, 2012 को 94 सरकारों द्वारा की गई थी।
- आई.पी.बी.ई.एस. को चार संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं: यू.एन.ई.पी., यूनेस्को, एफ.ए.ओ. और यू.एन.डी.पी. के तत्वाधान में रखा गया है।
- यह संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा प्रशासित है।
- आई.पी.बी.ई.एस. का सचिवालय बॉन, जर्मनी में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- द हिंदू

3. दरबार स्थान-परिवर्तन

- जम्मू और कश्मीर सरकार के नागरिक सचिवालय और अन्य कार्यालयों को द्विवार्षिक दरबार स्थान-परिवर्तन के एक भाग के रूप में ग्रीष्मकालीन वार्षिक राजधानी श्रीनगर में फिर से खोला जाएगा।

संबंधित जानकारी

- दरबार स्थान-परिवर्तन, जम्मू और कश्मीर में सचिवालय और अन्य सभी सरकारी कार्यालयों को श्रीनगर (राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी) से जम्मू (राज्य की शीतकालीन राजधानी) में

स्थानांतरित करने के द्विवार्षिक स्थानांतरण का नाम है।

- सचिवालय, मई से अक्टूबर तक श्रीनगर में और नवंबर से अप्रैल तक जम्मू में स्थित रहता है।
- सचिवालय के साथ ही जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय भी स्थानांतरित किया जाता है।

पृष्ठभूमि

- इन स्थानों पर मौसम की चरम स्थितियों से बचने के लिए 1872 में डोगरा राजा महाराजा रणबीर सिंह द्वारा इस प्रथा की शुरुआत की गई थी।
- परिवहन और संचार के खराब साधनों के कारण यह अतीत में अनिवार्य था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत- द हिंदू

4. जलवायु संकट पर चर्चा करने हेतु जी7 पर्यावरण मंत्री फ्रांस के मेट्ज़ में मिले थे।

- जी7 के पर्यावरण मंत्री फ्रांस के मेट्ज़ में दो दिवसीय बैठक के लिए एकत्र हुए थे, वे वनोन्मूलन, प्लास्टिक प्रदूषण, प्रवाल भित्तियों के क्षरण से निपटने हेतु आवश्यक कदमों और लक्ष्य प्राप्त करने के क्रम में देशों के मध्य संधियों का निर्माण करने के तरीकों पर चर्चा करने हेतु एकत्र हुए थे।

संबंधित जानकारी

जी7 (सात का समूह)

- सात का समूह (जी7) कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका से मिलकर बना समूह है।
- जी7 के भीतर यूरोपीय संघ का भी प्रतिनिधित्व किया जाता है।
- ये देश अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा रिपोर्ट की गई सात प्रमुख उन्नत अर्थव्यवस्थाएं हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत- द हिंदू

5. इज़राइल की आयरन डोम एंटी मिसाइल प्रणाली

- इज़राइल सुरक्षा बलों (आई.डी.एफ.) के अनुसार, गाज़ान ने अपनी सीमा में 600 प्रक्षेप्य लॉन्च किए थे। आई.डी.एफ. ने यह भी कहा है कि

उसकी आयरन डोम हवाई रक्षा प्रणाली में आने वाले दर्जनों रॉकेटों को रोका है और इनमें से कई को मार गिराया है।

संबंधित जानकारी

आयरन डोम एंटी मिसाइल प्रणाली क्या है?

- आयरन डोम, इजराइल द्वारा विकसित एक गतिशील ऑल-वेदर हवाई रक्षा प्रणाली है, जो छोटी दूरी के रॉकेटों और छोटी दूरी से फायर की गई को भेदने और नष्ट करने के लिए विकसित किया गया है।
- यह प्रणाली 4 से 70 कि.मी. दूर स्थित रॉकेटों का पता लगाती है और हवा में लक्ष्यों को नष्ट करने हेतु इंटरसेप्टर के साथ संलग्न होगी।
- मिसाइल थ्रेट के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2011 से शुरू होने वाली प्रणाली को वित्तपोषित किया है।
- आयरन डोम प्रतिकूल मौसम की स्थितियों में दिन-रात काम करेगा और एक साथ कई खतरों के प्रति प्रतिक्रिया दे सकता है।
- डोम के तीन केंद्रीय घटक- रडार का पता लगाना और उसकी निगरानी करना, हथियार नियंत्रण प्रणाली और मिसाइल फायरिंग इकाई हैं।
- यहां पर 10 आयरन डोम बैटरियां हैं जो इजराइल की सुरक्षा करती हैं और प्रत्येक बैटरी में 20 तामीर मिसाइलों और एक युद्धक्षेत्र रडार के साथ तीन से चार स्थिर लांचर शामिल हैं।
- तामीर मिसाइल में विद्युत-प्रकाशीय सेंसर और निकटता फ्र्यूज़ ब्लास्ट वॉरहेड के साथ परिचालन पंख हैं, जो अन्य मिसाइल के संपर्क में आने पर विस्फोट हो जाते हैं।

टॉपिक- जी.एस.-3- रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. वैज्ञानिकों ने लक्षद्वीप द्वीप समूह के लोगों पर एक आनुवंशिक अध्ययन किया है।
- सी.एस.आई.आर.- कोशिकीय एवं आणुविक जीव विज्ञान केंद्र (सी.सी.एम.बी.) के वैज्ञानिक ने लक्षद्वीप द्वीप के लोगों पर एक आनुवंशिक अध्ययन किया है।

अध्ययन की मुख्य विशेषताएं

- अध्ययन में पाया गया है कि लक्षद्वीप में मानव वंश का अधिकांश हिस्सा पूर्व और पश्चिम यूरेशिया के आंशिक प्रभावों के साथ दक्षिण एशिया से संबद्ध है।
- लक्षद्वीप द्वीपों के माध्यम से प्रारंभिक मानव प्रवास का कोई सबूत नहीं था।
- उन्हें पैतृक और मातृ वंश दोनों से एक मजबूत संस्थापक प्रभाव मिला है- यह एक संकेत है कि द्वीप की आबादी में सीमित आनुवंशिक मिश्रण था।

संबंधित जानकारी

लक्षद्वीप द्वीप

- लक्षद्वीप 36 द्वीपों का एक द्वीपसमूह है, जिन्हें पूर्व में लक्कादीव, मिनिकोय और अमनदीवी द्वीप के रूप में जाना जाता था।
- यह एक केंद्र शासित प्रदेश है और भारत सरकार द्वारा शासित है।
- यह द्वीप समूह, भारत का सबसे छोटा केंद्रशासित प्रदेश बनाते हैं।
- कावारत्ती, इस केंद्र शासित प्रदेश की राजधानी है और यह क्षेत्र केरल उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

लक्षद्वीप की जनजातियाँ

- लक्षद्वीप में निवास करने वाले प्रमुख समुदाय अमनदीवी, कोयास, मालमिस और मालाचेरिस हैं।
- अमनदीवी को इस द्वीप पर निवास करने वाले लोगों के पहले समूह के रूप में माना जाता है।
- मालाचेरिस को इस द्वीप पर मुख्य कार्यकारी समुदाय के रूप में माना जाता है।
- कोयास, लक्षद्वीप के जमींदार हैं और मालमिस, उनके लिए काम करते हैं।
- लक्षद्वीप में मलयालम सबसे अधिक प्रयोग की जाने वाली भाषा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

7. वित्त मंत्रालय ने इंडोनेशिया से सैकराइन के आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया है।

- वित्त मंत्रालय ने वाणिज्य मंत्रालय की सिफारिशों पर इंडोनेशिया से सैकराइन के आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया है।

संबंधित जानकारी

एंटी-डंपिंग शुल्क के संदर्भ में जानकारी:

- ये अतिरिक्त आयात शुल्क हैं जो डंपिंग की जांच के लिए लगाए गए हैं।

नोट: डंपिंग, विदेश में किसी कंपनी द्वारा उपभोग की वस्तु को उस मूल्य पर बेचने/ निर्यात करने को संदर्भित करता है जो उसके घरेलू बाजार मूल्य से कम है।

- डब्ल्यू.टी.ओ. के मानदंडों के अनुसार, सदस्य देश एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगा सकते हैं यदि:
1. एक निर्यातक माल को डंप कर रहा है।
 2. यह घरेलू उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है।

सैकराइन

- यह एक कृत्रिम या गैर-पोषक, स्वीटनर है जो सुक्रोज (टेबल सुगर) की तुलना में 200 से 700 गुना अधिक मीठा होता है।
- सैकराइन एक यौगिक है जिसका उपयोग सामान्यतः चीनी-प्रतिस्थापी स्वीटनर में किया जाता है।
- इसका उपयोग पेय, कैंडी, कुकीज और दवाओं जैसे उत्पादों को मीठा करने के लिए किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – आर्थिक शर्तें

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

8. आई.आई.टी. मंडी का सेल्फ-क्लीनिंग कांच सूरज के प्रकाश का उपयोग करके पानी को शुद्ध कर सकता है।

- आई.आई.टी. मंडी के वैज्ञानिकों ने सेल्फ-क्लीनिंग कांच विकसित किया है जो केवल सूर्य के प्रकाश का उपयोग करके ताजे पानी से रंग, डिटर्जेंट और ड्रग्स जैसे रोगाणुओं और कार्बनिक प्रदूषकों को निकाल सकता है।
- उन्होंने एक पारदर्शी कैल्शियम बोरेट कांच और TiO₂ क्रिस्टलीकृत कांच का नैनो मिश्रण

विकसित किया है जो सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में रोगाणुओं को मार सकता है और कार्बनिक रसायनों को विभाजित कर सकता है।

- इस कांच में प्रकाश उत्प्रेरक और स्वयं-सफाई के गुण होते हैं जो सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में अपशिष्ट जल से जीवाणुओं और अन्य रोगाणुओं को नष्ट करने में मदद करते हैं।
- मौजूदा शुद्धिकरण तकनीक ठोस प्रदूषकों के साथ-साथ अकार्बनिक यौगिकों को भी दूर कर सकती हैं, घुलित कार्बनिक यौगिक को हटाना एक चुनौती है।

प्रदूषण के प्रमुख स्रोत

- भारत और विदेशों में फार्मास्युटिकल और कपड़ा उद्योगों से निकलने वाला अपशिष्ट जल प्रदूषण का एक प्रमुख स्रोत है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- डी.डी. न्यूज

08.05.2019

1. गृह परिषद ने रेटिंग प्रणाली शुरू की है: "मौजूदा दिनों के स्कूलों हेतु गृह (GRIHA)"

- हरित एकीकृत आवास मूल्यांकन रेटिंग (GRIHA) परिषद ने हाल ही में पूरे भारत में मौजूद स्कूलों के पर्यावरणीय प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए "मौजूदा दिनों के स्कूलों हेतु GRIHA" नामक एक रेटिंग उपकरण लांच किया है।

"मौजूदा दिनों के स्कूलों हेतु GRIHA" रेटिंग प्रणाली

- यह प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए एक एकीकृत उपकरण के रूप में काम करता है और बढ़ी हुई ऊर्जा और पानी की क्षमता के लिए समाधान प्रदान करता है, उष्मीय और दृश्य आराम में वृद्धि करता है और परिचालन और रखरखाव लागत में कमी करता है।
- यह रेटिंग छात्रों को शिक्षकों के मार्गदर्शन में पर्यावरण पर स्कूलों के पर्यावरणीय प्रभाव के मूल्यांकन के अंतर्गत शामिल करके उन्हें स्थिरता की अवधारणाओं से परिचित कराती है।

- सह-निर्माण और समझ के दृष्टिकोण का उपयोग करके रेटिंग प्रक्रिया, प्रकृति और एक दूसरे के साथ संपर्क स्थापित करने में मदद करती है।

हरित एकीकृत आवास मूल्यांकन रेटिंग परिषद

- यह ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान (टी.ई.आर.आई.) और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एम.एन.आर.ई.) द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित एक स्वतंत्र, गैर-लाभकारी सोसाइटी है।
- यह भारत में हरित निकायों के संवर्धन और प्रशासन में मदद करता है।
- GRIHA को आवास के माध्यम से उत्सर्जन की तीव्रता में कमी का मूल्यांकन करने हेतु एक उपकरण के रूप में स्वीकार किया गया है, इसे भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदानों (एन.डी.सी.) में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एक शमन रणनीति के भाग के रूप में यू.एन.एफ.सी.सी.सी. को प्रस्तुत किए गए हैं।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण संस्थान

स्रोत- इकोनॉमिक्स टाइम्स

2. कर्नाटक के पास पेन्नाईयार पानी का प्रयोग करने का कोई अधिकार नहीं है: तमिलनाडु

- तमिलनाडु ने सर्वोच्च न्यायालय से कहा है कि कर्नाटक को पेन्नाईयार नदी का पानी प्रयोग करने का कोई अधिकार नहीं है, यह तमिलनाडु के लोगो की हानि होगी।

संबंधित जानकारी

पेन्नाईयार नदी

- दक्षिण पेन्नार नदी (इसे कन्नड़ में दक्षिणा पिनाकिनी और तमिल में थेनपेन्नाई अथवा पोन्नाईयार के रूप में भी जाना जाता है) भारत में एक सीमा-पार नदी है।
- यह एक प्रायद्वीपीय नदी है जो वर्ष के अधिकांश भाग में सूखी रहती है।
- यह नदी कर्नाटक के चिक्काबाल्लापुरा जिले में नंदी पहाड़ियों से निकलती है।
- यह बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले तमिलनाडु से होकर बहती है।
- इसका जलग्रहण क्षेत्र कर्नाटक और तमिलनाडु राज्यों में स्थित है।

- मार्कडेयनाधी, एक प्रमुख सहायक नदी है जिसका जलग्रहण क्षेत्र कर्नाटक और तमिलनाडु दोनों में है।

- इस नदी पर तिरुवन्नामलाई के निकट स्थानुर बांध बनाया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

3. के.वी.आई.सी. ने 'शहद मिशन' के अंतर्गत मधुमक्खी के पिंजड़े वितरित किए हैं।

- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (के.वी.आई.सी.) ने पूरे देश में अपनी "शहद मिशन" पहल के अंतर्गत दो साल से भी कम समय में किसानों और बेरोजगार युवाओं के बीच एक लाख से अधिक मधुमक्खी के पिंजड़े वितरित किए हैं।

संबंधित जानकारी

शहद मिशन

- इस मिशन को अगस्त, 2017 में 'मीठी क्रांति' की तर्ज पर शुरू किया गया था।
- मधुमक्खी पालन और संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2016 में 'मीठी क्रांति' की शुरुआत की गई थी।
- के.वी.आई.सी. के अनुसार, मिशन ने मधुमक्खी के पिंजड़े और शहद निकालने वालों के सृजन के माध्यम से लगभग 25,000 अतिरिक्त श्रमदिवसों का निर्माण किया, इस मिशन ने 10,000 से अधिक नई नौकरियों का सृजन किया है।

के.वी.आई.सी.

- यह खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम, 1956 के अंतर्गत स्थापित एक संवैधानिक निकाय है।
- के.वी.आई.सी. के पास ग्रामीण क्षेत्रों में जहां भी आवश्यक हो वहां ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में संलग्न अन्य संस्थाओं के साथ समन्वय में ग्रामीण क्षेत्रों में खादी और ग्रामीण उद्यमों के विकास हेतु कार्यक्रमों की योजना, संवर्धन, आयोजन और कार्यान्वयन करने का अधिकार है।
- यह सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।

- यह राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पी.एम.ई.जी.पी.) की एक नोडल कार्यान्वयन संस्था है।
- पी.एम.ई.जी.पी., 2008-09 से एम.एस.एम.ई. मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा एक प्रमुख क्रेडिट-लिंकड सब्सिडी कार्यक्रम है और यह 2019-20 तक जारी रहेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सरकारी योजना

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. प्रतिनिधि (प्रॉक्सी) मतदान

- प्रतिनिधि मतदान का विकल्प केवल सशस्त्र बलों, पुलिस और भारत के बाहर तैनात सरकारी अधिकारियों के लिए उपलब्ध है।
- वह व्यक्ति उसी मतदान केंद्र क्षेत्र में रहने वाले एक अन्य व्यक्ति को अपनी ओर से मत डालने हेतु प्राधिकृत कर सकता है।
- यह विकल्प वर्तमान में उपर्युक्त दर्शाए गए कर्मियों की पत्नियों के लिए उपलब्ध है, लेकिन पतियों के लिए नहीं उपलब्ध है।
- एक प्रतिनिधि के माध्यम से मतदान करने का प्रावधान तब तक मान्य है जब तक कि नियुक्ति करने वाला व्यक्ति सेवा मतदाता न हो।
- एक बार नियुक्त करने के बाद, प्रतिनिधि तब तक जारी रहेगा जब तक कि उसकी नियुक्ति सेवा मतदाता द्वारा रद्द नहीं कर दी जाती है।

नोट:

जनप्रतिनिधि (संशोधन) विधेयक 2017, जो अप्रवासी भारतीयों के लिए भी प्रतिनिधि मतदान की मांग करता है, यह अधिनियम वर्ष 2018 के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में पारित किया गया था लेकिन यह लोकसभा में रद्द हो गया था।

विधेयक के प्रावधान

- चुनावी कानूनों में प्रावधानों के अनुसार, अब तक, एक सैनिक की पत्नी को सेवा मतदाता के रूप में नामांकित होने का अधिकार है, लेकिन एक महिला सेना अधिकारी के पति को सेवा मतदाता के रूप में नामांकित होने का अधिकार नहीं है।

- विधेयक में 'पत्नी' शब्द को 'पति या पत्नी' से बदलने का प्रस्ताव है, इस प्रकार यह प्रावधान लिंग उदासीन हो जाता है।
- सशस्त्र बलों के सदस्य, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के सदस्य, राज्य पुलिस बलों के कर्मचारी जो अपने राज्य के बाहर तैनात हैं और भारत के बाहर तैनात केंद्र सरकार के कर्मचारी सेवा मतदाता के रूप में नामांकित होने के पात्र हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

5. भारत के जगजीत पवादिया को अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य (नारकोटिक्स) नियंत्रण बोर्ड में पुनः चुना गया है।

- भारत के जगजीत पवादिया को एक और कार्यकाल के लिए अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य (नारकोटिक्स) नियंत्रण बोर्ड (आई.एन.सी.बी.) में पुनः चुना गया है।

आई.एन.सी.बी.

- यह वर्ष 1968 में स्थापित किया गया था, आई.एन.सी.बी. संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय दवा नियंत्रण सम्मेलनों के कार्यान्वयन हेतु एक स्वतंत्र और अर्ध-न्यायिक निगरानी निकाय है।
- आई.एन.सी.बी. 13 सदस्यों से मिलकर बना है जो ई.सी.ओ.एस.ओ.सी. द्वारा चुने जाते हैं और वे अपनी व्यक्तिगत क्षमता में सेवा प्रदान करते हैं।

आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ई.सी.ओ.एस.ओ.सी.)

- ई.सी.ओ.एस.ओ.सी., संयुक्त राष्ट्र विशेषाधिकार द्वारा 1946 में स्थापित संयुक्त राष्ट्र के छह मुख्य अंगों में से एक है, यह आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर समन्वय, नीति समीक्षा, नीतिगत वार्ता और सिफारिशों के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय रूप से सहमत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन हेतु प्रमुख निकाय है।
- ई.सी.ओ.एस.ओ.सी., संयुक्त राष्ट्र प्रणाली और इसकी विशेष संस्थाओं की गतिविधियों हेतु केंद्रीय तंत्र के रूप में कार्य करता है और आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय क्षेत्रों में सहायक और विशेषज्ञ निकायों की निगरानी करता है।

टॉपिक- जी.एस.-2- अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- ए.आई.आर.

6. नासा का अंतरिक्ष यान "डार्ट" वर्ष 2022 में एक छोटे मूनलेट से टकराएगा।

- अमेरिकी अंतरिक्ष संस्था नासा ने वर्ष 2022 में एक अंतरिक्ष यान के साथ दोहरी क्षुद्रग्रह प्रणाली में एक छोटे मूनलेट लक्ष्य को मारने की अपनी योजना के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की है, यह पहला मिशन है जो ग्रह संबंधी सुरक्षा तकनीक का प्रदर्शन करता है।
- इस क्षुद्रग्रह को डिडिमोस या डिडिमोस बी. कहा जाता है, एक चंद्रमा क्षुद्रग्रह है जो लगभग 150 मीटर लंबा है और एक बड़े पिंड डिडिमोस ए. की परिक्रमा करता है, जो पृथ्वी से इसके आकार का सबसे सुलभ क्षुद्रग्रह है।
- दोहरे क्षुद्रग्रह पुनर्निर्देशन परीक्षण (डी.ए.आर.टी.) नामक अंतरिक्ष यान, उन तस्वीरों को खींचने में प्रकाशीय निगरानी प्रणाली को लेकर जाएगा जो अंतरिक्ष यान की उसके लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करती हैं।
- डार्ट अंतरिक्ष यान लगभग छह किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से स्वयं क्षुद्रग्रह से टकराएगा और यह टक्कर प्रमुख निकाय के चारों ओर की कक्षा में मूनलेट की गति को एक प्रतिशत के अंश से बदल देगी, जो पृथ्वी पर दूरबीनों का उपयोग करके मापी जा सकने हेतु पर्याप्त है।

टॉपिक- जी.एस.-3- विज्ञान एवं तकनीकी

स्रोत- बजनेस स्टैंडर्ड

7. पर्पल मेंढक

- केरल वन अनुसंधान संस्थान (के.एफ.आर.आई.) के शोधकर्ताओं और सरीसृप विज्ञानवेत्ताओं ने बेंगनी मेंढक की प्रजाति को पाया है जो पश्चिमी घाटों के लिए 'मवेली' मेंढक के रूप में स्थानिक है।
- सरीसृप विज्ञान, जंतु विज्ञान की शाखा है जो उभयचरों और सरीसृपों के अध्ययन से संबंधित है और जो इसका अध्ययन करते हैं उन्हें सरीसृप विज्ञानवेत्ता कहा जाता है।

संबंधित जानकारी

पर्पल मेंढक

- इसे आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- यह एक अनूठी प्रजाति है और दक्षिणी पश्चिमी घाटों के लिए स्थानिक है।
- पर्पल मेंढक, अपनी बांसुरी के आकार की जीभ का प्रयोग करके अधिकांशतः मिट्टी के कणों, चींटियों और दीमक को खाता है।
- कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि इस प्रजाति को 'जीवित जीवाश्म' कहा जाना चाहिए क्योंकि इसकी विकास की जड़ें बताती हैं कि यह लगभग 70 मिलियन वर्ष पहले डायनासोर के साथ साझा स्थान हो सकता था।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- टी.ओ.आई.

8. फणी द्वारा ओडिशा के वन्यजीव अभयारण्य तबाह कर दिए गए हैं।

बालुखंड वन्यजीव अभयारण्य

- यह बंगाल की खाड़ी के किनारे पुरी और कोणार्क के शहरों के मध्य स्थित है।
- यह अभयारण्य काले हिरण (एंटीलोप सर्वाइकाप्रा) और ओलिव रिडले समुद्री कछुए (लेपिडोचेलिस ओलिवासिया) के एक झुंड का निवास है जो समुद्र तटों पर स्थित है।

नंदनकानन जूलॉजिकल पार्क

- नंदनकानन जूलॉजिकल पार्क 1960 में स्थापित किया गया था और वर्ष 2009 में विश्व चिड़ियाघर एवं एकवैरियम संघ (डब्ल्यू.ए.जेड.ए.) में शामिल होने वाला भारत का पहला चिड़ियाघर है।

चंडका हाथी वन्यजीव अभयारण्य

- चंडका हाथी अभयारण्य, भारतीय राज्य ओडिशा में कटक के दक्षिण तट पर स्थित एक वन्यजीव रिजर्व है।
- इसे दिसंबर 1982 में एक हाथी रिजर्व के रूप में नामित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

9. बच्चों की बोतलों में प्रतिबंधित बिसफिनॉल-ए के कण पाए गए हैं।

- टॉक्सिक्स लिंक द्वारा किए गए एक हालिया अध्ययन में यह पाया गया है कि बिसफिनॉल-ए (बी.पी.ए.) एक जहरीला रसायन है जिसका शिशुओं के लिए बोतल बनाने में प्रयोग करना पूर्णतया प्रतिबंधित है।
- भारतीय मानक ब्यूरो (बी.आई.एस.) के मौजूदा विनियमों के अनुसार, बी.पी.ए. का उपयोग प्रतिबंधित है, लेकिन वर्तमान अध्ययन में बच्चों की दूध की बोतल के नमूनों में बी.पी.ए. के कण पाए गए हैं।

संबंधित जानकारी

बिसफिनॉल-ए (बी.पी.ए.)

- बी.पी.ए., एक अंतःस्रावी-विघटनकारी रसायन है जिसे वैश्विक स्तर पर "चिंता का रसायन" के रूप में स्वीकार किया गया है।
- विषाक्त रसायन एक हार्मोन की नकल करने के लिए जाना जाता है जो कैंसर की प्रगति को सक्रिय करता है और प्रजनन प्रणाली के विकास में बाधा उत्पन्न करता है।
- बच्चों के महामारी विज्ञान के अध्ययन से बी.पी.ए. जोखिम और हृदय रोगों, यकृत विषाक्तता और चयापचय सिंड्रोम (मधुमेह मोटापा) के मध्य संबंध का संकेत मिलता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकी

स्रोत- डाउन टू अर्थ

09.05.2019

1. कलासा-बांदुरी परियोजना के लिए पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन छूट मांगी गई है।

- महादयी जल विवाद न्यायाधिकरण (एम.डब्ल्यू.डी.टी.) ने हाल ही में कलासा-बांदुरी परियोजना के पूरा होने को हरी झंडी दिखाई है।

संबंधित जानकारी

कलासा-बांदुरी परियोजना

- यह कर्नाटक सरकार द्वारा बेलगावी, धारवाड़ और गडग जिलों की पेयजल आपूर्ति में सुधार करने के लिए शुरू की गई परियोजना है, जो

उक्त 3 जिलों अर्थात धारवाड़, बेलगावी और गडग की पेयजल आवश्यकताओं की आपूर्ति करती है।

- इसमें कलासा और बांदुरी के बीच बांध और नहरों का निर्माण करना, महादयी नदी की दो सहायक नदियां, मालाप्रभा नदी को 7.56 टी.एम.सी. पानी की आपूर्ति करती हैं।
- यह परियोजना महादयी नदी के पानी के बंटवारे को लेकर कर्नाटक और गोवा सरकार के मध्य कानूनी रणक्षेत्र में थी।
- पूर्व व्यवहार्यता रिपोर्ट में बताया गया है कि जलमग्न होने वाले क्षेत्र में भीमगढ़ वन्यजीव अभयारण्य के अधिसूचित पारिस्थिक-संवेदनशील क्षेत्र में हरे-भरे वन भी शामिल हैं।

महादयी नदी

- महादयी या मंडोवी नदी को भारतीय राज्य गोवा की जीवन रेखा के रूप में वर्णित किया गया है।
- महादयी नदी की महत्वपूर्ण सहायक नदियों में कलासा नाला, सुरला नाला, हलतर नाला, पोती नाला, महादयी नाला, पानशीर नाला, बैल नाला, अंधेर नाला शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत-लिवमिंट

2. म्यूलर रिपोर्ट: ट्रम्प कार्यकारी विशेषाधिकार पर जोर दिया है।

- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सदन न्यायपालिका समिति को अनियोजित म्यूलर रिपोर्ट जारी करने से रोकने के लिए कार्यकारी विशेषाधिकार का प्रयोग किया है।

संबंधित जानकारी

म्यूलर रिपोर्ट

- इसे औपचारिक रूप से 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में रूसी हस्तक्षेप की जांच पर शीर्षक रिपोर्ट है।
- यह 2016 के संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव, डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति अभियान और रूस के बीच साजिश या समन्वय के आरोपों में हस्तक्षेप करने के रूसी प्रयासों में विशेष वकील रॉबर्ट म्यूलर की जांच के निष्कर्षों और परिणामों का दस्तावेजीकरण है।

कार्यकारी विशेषाधिकार

- कार्यकारी विशेषाधिकार, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति और संयुक्त राज्य सरकार की कार्यकारी शाखा के अन्य सदस्यों की शक्ति है।
- सरकारी कार्यों को बाधित करने वाले खुफिया संचार से संबंधित कर्मियों अथवा जानकारी एकत्र करने के प्रयासों में सरकार की विधायी और न्यायिक शाखाओं द्वारा किए गए निश्चित सम्मनों और अन्य हस्तक्षेपों के विरोध की शक्ति प्रदान करता है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान में ऐसी जानकारी प्राप्त करने के लिए कांग्रेस या संघीय न्यायालयों की शक्ति का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- द हिंदू

3. गंगाम्मा जतारा

- यह तिरुपति के लोगों के लिए एक बहुत प्रसिद्ध स्थानीय त्योहार है।
- इसे थाथाया गुनता गंगाम्मा मंदिर में मनाया जाता है।
- इसे प्रत्येक वर्ष मई के महीने में मनाया जाता है।
- इस त्योहार में भगवान वेंकटेश्वर की बहन मानी जाने वाली देवी गंगाम्मा की पूजा की जाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

4. डेंगवैक्सिया: एफ.डी.ए. ने डेंगू की रोकथाम के लिए पहले टीके को मंजूरी प्रदान की है।

- अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफ.डी.ए.) ने डेंगवैक्सिया के अनुमोदन की घोषणा की है, सभी प्रकार के डेंगू विषाणुओं से होने वाली डेंगू बीमारी की रोकथाम हेतु पहले टीके को मंजूरी प्रदान की गई है।
- अमेरिकी समोआ, गुआम, प्यूर्टो रिको और यू.एस. वर्जिन द्वीपसमूह के अमेरिकी क्षेत्रों में डेंगू स्थानिक बीमारी है।

डेंगवैक्सिया

- यह मूल रूप से एक जीवित, तनुकृत डेंगू विषाणु है।
- एक तनुकृत विषाणु, वह विषाणु होता है जो शरीर में एक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को सक्रिय करने के अपने गुणों को बरकरार रखता है लेकिन रोग की ओर ले जाने की इसकी क्षमता से समझौता किया जाता है।
- इसे 9 से 16 वर्ष की आयु के उन लोगों को लगाया जाना है जिनमें पहले से ही डेंगू संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है और जो स्थानिक क्षेत्रों में रहते हैं।

संबंधित जानकारी

डेंगू

- यह विश्व में सबसे सामान्य मच्छर जनित विषाणु बीमारी है।
- एडीज एजिप्टी मच्छर मुख्य रोगवाहक है जो डेंगू पैदा करने वाले विषाणु को प्रसारित करता है।
- यह विषाणु मनुष्यों में एक संक्रमित मादा एडीज मच्छर के काटने से फैलता है, जो मुख्य रूप से संक्रमित व्यक्ति का रक्त चूसते समय इस विषाणु को प्राप्त करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- डाउन टू अर्थ

5. ईरान को परमाणु समझौते का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

- यूरोप ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि वह 2015 के परमाणु समझौते के कुछ भागों का उल्लंघन करता है तो वह ईरान पर पुनः प्रतिबंध लगाएगा।
- यह बयान ईरान के राष्ट्रपति द्वारा की गई इस घोषणा के बाद आया है कि ईरान अपने रुके हुए परमाणु कार्यक्रम के भागों को पुनः शुरू करेगा, यह बयान 2015 के परमाणु समझौते से अमेरिका के बाहर निकलने पर प्रतिक्रिया के रूप में दिया गया था।

संबंधित जानकारी

ईरान परमाणु समझौता

- ईरान परमाणु समझौता जिसे संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जे.सी.पी.ओ.ए.) के रूप में जाना जाता है, इसे 2015 में घोषित किया गया था।
- यह समझौता ईरान और P5 + 1 समूह (अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस, चीन और जर्मनी) के बीच किया गया है।
- यह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को प्रतिबंधित करता है, इसके बदले में इस पर लगे सबसे अधिकांश आर्थिक प्रतिबंध हटाए जाएंगे।
- परमाणु समझौते के प्रमुख प्रावधान हैं:
 1. यूरेनियम संवर्धन को सीमित करना
 2. परमाणु अपकेंद्रक की संख्या को सीमित करना (अपकेंद्रक (सेंट्रीफ्यूज) यूरेनियम को समृद्ध करने के लिए प्रयुक्त उपकरण हैं)।
 3. प्लूटोनियम संवर्धन पर प्रतिबंध- ईरान को अराक परमाणु स्थल पर परिचालन करने से रोकना है, जिसका उपयोग प्लूटोनियम बनाने के लिए किया जाता था।
 4. निरीक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा संस्था (आई.ए.ई.ए.) को अनुमति प्रदान करना।
- अमेरिका वर्ष 2018 में निम्नलिखित कारणों का हवाला देते हुए इस समझौते से बाहर हो गया था:
 1. जे.सी.पी.ओ.ए. ईरान के मिसाइल कार्यक्रम के खतरे से निपटने में विफल रहा है।
 2. इस समझौते में निरीक्षण और सत्यापन के लिए मजबूत तंत्र शामिल नहीं हैं।

टॉपिक- Gजी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. भारत को आर्कटिक परिषद के पर्यवेक्षक के रूप में पुनः चुना गया है।
- भारत को आर्कटिक परिषद के पर्यवेक्षक के रूप में पुनः चुना गया है।
- भारत 2013 से इस परिषद में पर्यवेक्षक है।
- भारत के अतिरिक्त चीन, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, इटली और जापान को भी परिषद में पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त है।
- आठ देशों का समूह है जिनकी सीमाएं आर्कटिक क्षेत्र में हैं।

- आर्कटिक परिषद रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, नॉर्वे, डेनमार्क, स्वीडन, आइसलैंड और फिनलैंड से मिलकर बनी है।

टॉपिक- जी.एस.-2- अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- डाउन टू अर्थ

7. वर्ष 2023 तक औद्योगिक रूप से उत्पादित ट्रांस वसा को खत्म करने हेतु डब्ल्यू.एच.ओ. प्रतिबद्ध है।
- डब्ल्यू.एच.ओ. और अंतर्राष्ट्रीय खाद्य एवं पेय संधि (आई.एफ.बी.ए.) ने औद्योगिक रूप से उत्पादित ट्रांस वसा को खत्म करने हेतु हाथ मिलाया है।

संबंधित जानकारी

ट्रांस वसा

- ट्रांस वसा को ट्रांस-असंतृप्त फैटी एसिड या ट्रांस फैटी एसिड भी कहा जाता है, एक प्रकार की असंतृप्त वसा है जो प्रकृति में कम मात्रा में उपस्थित है।
- इसे नकली मक्खन, स्नैक फूड, पैकेज्ड बेकड उत्पाद और फास्ट फूड को तलने के लिए वर्ष 1950 से वनस्पति वसा से औद्योगिक स्तर पर व्यापक रूप से उत्पादित करना शुरू किया गया था।
- वसा में लंबी हाइड्रोकार्बन श्रृंखलाएं होती हैं, जो या तो असंतृप्त हो सकती हैं अथवा डबल बंध होते हैं या संतृप्त होती हैं अर्थात कोई डबल बॉन्ड नहीं होता है।
- ट्रांस वसा प्राकृतिक रूप में भी पायी जाती है, उदाहरण के लिए, यह महिलाओं के स्तनों के दूध में वैक्सीनिक अम्ल में और प्राकृतिक रूप से मांस और जुगाली करने वाले पशुओं से प्राप्त दुग्ध उत्पादों में भी पाई जाती है।
- अधिक ट्रांस वसा वाला आहार खाने से मोटापा, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग का जोखिम बढ़ जाता है।
- ट्रांस वसा को टाइप 2 मधुमेह के विकास के लिए भी जिम्मेदार पाया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

8. यू.डी.ए.आई. वित्तीय अस्थिरता कर रहा है:
आर.बी.आई.

- आर.बी.आई. ने आय समर्थन, बिजली वितरण कंपनियों हेतु पुनरुद्धार पैकेज और कृषि ऋण माफी जैसी सरकारी योजनाओं पर अपनी चिंता व्यक्त की है क्योंकि इस तरह की योजनाओं के कारण वित्तीय अस्थिरता आती है।

संबंधित जानकारी

यू.डी.ए.आई. (उज्जवल डिस्कॉम बीमा योजना) योजना

- यह केंद्र सरकार की योजना है जिसे वर्ष 2015 में केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था।
- इसका उद्देश्य राज्य बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के लिए वित्तीय परिवर्तन और पुनरुद्धार पैकेज प्रदान करना है।
- राज्यों के शामिल होने हेतु यह योजना वैकल्पिक है।
- इस योजना के अंतर्गत, राज्य सरकारों को ऋणदाताओं को वापस भुगतान करने हेतु संप्रभु बांड जारी करके अपने संबंधित डिस्कॉम के ऋण का 75% भाग तक लेना था।
- शेष 25% ऋण डिस्कॉम द्वारा डिस्कॉम बांड के रूप में जारी किए जाएंगे।
- खैरात के बदले में, डिस्कॉम को लक्षित तिथियां (2017 से 2019) दी गई हैं, इन तारीखों तक उन्हें हस्तांतरण, चोरी और दोषपूर्ण पैमाइश के माध्यम से बिजली की कमी, स्मार्ट मीटर स्थापित करना और नुकसान वाले क्षेत्रों में जी.आई.एस. (भौगोलिक सूचना प्रणाली) को लागू करना जैसे दक्षता मापदंडों को पूरा करना होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- द हिंदू बिजनेस

10.05.2019

1. बासेल सम्मेलन में पार्टियों के सम्मेलन की
14वीं बैठक आयोजित की गई है।

- बासेल सम्मेलन में स्टिंजरलैंड के जिनेवा में संयुक्त रूप से पार्टियों के सम्मेलन की 14वीं बैठक आयोजित की गई है और इसके ठीक बाद स्टिंजरलैंड के जिनेवा में ही रॉटरडैम सम्मेलन सी.ओ.पी. 9 और सी.ओ.पी. 9 पर स्टॉकहोम सम्मेलन का आयोजन किया गया है।
- इस बैठक की थीम "स्वच्छ ग्रह, स्वस्थ लोग: रसायन एवं अपशिष्ट का बेहतर प्रबंधन" थी।
- कार्यकारी भाषाएं: अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, रूसी और स्पेनिश हैं।

संबंधित जानकारी

बासेल सम्मेलन (1989)

- इसमें हानिकारक अपशिष्ट के सीमा-पार स्थानांतरण के नियंत्रण और उसके निपटान पर चर्चा की जाएगी।
- इसमें अपशिष्टों की व्यापक श्रृंखला शामिल है जिन्हें "हानिकारक अपशिष्ट" के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो विस्फोटक, विषैले, संक्रामक, संक्षारक, जहरीले या पर्यावरणीय रूप से हानिकारक होते हैं जिनमें घरेलू और भस्मीकरण राख भी शामिल है।
- यह संयुक्त राष्ट्र संधि है।
- यह रेडियोधर्मी अपशिष्ट के स्थानांतरण को संबोधित नहीं करता है।

रॉटरडैम सम्मेलन (1998)

- यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में निश्चित हानिकारक रसायनों और कीटनाशकों के लिए पूर्वसूचित सहमति प्रक्रिया पर आधारित है।
- पी.आई.सी. प्रक्रिया औपचारिक रूप से सम्मेलन के अंतर्गत रसायनों को प्राप्त करने और निर्यात करने वाले देशों द्वारा अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु पार्टियों के आयात करने वाली पार्टियों के निर्णय को प्राप्त करने और प्रसार करने हेतु एक तंत्र है।
- इस सम्मेलन के अंतर्गत रसायनों का समावेशन रसायनों को प्रतिबंधित नहीं करता है।
- हालांकि, आयात करने वाले देशों को आई.पी.सी. प्रक्रिया का पालन करने की आवश्यकता है और

इससे व्यापार लागत में वृद्धि होने के साथ ही आयात/ निर्यात प्रक्रिया में देरी हो सकती है।

स्टॉकहोम सम्मेलन (2001)

- इसका उद्देश्य निरंतर जैविक प्रदूषकों (पी.ओ.पी.) के उत्पादन और उपयोग को खत्म करना या प्रतिबंधित करना है।
- यह संयुक्त राष्ट्र संधि है।
- अमेरिका इस संधि का पक्षकार नहीं है।
- पी.ओ.पी., वे रासायनिक पदार्थ हैं जो:
 1. पर्यावरण में निरंतर रूप से मौजूद रहते हैं
 2. खाद्य वेब के माध्यम से जैव संचय करते हैं
 3. मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालने का खतरा पैदा करते हैं

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – महत्वपूर्ण सम्मेलन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. मुंबई से पानी के नमूनों में विशालकाय विषाणु मिले हैं।
- भारतीय वैज्ञानिक ने मुंबई में खपत होने वाले पानी के नमूनों में नया विशालकाय विषाणु पाया है।

संबंधित जानकारी

विशालकाय विषाणु

- एक विशालकाय विषाणु एक बहुत बड़ा विषाणु होता है, जिनमें से कुछ विशिष्ट जीवाणु से भी बड़े होते हैं।
- वे विशालकाय न्यूक्लियोसाइटोप्लाज्मिक बड़े डी.एन.ए. विषाणु (एन.सी.एल.डी.वी.) होते हैं जो अन्य विषाणुओं की तुलना में बहुत बड़े जीनोम होते हैं और इनमें कई अद्वितीय जीन होते हैं जो अन्य जीवन रूपों में नहीं पाए जाते हैं।
- इनमें से अधिकांश को एक हानिरहित विषाणु के रूप में वर्गीकृत किया गया है क्योंकि वे किसी भी वायरल जीन को नहीं दर्शाते हैं जो मानव के लिए हानिकारक हो।
- यह 1992 में इंग्लैंड में एक क्लिंग टॉवर में मौजूद अमीबा के भीतर उगता पाया गया था।
- यह परिकल्पित किया गया है कि विशालकाय विषाणु सरल रूपों से जीवित जीवों के विकास को समझने की कुंजी हैं।

विशालकाय विषाणु के उदाहरण हैं:

- बैट्रेमेगा विषाणु (बी.एम.वी.)
- पवाई झील मेगा विषाणु (पी.एल.एम.वी.)
- मिमि विषाणु बॉम्बे (एम.वी.बी.)
- कुर्ला विषाणु (के.यू.वी.)

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- डाउन टू अर्थ

3. गेहूं की किस्में पीले जंग फफूंद के नए उपभेदों के लिए अतिसंवेदनशील होती हैं: अध्ययन
- कृषि वैज्ञानिकों ने गेहूं में पीला जंग पैदा करने वाले फफूंद के अत्यधिक विषाणुजनित उपभेदों फैलने की संभावना के बारे में आगाह किया है, जिसके प्रति वर्तमान में उपयोग की जाने वाली गेहूं की खेती उच्च संवेदनशीलता दर्शाती है।
- स्थिति विशेष रूप से गंभीर है, क्योंकि कि रोटी के गेहूं फसल एच.डी.267, वर्तमान में 10 से 12 मिलियन हेक्टेयर (एचए) क्षेत्रों में व्याप्त इन नए उपभेदों के लिए अतिसंवेदनशील है।

संबंधित जानकारी

पीला जंग रोग

- गेहूं की पीली जंग बीमारी, जिसे गेहूं के धारीदार जंग के रूप में भी जाना जाता है, यह बीमारी फंगस प्यूसीनिया के कारण होती है।
- ये कवक प्रायः गेहूं उगाने वाले ठंडे क्षेत्रों जैसे कि उत्तर पश्चिमी मैदान क्षेत्र और उत्तरी पहाड़ी क्षेत्र में पाए जाते हैं।
- संक्रमण के कारण गेहूं की बाली प्रति गुठली संख्या में कमी हो रही है और गेहूं की गुठली का वजन घट जाता है, जिससे गेहूं की पैदावार में 70 प्रतिशत तक की कमी होती है।
- वर्तमान में भारत में उपयोग की जाने वाली गेहूं की किस्में, राई गुणसूत्रों का एक हिस्सा होता है जो पीली जंग और चूर्ण हल्के रोग का प्रतिरोध करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- डाउन टू अर्थ

4. सी.आई.टी.ई.एस. सी.ओ.पी. 18
- सी.आई.टी.ई.एस. के 18वें पार्टी के सम्मेलन (सी.ओ.पी.) के बाद, बोत्सवाना- दुनिया में सबसे

अधिक हाथी आबादी वाला देश है- हाथियों की बढ़ती आबादी से निपटने के लिए एक आम सहमति हेतु दक्षिणी अफ्रीकी देशों को जुटाने की कोशिश कर रहा है।

- 23 मई-3 जून के मध्य श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आयोजित होने वाली सी.ओ.पी. को ईस्टर बम विस्फोट के बाद सुरक्षा चिंताओं के कारण अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया है।
- अफ्रीका की अधिकांश हाथी आबादी को परिशिष्ट I में सूचीबद्ध किया गया है, जो सभी वाणिज्यिक व्यापारों को रोकती है, बोत्सवाना, नामीबिया और जिम्बाब्वे जैसे दक्षिण अफ्रीकी देशों और दक्षिण अफ्रीका की हाथी आबादी को सी.आई.टी.ई.एस. के परिशिष्ट II में सूचीबद्ध किया गया है।
- परिशिष्ट II में सूचीबद्ध प्रजातियों में व्यापार एक परमिट प्रणाली के माध्यम से किया जा सकता है।

संबंधित जानकारी

सी.आई.टी.ई.एस.

- सी.आई.टी.ई.एस. (वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन, जिसे **वाशिंगटन सम्मेलन** के रूप में भी जाना जाता है) लुप्तप्राय पौधों और जानवरों की रक्षा करने हेतु एक बहुपक्षीय संधि है।
- इसे 1963 में अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आई.यू.सी.एन.) के सदस्यों की बैठक में अपनाए गए एक प्रस्ताव के परिणामस्वरूप तैयार किया गया था।
- सम्मेलन को 1973 में हस्ताक्षर के लिए आयोजित किया गया था और सी.आई.टी.ई.एस. को 1 जुलाई 1975 से लागू किया गया था।
- प्रत्येक संरक्षित प्रजातियों या जनसंख्या को तीन सूचियों में से एक में शामिल किया जाता है, जिन्हें परिशिष्ट कहा जाता है।
- वर्तमान में, 183 देश सी.आई.टी.ई.एस. के हस्ताक्षरकर्ता हैं।

सी.ओ.पी.

- पार्टियों के सम्मेलन (सी.ओ.पी.) की बैठकों में परिशिष्टों में शामिल करने या हटाने के लिए प्रजातियां प्रस्तावित की जाती हैं, जो प्रत्येक तीन वर्ष में लगभग एक बार आयोजित की जाती हैं, जिनमें से सबसे हाल ही में 24 सितंबर से 5 अक्टूबर, 2016 के मध्य दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में सैंडटन सम्मेलन केंद्र में सी.ओ.पी. (सी.ओ.पी. 17) का आयोजन किया गया था।

टॉपिक- जी.एस.-3- पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

5. अरुणाचल पिट वाइपर

- सरीसृप विज्ञानवेत्ताओं की एक टीम ने अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले में एक अद्वितीय गर्मी-संवेदन प्रणाली के साथ लाल-भूरे रंग के पिट वाइपर की एक नई प्रजाति की खोज की है।
- अरुणाचल पिट वाइपर वर्ष 2018 में राज्य के लेपा-राडा जिले में गैर-विषैले कीलबैक के बाद खोजा गया दूसरा सांप है।
- यह विश्व के सभी ज्ञात पिट वाइपर्स में से सबसे दुर्लभ है।
- अरुणाचल प्रदेश एकमात्र भारतीय राज्य है जिसके नाम पर एक पिट वाइपर का नाम रखा गया है।
- भारत में ज्ञात अन्य पिट वाइपर हैं:
 - (a) मालाबार पिट वाइपर
 - (b) हार्सशू पिट वाइपर
 - (c) हम्प-नोज्ड पिट वाइपर
 - (d) हिमालयी पिट वाइपर

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

6. आयरलैंड ने एक जलवायु आपातकाल की घोषणा की है।

- ब्रिटेन की संसद के बाद आयरलैंड की संसद, जलवायु आपातकाल घोषित करने वाली दूसरी संसद बन गई है।
- 1 मई को बड़े पैमाने पर प्रतीकात्मक प्रस्ताव पारित करते हुए ब्रिटेन की संसद जलवायु

आपातकाल घोषित करने वाली विश्व की पहली संसद बन गई थी।

जलवायु आपातकाल के उद्देश्य

- राष्ट्रीय सरकार को कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करने हेतु आपातकाल घोषित करने और संसाधनों को लगाने की आवश्यकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

- अमेज़न के जेफ बेजोस ने लुनार लैंडर प्रोजेक्ट "ब्लू मून" का अनावरण किया है।
 - जेफ बेजोस, जो अमेज़न और अंतरिक्ष कंपनी ब्लू ओरिजिन दोनों के प्रमुख हैं, उन्होंने एक लुनार लैंडर "ब्लू मून" का अनावरण किया है, जिसका उपयोग वर्ष 2024 तक चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक उपकरण और संभवतः मनुष्य के परिवहन हेतु किया जाएगा।
 - इसका उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरना है, जहां बर्फ है।
 - हाइड्रोजन का उत्पादन करने के लिए पानी का दोहन किया जा सकता है, जो बदले में सौर प्रणाली के भविष्य के अन्वेषण को बढ़ावा दे सकता है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

8. श्वेत उल्लू

- लक्षद्वीप के दर्शनीय द्वीपों में केरल के श्वेत उल्लुओं की तीन जोड़ी को "भर्ती" किया गया है, जो अभी तक कृतको के लिए एक हारा हुआ मैदान था।

संबंधित जानकारी

श्वेत उल्लू

- श्वेत उल्लू (टाइटो अल्बा), उल्लू की सबसे व्यापक रूप से वितरित प्रजाति है और सभी पक्षियों में से सबसे व्यापक है।
- श्वेत उल्लू, ध्रुवीय और रेगिस्तानी क्षेत्रों को छोड़कर, एशिया के उत्तर में हिमालय, अधिकांशतः इंडोनेशिया और कुछ प्रशांत द्वीपों को छोड़कर पूरे विश्व में लगभग सभी जगह पाया जाता है।

- इसे आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में न्यूनतम चिंतनीय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

9. विश्व सीमा शुल्क संगठन

- केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सी.बी.आई.सी.) ने कोच्चि में विश्व सीमा शुल्क संगठन (डब्ल्यू.सी.ओ.) के एशिया प्रशांत क्षेत्र के सीमा शुल्क प्रशासन के क्षेत्रीय प्रमुखों की एक बैठक आयोजित की है।
- भारत, जुलाई 2018 से जून 2020 तक दो साल की अवधि के लिए एशिया प्रशांत क्षेत्र के उपाध्यक्ष के रूप में इस बैठक की मेजबानी कर रहा है।

संबंधित जानकारी

डब्ल्यू.सी.ओ.

- यह एक स्वतंत्र अंतरसरकारी निकाय है जिसका उद्देश्य सीमा शुल्क प्रशासन की प्रभावशीलता और दक्षता को बढ़ाना है।
- डब्ल्यू.सी.ओ. पूरे विश्व में 182 सीमा शुल्क प्रशासन का प्रतिनिधित्व करता है जो सामूहिक रूप से लगभग 98% विश्व व्यापार की प्रक्रिया करता है।
- डब्ल्यू.सी.ओ. ने अपनी सदस्यता को छह क्षेत्रों में विभाजित किया है।
- छह क्षेत्रों में से प्रत्येक क्षेत्र का डब्ल्यू.सी.ओ. परिषद के क्षेत्रीय रूप से चुने गए एक उपाध्यक्ष द्वारा प्रतिनिधित्व किया जाता है।
- डब्ल्यू.सी.ओ. अपने सदस्यों को कई प्रकार के सम्मेलन और अन्य अंतर्राष्ट्रीय उपकरणों के साथ-साथ तकनीकी सहायता और प्रशिक्षण सेवाएँ प्रदान करता है जो प्रत्यक्ष रूप से या तो सचिवालय द्वारा या इसकी भागीदारी के द्वारा प्रदान की जाती हैं।
- डब्ल्यू.सी.ओ., सीमा शुल्क मूल्यांकन पर विश्व व्यापार संगठन के समझौते के लिए भी जिम्मेदार है, जो आयातित वस्तुओं के मूल्य निर्धारण हेतु एक प्रणाली प्रदान करता है और मूल रूप से प्रशासन करता है, जो किसी दिए

गए वस्तु की उत्पत्ति का निर्धारण करने के लिए उपयोग किए जाते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संगठन
स्रोत-पी.आई.बी.

13.05.2019

1. संयुक्त राष्ट्र, पुर्तगाल में महासागर सम्मेलन 2020 आयोजित करने जा रहा है।

- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने पुर्तगाल के लिस्बन में जून की शुरुआत में अपना 2020 का उच्च स्तरीय सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया है।
- इस उच्च-स्तरीय 2020 संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की थीम "लक्ष्य 14 के कार्यान्वयन हेतु विज्ञान और नवाचार पर आधारित महासागर कार्यवाई को बढ़ाना है: स्टॉकटेकिंग, साझेदारी और समाधान" होगी।
- इस सम्मेलन का उद्देश्य सतत विकास लक्ष्य 14 (एस.डी.जी. 14) के कार्यान्वयन का समर्थन करना है जो सतत विकास के लिए महासागरों, समुद्रों और समुद्री संसाधनों के संरक्षण और सतत उपयोग करने का लक्ष्य रखता है।

संबंधित जानकारी

संयुक्त राष्ट्र महासभा

- संयुक्त राष्ट्र महासभा, संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंगों में से एक है।
- यह संयुक्त राष्ट्र का एकमात्र अंग है जिसमें सभी सदस्य राष्ट्रों का समान प्रतिनिधित्व है और यह संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख विचारशील, नीति-निर्माण और प्रतिनिधि अंग है।
- इसकी शक्तियों में संयुक्त राष्ट्र के बजट की देखरेख करना, गैर-स्थायी सदस्यों को सुरक्षा परिषद में नियुक्त करना, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव को नियुक्त करना, संयुक्त राष्ट्र के अन्य हिस्सों से रिपोर्ट प्राप्त करना और महासभा संकल्प के रूप में सिफारिशें करना शामिल है।
- इसकी संरचना, कार्य, शक्तियां, मतदान और प्रक्रियाएं संयुक्त राष्ट्र विशेषाधिकार के अध्याय IV में निर्धारित की गई हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

2. सिंगापुर में दुर्लभ मंकीपॉक्स विषाणु का पहला मामला दर्ज किया गया है।

- सिंगापुर ने अभी तक मंकीपॉक्स का अपना पहला मामला दर्ज किया है, जो मध्य और पश्चिमी अफ्रीका के कुछ हिस्सों में स्थानिक है।

मंकीपॉक्स विषाणु (एम.पी.एक्स.वी.)

- यह एक आर्थोपॉक्स विषाणु है जो एक वायरल बीमारी का कारण बनता है, इस बीमारी के लक्षण मनुष्यों में निकलने वाली छोटी चचेक के लगभग समान परंतु उसकी तुलना में थोड़ा मामूली होते हैं।
- इस बीमारी का संक्रमण प्रायः संक्रमित जानवरों जैसे कृन्तकों और बंदरों के साथ निकट संपर्क के माध्यम से होता है और यह मनुष्यों के बीच सीमित होता है।
- आज तक इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि केवल व्यक्ति-से-व्यक्ति में इस विषाणु का संचरण, मानव आबादी में मंकीपॉक्स को बनाए रख सकता है कि नहीं रख सकता है।
- मंकीपॉक्स वायरस संक्रमण के लिए कोई विशिष्ट उपचार या टीके उपलब्ध नहीं हैं।
- यह सामान्य रूप से घातक नहीं है लेकिन कुछ मामलों में यह घातक भी हो सकता है।
- मनुष्यों में मंकीपॉक्स के लक्षण घाव होना, बुखार, मांसपेशियों में दर्द और ठंड लगना हैं।

संबंधित जानकारी

कर्नाटक में मंकी बुखार

- इसे क्यासानूर वन रोग के रूप में भी जाना जाता है।
- यह एक टिक-जनित वायरल बीमारी है जो क्यासानूर वन रोग विषाणु के कारण होती है जो डैंगू और पीले बुखार का भी कारण बनता है।
- यह दक्षिण एशिया के लिए स्थानिक है और पहली बार यह 1957 में कर्नाटक के क्यासानूर वन में पाया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

3. अपाचे गार्डियन हमलावर हेलीकॉप्टर

- अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी बोइंग ने भारत को पहला ए.एच.-64ई. (I) - अमेरिका के एरिजोना में बोइंग उत्पादन सुविधा में अपाचे गार्डियन हेलीकॉप्टर सौंपा है।
- वर्ष 2015 में अमेरिका के साथ हुए करार के अंतर्गत भारतीय वायु सेना (आई.ए.एफ.) में मार्च, 2020 तक 22 अपाचे को शामिल किए जाएंगे।
- इन हेलीकॉप्टरों के पहले बैच को जुलाई, 2019 तक भारत भेज दिया जाना निर्धारित है।

संबंधित जानकारी

अपाचे गार्डियन हमलावर हेलीकॉप्टर

- ए.एच.-64 अपाचे एक बहु-भूमिका लड़ाकू हेलीकॉप्टर है और इसका उपयोग अमेरिकी सेना और कई अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा बलों द्वारा किया जाता है।
- यह एक उन्नत हथियार प्रणाली के अतिरिक्त सभी प्रकार के मौसमों में और रात में लड़ने की सुविधाओं से सुसज्जित है।
- अपाचे, स्टिंगर हवा-से-हवा में मार करने वाली मिसाइलों से लैस हैं।
- यह एक उन्नत लेजर, अवरक्त और लक्ष्य प्राप्ति प्रयोजन से सुसज्जित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- टी.ओ.आई.

4. विकासशील देशों की डब्ल्यू.टी.ओ. मंत्रिस्तरीय बैठक दिल्ली में आयोजित की गई है।

- दो दिवसीय बैठक ऐसे समय में आयोजित की जा रही है जब बहुपक्षीय नियम-आधारित व्यापार प्रणाली गंभीर और चिंतनीय चुनौतियों का सामना कर रही है।
- यह बैठक मंत्रियों को विभिन्न मुद्दों और आगे के रास्ते पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगी।

संबंधित जानकारी

डब्ल्यू.टी.ओ. (विश्व व्यापार संगठन)

- यह एक अंतरसरकारी संगठन है जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित करता है।

- डब्ल्यू.टी.ओ. की स्थापना आधिकारिक रूप से 1 जनवरी, 1995 को मर्राकेश समझौते के अंतर्गत की गई थी, इस समझौते पर 15 अप्रैल, 1994 को 123 देशों ने हस्ताक्षर किए थे, इस समझौते ने टैरिफ एवं व्यापार पर सामान्य समझौते (जी.ए.टी.टी.) को प्रतिस्थापित किया था।
- डब्ल्यू.टी.ओ. में 164 सदस्य और 22 पर्यवेक्षक सरकारें हैं।
- डब्ल्यू.टी.ओ. का सर्वोच्च निर्णायक निकाय मंत्रिस्तरीय सम्मेलन है, जो सामान्यतः प्रत्येक दो वर्ष में आयोजित किया जाता है।
- **उरुग्वे राउंड-आठवां जी.ए.टी.टी. राउंड-** यह व्यापार पर अब तक का सबसे बड़ा समझौता जनादेश था। इसमें व्यापार प्रणाली को कई नए क्षेत्रों में विस्तारित करने के लिए वार्ता चल रही थी।
- **मर्राकेश समझौता-** उरुग्वे राउंड को समाप्त करने वाले अंतिम अधिनियम और आधिकारिक रूप से डब्ल्यू.टी.ओ. शासन की स्थापना करने वाले समझौते पर 15 अप्रैल, 1994 को मोरक्को के मर्राकेश में आयोजित मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे और इसीलिए इसे मर्राकेश समझौते के नाम से जाना जाता है।
- **दोहा राउंड-** नवंबर, 2001 में कतर के दोहा में आयोजित किए गए चौथे मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में इसे लॉन्च किया गया था। यह वैश्वीकरण को और अधिक समावेशी बनाने और विशेषकर खेती में बाधाओं और सब्सिडी को कम करके विश्व के गरीबों की मदद करने हेतु एक महत्वाकांक्षी प्रयास था।

शांति अनुच्छेद

- व्यापार वार्ताकार सामान्यतः कृषि पर विश्व व्यापार संगठन के समझौते के अनुच्छेद 13 को शांति अनुच्छेद के रूप में संदर्भित करते हैं।
- अनुच्छेद 13 बताता है कि एक डब्ल्यू.टी.ओ. सदस्य के देशीय समर्थन उपायों और निर्यात सब्सिडी जो कृषि पर समझौते के प्रावधानों के अंतर्गत कानूनी है, इन्हें किसी अन्य डब्ल्यू.टी.ओ. सदस्यों द्वारा किसी अन्य

डब्ल्यू.टी.ओ. समझौते के प्रावधानों के अंतर्गत अवैध होने के आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती है।

डब्ल्यू.टी.ओ. से संबंधित सब्सिडी

- **ग्रीन बॉक्स सब्सिडी-** जो या तो न के बराबर या न्यूनतम बाजार विकृत होती है जिसमें आय-समर्थन भुगतान (दस गुना आय समर्थन), सुरक्षा-परिणामी कार्यक्रम, पर्यावरण कार्यक्रमों के अंतर्गत भुगतान और कृषि अनुसंधान एवं विकास सब्सिडी जैसे आउटपुट से प्राप्त किए गए उपाय शामिल हैं।
- **ब्लू बॉक्स सब्सिडी-** इसके अंतर्गत केवल "उत्पादन सीमित सब्सिडियों" की अनुमति प्राप्त है। वे एक आधार वर्ष में प्रति एकड़, उपज या पशुधनों की संख्या के आधार पर भुगतान को शामिल करते हैं।
- **एम्बर बॉक्स सब्सिडी-** वे सब्सिडियां जो व्यापार विकृत होती हैं और जिन पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आर्थिक विकास

स्रोत- ए.आई.आर.

5. **पॉलीडाईकीटोएनामाइन: नई प्लास्टिक सामग्री है जिसे बार-बार विभाजित और पुनः उपयोग किया जा सकता है।**
- शोधकर्ताओं ने एक पुनर्चक्रण प्लास्टिक को डिज़ाइन किया है जिसे आणविक स्तर पर इसके घटकों में विभाजित किया जा सकता है।
- नई सामग्री, पॉलीडाईकीटोएनामाइन (पी.डी.के.), को प्रदर्शन या गुणवत्ता के नुकसान के बिना विभाजित किया जा सकता है और पुनः प्राप्त किया जा सकता है।
- जिसके परिणामस्वरूप, प्लास्टिक को लेगो सेट के समान विभिन्न आकारों और रंगों में बार-बार बनाया जा सकता है।

संबंधित जानकारी

- रंग एवं अग्नि मंदक जैसे विभिन्न योगशील पदार्थों के कारण ऐसी बहुत कम प्लास्टिक हैं जिनका पुनः प्रयोग किए जा सकने वाले उत्पादों में पुनर्चक्रण किया जा सकता है।

- पॉलीएथिलीन टेरैफ्थलेट (पी.ई.टी.) सबसे अधिक पुनर्नवीनीकरण प्लास्टिक है, फिर भी इसे केवल 20 से 30 प्रतिशत की दर से पुनर्नवीनीकृत किया जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- डाउन टू अर्थ

6. **चक्रवात फणि के प्रकोप ने ओडिशा की चिलिका झील में चार नए मुंहाने बना दिए हैं।**
- अत्यंत गंभीर चक्रवात, फणि, ने चिलिका झील में चार नए मुंहाने बना दिए हैं जो एशिया की खारे पानी की सबसे बड़ी झील है, जो बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
- "चिलिका" खाड़ी में केवल दो सक्रिय मुंहाने थे- जिस बिंदु पर ये समुद्र में मिलते हैं, उसके सामने फणि उड़ीसा तट से टकराया है।
- उच्च ज्वारीय प्रिज्म के साथ तरंग ऊर्जा के कारण चार नए मुंहाने खुल गए हैं।

इसके पारिस्थिकी तंत्र पर प्रभाव

- इन नए मुंहानों के खुलने के कारण चिलिका खाड़ी की लवणता बढ़ गई है, इन मुंहानों के माध्यम से बहुत सारा समुद्री पानी चिल्ली झील में प्रवेश कर रहा है।
- लवणता में वृद्धि से उत्पादकता में वृद्धि होगी।
- यदि समुद्री जल के प्रवेश की मात्रा में वृद्धि होती है तो मछलियों का प्रवास बढ़ेगा और जैव विविधता समृद्ध होगी।
- हालांकि, इसका दीर्घकालिक प्रभाव खतरनाक हो सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

7. **चंद्रयान-2, भारत से 14 पेलोड ले जाएगा।**
- इसरो ने चंद्रयान-2 मिशन पर एक अपडेट जारी करते हुए कहा है कि यह 14 भारतीय पेलोड ले जाएगा, पहले ले जाए जाने वाले भारतीय पेलोडों की संख्या 13 थी।

संबंधित जानकारी

चंद्रयान-2

- यह भारत का दूसरा मिशन है जो पूरी तरह से स्वदेशी मिशन है।

- यह एक ऑर्बिटर, 'विक्रम' नामक लैंडर और 'प्रज्ञान' नामक रोवर से मिलकर बना है।
- ऑर्बिटर, चंद्रमा के चारो-ओर चक्कर लगाएगा और इसकी सतह के बारे में जानकारी प्रदान करेगा, जब कि लैंडर, सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करेगा और रोवर को बाहर भेज देगा।
- रोवर का प्रयोग अधिकांशतः स्वस्थानी प्रयोगों के लिए किया जाएगा।
- चंद्रयान-2 एक भू-समकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान मार्क III, (जी.एस.एल.वी. -एम.के. III) रॉकेट लांच करेगा।
- जी.एस.एल.वी.-एम.के. III एक तीन-चरणीय भारी-लिफ्ट प्रक्षेपण यान है जिसे चार-टन वर्ग के उपग्रहों को भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जी.टी.ओ.) में ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इसरो ने वर्ष 2008 में अपने पी.एस.एल.वी. बूस्टर पर ऑर्बिटर मिशन चंद्रयान-1 लॉन्च किया था।
- इस अंतरिक्षयान में 11 पेलोड थे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. भारत में जलवायु परिवर्तन ज्ञान प्रबंधन

- यहां पर जलवायु परिवर्तन प्रभावों, भेद्यता मूल्यांकन और लागत प्रभावी अनुकूलन और लचीलापन योजना पर ज्ञान उत्पादों की कमी है।
- PRECIS (प्रभाव अध्ययनों हेतु क्षेत्रीय जलवायु प्रदान करना) जलवायु मॉडल को वर्ष 2006 में प्रकाशित किया गया था और वर्ष 2012 में संशोधित किया गया था। यह अभी भी बहुत अपरिष्कृत संकल्प पर है और भारतीय विज्ञान संस्थान के लेखक योजना अनुकूलन हेतु महत्वपूर्ण चरम जलवायु अनुमानों का मूल्यांकन करने हेतु जलवायु मॉडल की सीमाओं को स्वीकार करते हैं।
- समन्वित क्षेत्रीय गिरावट परीक्षण (CORDEX)- को हाल ही में विश्व जलवायु अनुसंधान कार्यक्रम (डब्ल्यू.सी.आर.पी.) और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान द्वारा स्थापित किया

गया है, जिसका उद्देश्य दुनिया भर में बेहतर क्षेत्रीय परिवर्तन अनुमानों को उत्पन्न करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समन्वित ढांचा विकसित करना है- जो अभी तक भारत में अनुकूलन योजनाओं के विकास के लिए उपयोग योग्य जलवायु परिवर्तन के अनुमानों को प्रकाशित करता है।

- जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और भेद्यता मूल्यांकन पर जानकारी के अभाव में राज्य जलवायु परिवर्तन कार्य योजना (एस.ए.पी.सी.सी.) कमजोर अनुकूलन रणनीतियों और अवास्तविक लागत अनुमानों के साथ आयी है।
- जलवायु एवं विकास ज्ञान नेटवर्क (सी.डी.के.एन.) के पास भारत के लिए अनुकूलन और लचीलापन के विषय पर स्वयं के केवल 33 ज्ञान उत्पाद और अपने साथी संगठन के 14 ज्ञान उत्पाद हैं।
- राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन रणनीतिक ज्ञान मिशन को सही अर्थों में आठ राष्ट्रीय मिशनों में से एक बनाया गया था। इस मिशन का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन का ज्ञान विकसित करना था जो जलवायु कार्य योजनाओं को पूरा कर सकता है।
- जलवायु परिवर्तन पर तकनीकी सहायता कार्यक्रमों में ज्ञान प्रबंधन एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसका उद्देश्य विकास नीतियों और कार्यक्रमों के पोषण हेतु बेहतर अभ्यासों को ग्रहण करना और क्षमता निर्माण का समर्थन करना है।

टॉपिक- जी.एस.-3- पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

14.05.2019

1. डी.आर.डी.ओ. ने सफलतापूर्वक अभ्यास का उड़ान परीक्षण पूरा किया है।
- डी.आर.डी.ओ. ने अभ्यास (ABHYAS) का उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है।
- अभ्यास, भारतीय सशस्त्र बलों के लिए डी.आर.डी.ओ. के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान

द्वारा बनाया जा रहा एक उच्च गति उपभोजित हवाई लक्ष्य (एच.ई.ए.टी.) ड्रोन है।

- हाई-स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट (एच.ई.ए.टी.) हथियार प्रणालियों के अभ्यास हेतु एक वास्तविक खतरा प्रदान करता है।
- अभ्यास को ऑटोपायलट की मदद से स्वचालित उड़ान के लिए डिजाइन किया गया है।
- शंकु नाक पर लगा हुआ लूनबर्ग लेंस हथियार अभ्यासों हेतु लक्ष्य के रडार क्रॉस-सेक्शन में सुधार करता है।
- इसमें एक ध्वनिक मिस डिस्टेंस इंडिकेटर (ए.एम.डी.आई.) लगा होता है, जो लक्ष्य चूकने को इंगित करता है।
- 'अभ्यास' का निर्माण एक छोटे संरक्षित गैस टरबाइन इंजन पर किया गया है और नेविगेशन और मार्गदर्शन हेतु स्वदेशी रूप से विकसित माइक्रो-इलेक्ट्रो-मेकेनिकल प्रणाली आधारित सिस्टम का प्रयोग करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- द हिंदू

2. थ्रिशूर पूरम महोत्सव: केरल

- सभी मंदिर महोत्सवों की जननी मानी जाने वाली प्रसिद्ध थ्रिशूर पूरम के भव्य उद्घाटन के दर्शन हेतु हजारों लोग एकत्र हुए थे।
- "थेचिककोत्तुकावु रामचंद्रन", एक विवादास्पद हाथी है जिसे पहले स्वास्थ्य आधार पर अधिकारियों द्वारा महोत्सव में भाग लेने की अनुमति नहीं प्रदान की गई थी, यहां प्रसिद्ध प्राचीन वडक्कुमनाथन मंदिर में वार्षिक महोत्सव की 'शुरुआत' की गई थी।
- इस हाथी द्वारा 8 फरवरी को दो व्यक्तियों को मारने के बाद यह प्रतिबंध लागू किया गया था।

संबंधित जानकारी

थ्रिशूर पूरम

- थ्रिशूर पूरम एक वार्षिक महोत्सव है जो भारत के केरल में आयोजित किया जाता है।
- यह प्रत्येक वर्ष थ्रिशूर के वडक्कुमनाथन मंदिर में पूरम पर आयोजित किया जाता है।

- यह सभी पूरमों में सबसे बड़ा और सबसे प्रसिद्ध है।
- वार्षिक 'पूरम' का मुख्य कार्यक्रम 10.5 फीट लंबे हाथी के साथ शुरू होता है जो मंदिर के द्वार को धक्का देकर खोलता है।
- थ्रिशूर पूरम, राजा राम वर्मा के दिमाग की उपज थी, जिसे कोचीन के महाराजा (1790-1805) शक्थन थामपुरन के नाम से जाना जाता था।
- यह महोत्सव वडक्कुमनाथन मंदिर के आसपास स्थित 10 मंदिरों को एकजुट करता है और थ्रिशूर पूरम महोत्सव को एक सामूहिक उत्सव के रूप में आयोजित करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

3. सी.टी.बी.टी.ओ. ने भारत को बैठकों में पर्यवेक्षक बनने हेतु आमंत्रित किया है।

- व्यापक परीक्षण प्रतिबंध संधि संगठन (सी.टी.बी.टी.ओ.) के कार्यकारी सचिव, लसीना ज़र्बो ने भारत को सी.टी.बी.टी.ओ. में पर्यवेक्षक बनने हेतु आमंत्रित किया है।

संबंधित जानकारी

व्यापक परमाणु-परीक्षण-प्रतिबंध संधि संगठन (सी.टी.बी.टी.ओ.)

- यह एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो व्यापक परमाणु-परीक्षण-प्रतिबंध संधि के लागू होने में प्रवेश करने पर स्थापित किया जाएगा, यह एक सम्मेलन है जो परमाणु परीक्षण विस्फोटों को गैर-कानूनी ठहराता है।
- इस संगठन को परमाणु परीक्षणों पर प्रतिबंध की पुष्टि करने का काम सौंपा जाएगा और यह पूरे विश्व में निगरानी प्रणाली का संचालन करेगा और यह कार्यस्थल का निरीक्षण भी कर सकता है।
- इसे 10 सितंबर, 1996 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाया गया था।
- इसका मुख्यालय ऑस्ट्रिया के वियना में स्थित है।

संधि की स्थिति

- इसे अभी तक लागू नहीं किया गया है, आठ विशिष्ट राज्यों ने संधि की पुष्टि नहीं की है।
- भारत, उत्तर कोरिया और पाकिस्तान ने संधि पर हस्ताक्षर या पुष्टि नहीं की है।

- चीन, मिस्र, ईरान, इजरायल और संयुक्त राज्य अमेरिका ने संधि पर हस्ताक्षर किए हैं लेकिन इसकी पुष्टि नहीं की है।
- संधि के अनुबद्ध 2 में सूचीबद्ध 44 राज्यों द्वारा संधि को मंजूरी दिए जाने के 180 दिनों के बाद व्यापक परमाणु-परीक्षण-प्रतिबंध संधि लागू होगी, जिन्हें परमाणु रिएक्टर या परमाणु प्रौद्योगिकी के कम से कम कुछ उन्नत स्तर के लिए नामित किया गया था।
- जब यह संधि लागू होगी तो यह परमाणु परीक्षण के खिलाफ कानूनी रूप से बाध्यकारी मानदंड प्रदान करेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

4. मानव: मानव एटलस

- यह जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित एक परियोजना है, जिसका उद्देश्य उपलब्ध वैज्ञानिक साहित्य से मानव शरीर में पाए जाने वाले सभी ऊतकों का एक डेटाबेस नेटवर्क का निर्माण करना है।
- यह मानव शरीर के प्रत्येक ऊतक के मानचित्रण हेतु एक परियोजना है, यह विभिन्न बीमारियों से संबंधित ऊतकों और कोशिकाओं की भूमिकाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगी।
- छात्र समुदाय, जो सूचना को आत्मसात करने के क्षेत्र में प्रमुख होगा, उन्हें सूचना की व्याख्या और क्यूरेशन हेतु प्रशिक्षण और कौशल प्रदान किया जाएगा, जो अंततः रूप से ऑनलाइन नेटवर्क से प्राप्त होगी।
- इस कार्यक्रम में शारीरिक और आणविक मानचित्रण के माध्यम से बेहतर जैविक अंतर्दृष्टि प्राप्त करना शामिल होगा, यह भविष्यवाणी कंप्यूटिंग के माध्यम से रोग मॉडल विकसित करेगा और एक पूर्ण विश्लेषण करेगा और अंत में दवा की खोज करेगा।
- एकत्र किया गया डेटा भविष्य के शोधकर्ताओं और चिकित्सकों और ड्रग डेवलपर्स के लिए उपयोगी हो सकता है जो अंत में रोग स्थितियों में मानव शरीर को संभालते हैं।

- डेटाबेस बीमारी के कारणों का पता लगाने, विशिष्ट मार्गों को समझने और अंततः यह तय करने में भी काम आएगा कि शरीर की बीमारी का स्तर, ऊतकों और कोशिकाओं से किस प्रकार संबंधित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- लिवमिंट

5. नासा ने 2024 मून मिशन 'आर्टेमिस' को रोक दिया है।
- नासा प्रशासक को मिशन आर्टेमिस को समय पर पूरा करने हेतु आवश्यक नए जमीन और अंतरिक्ष वाहनों के लिए भुगतान करने हेतु अतिरिक्त 1.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता है।

संबंधित जानकारी

आर्टेमिस मिशन

- आर्टेमिस "सूर्य के साथ चंद्रमा की अंतःक्रिया का त्वरण, पुनरावर्तन, टर्बुलेंस और वैद्युतगतिकीय" है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार निम्न बिंदु नासा के आर्टेमिस मिशन के बारे में अधिक जानने में मदद करते हैं:
 - (i) पृथ्वी-चंद्रमा लैंग्वेज अंक,
 - (ii) सौर हवा,
 - (iii) चंद्रमा का प्लाज़्मा का उत्पन्न होना और पृथ्वी का चुंबकत्व कैसा है
 - (iv) चंद्रमा का अपना कमजोर चुंबकत्व, सौर हवा के साथ संपर्क करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. "रूसी चिनार" के बीज कश्मीर में बीमारी का कारण बन सकते हैं?
- प्रत्येक वर्ष मई में, कश्मीर घाटी के अस्पतालों में और डॉक्टरों के पास श्वसन रोगियों की संख्या में विशेष रूप से बच्चों की संख्या में वृद्धि हो जाती है।
- बीमारी में वृद्धि के लिए इस मौसम के दौरान एक घटना को जिम्मेदार ठहराया जाता है, जो सामान्यतः "रूसी चिनार" के रूप में जाने जाने

वाले पेड़ों द्वारा रोएंदार रूई से ढके हुए बीजों के गिराने के कारण होती है।

संबंधित जानकारी

रूसी चिनार

- "रूसी चिनार" नाम एक मिथ्या नाम है और इसका रूस से कोई संबंध नहीं है।
- रूसी चिनार पेड़ों को 1982 में अमेरिका से एक विश्व बैंक द्वारा सहायता प्राप्त सामाजिक वानिकी योजना के अंतर्गत कश्मीर में लगाया गया था।
- यह प्रजाति, कश्मीर चिनार की तुलना में को विकसित होने में कम समय (10-15 वर्ष) लेती है, जब कि कश्मीर चिनार को बढ़ने में 30-40 वर्ष लगते हैं।
- उनकी उच्च उपज के कारण लकड़ी और निर्माण उद्योग में चिनार का गहन उपयोग किया जाता है।
- हालांकि, ग्रीष्मकाल के दौरान, महिला चिनार एक कपास जैसी सामग्री गिराती है जो एलर्जी पैदा करती है और श्वसन संबंधी विकारों को बढ़ाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. उड़ीसा के मुख्यमंत्री ने राज्य को विशेष श्रेणी का दर्जा देने की मांग की है।
- उड़ीसा के मुख्यमंत्री ने अपने आपदाग्रस्त राज्य को केंद्र सरकार से विशेष श्रेणी का दर्जा देने की मांग की है।
- उन्होंने कहा कि उड़ीसा लगभग प्रत्येक वर्ष प्राकृतिक आपदाओं का सामना करता है।

संबंधित जानकारी

विशेष श्रेणी दर्जा (एस.सी.एस.) क्या है?

- एस.सी.एस. की अवधारणा 1969 में गाडगिल फॉर्मूला (जो राज्यों को केंद्रीय सहायता प्रदान करता है) के स्वीकृत होने के बाद सामने आया था।
- संविधान में विशेष श्रेणी दर्जा का कोई प्रावधान नहीं है, केंद्र सरकार उन राज्यों को अधिक वित्तीय

सहायता प्रदान करती है जो दूसरों की अपेक्षा तुलनात्मक नुकसान पर हैं।

- एन.डी.सी. (राष्ट्रीय विकास परिषद) ने राज्यों की कई विशेषताओं के आधार पर यह दर्जा प्रदान किया, जिसमें शामिल हैं-
 1. पहाड़ी और कठिन इलाके
 2. कम जनसंख्या घनत्व या विशाल जनजातीय जनसंख्या की उपस्थिति
 3. अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के साथ सामरिक स्थान
 4. आर्थिक और ढांचागत पिछड़ापन
 5. राज्य वित्त की गैर-व्यवहार्य प्रकृति
- विशेष दर्जे की गारंटी भारत के संविधान द्वारा संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से पारित अधिनियम के माध्यम से दी जाती है, जैसा कि जम्मू और कश्मीर के मामले में है, जब कि विशेष श्रेणी का दर्जा राष्ट्रीय विकास परिषद (एन.डी.सी.) द्वारा दिया जाता है, जो कि सरकार का एक प्रशासनिक निकाय है।

एस.सी.एस. राज्यों को किस प्रकार की सहायता प्राप्त होती है?

- 2009-2010 (गाडगिल फॉर्मूले) के अनुसार, केंद्र सरकार इन राज्यों को अपने योजना व्यय का 30 प्रतिशत आवंटित करती है।
- नीति आयोग के गठन और एस.सी.एस. राज्यों को केंद्रीय योजना सहायता की सिफारिश के बाद सभी राज्यों के लिए विभाज्य पूल के बढ़ते विचलन में (13वें वित्त आयोग की सिफारिशों से 32% से 42% तक बढ़ा) सम्मिलित किया गया है और अब योजना व्यय में नहीं दिखाई देता हैं।
- 14 वित्त आयोग ने भी "वन क्षेत्र" जैसे चरों को भी मानदंड में 7.5 के भार के साथ विचलन में शामिल करने की सिफारिश की है और जो उत्तर-पूर्वी राज्यों को लाभान्वित कर सकता था जिन्हें पहले एस.सी.एस. सहायता दी गई थी।
- एस.सी.एस. राज्यों के लिए केंद्र प्रायोजित योजनाओं में सहायता 90% केंद्रीय हिस्से से और 10% राज्य के हिस्से के साथ दी गई थी।

एस.सी.एस. दर्जे की मांग करने वाले अन्य राज्य हैं?

- उड़ीसा के अतिरिक्त बिहार और आंध्र प्रदेश भी एस.सी.एस. दर्जे की मांग कर रहे हैं लेकिन उन्हें मापदंड के अनुरूप नहीं होने के कारण दर्जा नहीं प्रदान किया गया है।

कितने राज्यों को एस.सी.एस. का दर्जा प्रदान किया गया है?

- एन.डी.सी. ने बेहतर-संतुलित विकास के लिए निधि प्रवाह को लक्षित करने के लिए 29 में से 11 राज्यों को "विशेष श्रेणी" का दर्जा प्रदान किया गया है।
- वे हैं-
 1. उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के सात राज्य (अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा)
 2. सिक्किम
 3. जम्मू और कश्मीर
 4. हिमाचल प्रदेश
 5. उत्तराखंड
- जम्मू और कश्मीर, विशेष श्रेणी दर्जा पाने वाला पहला राज्य था और अन्य 10 राज्यों को अगले वर्षों में जोड़ा गया है, उत्तराखंड वर्ष 2010 में दर्जा प्राप्त करने वाला अंतिम राज्य है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

15.05.2019

1. **भारत, जी.एफ.डी.आर.आर. के सलाहकार समूह (सी.जी.) की सह-अध्यक्षता करेगा।**
 - हाल ही में भारत को सर्वसम्मति से वित्तीय वर्ष 2020 के लिए वैश्विक आपदा न्यूनीकरण एवं बहाली सुविधा (जी.एफ.डी.आर.आर.) के सलाहकार समूह (सी.जी.) के सह-अध्यक्ष के रूप में चुना गया है।
 - सी.जी. बैठक की सह-अध्यक्षता अफ्रीका कैरेबियाई, प्रशांत राज्य समूह, यूरोपीय संघ और विश्व बैंक द्वारा की गई थी।

संबंधित जानकारी

जी.एफ.डी.आर.आर.

- यह एक वैश्विक साझेदारी है जो विकासशील देशों की प्राकृतिक खतरों और जलवायु परिवर्तन के प्रति उनकी भेद्यता को बेहतर ढंग से समझने और कम करने में मदद करती है।
- जी.एफ.डी.आर.आर., विश्व बैंक द्वारा प्रबंधित एक अनुदान-वित्तपोषण तंत्र है, जो पूरे विश्व में आपदा जोखिम प्रबंधन परियोजनाओं का समर्थन करता है।
- भारत, वर्ष 2015 में जी.एफ.डी.आर.आर. के सलाहकार समूह का सदस्य बना था।
- भारत की उम्मीदवारी का समर्थन देश में आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डी.आर.आर.) में इसकी निरंतर प्रगति और आपदा प्रतिरोधी ढांचे पर एक गठबंधन बनाने की पहल द्वारा किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत-पी.आई.बी. + ए.आई.आर.

2. **भारतीय राइनो (गैंडे) के लिए डी.एन.ए. डेटाबेस आ रहा है।**
 - केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने भारत में सभी गैंडों के डी.एन.ए. प्रोफाइल बनाने के लिए एक परियोजना शुरू की है, जिसे वर्ष 2021 में पूरा किया जाना है।
 - भारतीय गैंडा, भारत की पहली जंगली जानवर प्रजाति हो सकती है जिसके सभी सदस्यों का डी.एन.ए.-अनुक्रमण एक बार पूरा हो जाएगा।
 - यह परियोजना वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर-इंडिया और भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा समर्थित है।
 - यह परियोजना हाल ही में भारत के लिए शुरू की गई राष्ट्रीय गैंडा संरक्षण रणनीति का उपसमूह है।

संबंधित जानकारी

राइनो (गैंडा)

- महान एक सींग वाला गैंडा (भारतीय गैंडा), भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाता है।
- आई.यू.सी.एन. दर्जा- **कमजोर** है।

गैंडे की संरक्षण की दिशा में भारत का दृष्टिकोण

- एक सींग वाले गैंडे के संरक्षण और इसकी आबादी को बढ़ाने के लिए वर्ष 2005 में भारतीय

गेंडा दृष्टिकोण 2020 कार्यक्रम शुरू किया गया था।

- इस कार्यक्रम का शुभारंभ असम वन विभाग द्वारा डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ.-इंडिया, अंतर्राष्ट्रीय गेंडा संघ और अमेरिकी मत्स्य एवं वन्यजीव सोसाइटी के साथ साझेदारी में शुरू किया गया था।
- इसका उद्देश्य वर्ष 2020 तक असम में सात संरक्षित क्षेत्रों में महान एक सींग वाले गेंडों की कम से कम 3,000 आबादी को प्राप्त करना है।
- भारत ने एशियाई गेंडे 2019 पर नई दिल्ली घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।
- इस घोषणापत्र के अंतर्गत, भारत एशियाई गेंडों की तीन प्रजातियों- महान एक सींग वाला गेंडा, जवान गेंडा और सुमात्राई गेंडा, के संरक्षण और सुरक्षा के लिए भूटान, नेपाल, इंडोनेशिया और मलेशिया के साथ सहयोग करेगा।
- प्रत्येक 4 वर्षों में इन प्रजातियों की आबादी की समीक्षा की जाएगी जिससे कि उनके भविष्य को सुरक्षित करने हेतु संयुक्त कार्यों की आवश्यकता का पुनर्मूल्यांकन किया जा सके।

नोट:

- भारतीय वन्यजीव संस्थान, पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

3. भारत ने ओ.ई.सी.डी. सेवा व्यापार सूचकांक को दोषपूर्ण पाया है।
- वाणिज्य मंत्रालय द्वारा साधिकार किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि भारत ने वर्तमान पद्धति के साथ समस्याओं का पता लगाया है जिसके अंतर्गत आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओ.ई.सी.डी.) देशों को उनकी सेवाओं, व्यापार नीतियों के आधार पर स्थान प्रदान करता है, यह दर्शाता है कि परिणाम पक्षपाती और गैर-सहज ज्ञान युक्त हैं।

संबंधित जानकारी

ओ.ई.सी.डी. सेवा व्यापार प्रतिबंधात्मक सूचकांक (एस.टी.आर.आई)

- यह एक अद्वितीय, साक्ष्य-आधारित उपकरण है जो सभी ओ.ई.सी.डी. सदस्य देशों और ब्राजील, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना, कोस्टा रिका, भारत, इंडोनेशिया, मलेशिया, रूसी संघ और दक्षिण अफ्रीका में 22 क्षेत्रों में सेवाओं में व्यापार को प्रभावित करने वाले विनियमनों पर जानकारी प्रदान करता है।
- इस सूचकांक को वर्ष 2014 में लॉन्च किया गया था।
- ये देश और क्षेत्र सेवा में 80% से अधिक वैश्विक व्यापार का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- एस.टी.आर.आई. उपकरण किट नीति निर्माताओं को सुधार विकल्पों के दायरे में लाने के लिए समर्थन कर सकता है, उन्हें वैश्विक सर्वोत्तम अभ्यास के संबंध में बेंचमार्क कर सकता है और उनके संभावित प्रभावों का आकलन कर सकता है।

ओ.ई.सी.डी.

- यह आर्थिक प्रगति और विश्व व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए 34 देशों का एक अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संगठन है।
- यह लोकतंत्र और बाजार अर्थव्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध देशों का एक मंच है।
- यह सदस्यों को नीतिगत अनुभवों की तुलना करने, सामान्य समस्याओं के जवाब मांगने, अच्छी प्रथाओं की पहचान करने आदि के लिए एक सामान्य मंच प्रदान करता है।
- इसका मुख्यालय पेरिस, फ्रांस में स्थित है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- इकोनॉमिक्स टाइम्स

4. बी.टी. बैंगन पर मुद्दा

- हाल ही में, एक वरिष्ठ वकील ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को एक कानूनी नोटिस भेजा है जिसमें क्षेत्र परीक्षण सहित सभी आनुवंशिक रूप से संशोधित जीवों (बी.टी. बैंगन सहित) पर स्थिर करने के लिए कहा गया है।

- यह नोटिस कार्यकर्ता समूहों की पृष्ठभूमि में आया है, जिन्होंने कहा था कि उन्हें हरियाणा में एक किसान के खेत में बी.टी. बैंगन उगाए जाने के सबूत मिले हैं।

संबंधित जानकारी

बी.टी. बैंगन

- बीटी बैंगन, ट्रांसजेनिक बैंगनों के समूह को संदर्भित करता है, जिन्हें विभिन्न बैंगन किस्मों के जीनोम में मिट्टी के जीवाणु बेसिलस थुरिंगिनसिस से एक क्रिस्टल प्रोटीन जीन (सीआरवाई1एसी) को प्रवेश कराकर बनाया जाता है।
- इन्हें लेपिडोपेट्रान कीटों के खिलाफ, विशेष रूप से बैंगन फल और शूट बोरर में प्रतिरोध हेतु विकसित किया गया था।
- यह माहीको (महाराष्ट्र संकर बीज कंपनी) द्वारा धारवाड़ कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय और तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से विकसित किया गया था।

आनुवंशिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (जी.ई.ए.सी.)

- यह पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।
- यह पर्यावरणीय दृष्टिकोण से अनुसंधान और औद्योगिक उत्पादन में खतरनाक सूक्ष्मजीवों और पुनः संयोजकों के बड़े पैमाने पर उपयोग से संबंधित गतिविधियों के मूल्यांकन हेतु जिम्मेदार है।
- इसके अतिरिक्त समिति प्रायोगिक क्षेत्र के परीक्षणों सहित पर्यावरण में आनुवंशिक रूप से इंजीनियरकृत जीवों और उत्पादों के जारी होने से संबंधित प्रस्तावों के मूल्यांकन हेतु भी जिम्मेदार है।

जी.एम. फसलें

- आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें कृषि में उपयोग किए जाने वाले पौधे हैं, जिनके डी.एन.ए. को आनुवंशिक इंजीनियरिंग तकनीकों का उपयोग करके संशोधित किया जाता है।
- इसका उद्देश्य पौधे में एक नई विशेषता को प्रवेश कराना है जो प्रजातियों में स्वाभाविक रूप से नहीं पाई जाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. गृह मंत्रालय ने एफ.सी.आर.ए. उल्लंघन पर इन्फोसिस फाउंडेशन के पंजीकरण को रद्द कर दिया है।

- गृह मंत्रालय ने विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम के अंतर्गत विदेशी अनुदान प्राप्त करने में मानदंडों के उल्लंघन हेतु बेंगलुरु आधारित एन.जी.ओ. इन्फोसिस फाउंडेशन का पंजीकरण रद्द कर दिया है।

संबंधित जानकारी

विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010

- यह भारत में गैर-सरकारी संगठनों द्वारा विदेशी अंशदान की प्राप्ति और उपयोग को नियंत्रित करता है।
- विदेशी अंशदान में एक विदेशी स्रोत से प्राप्त मुद्रा, वस्तु के अतिरिक्त व्यक्तिगत उपयोग हेतु उपहार और प्राप्त की गई प्रतिभूतियां भी शामिल हैं।
- यह भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।
- इस अधिनियम का उद्देश्य राष्ट्रीय हित के लिए हानिकारक किसी भी गतिविधि हेतु विदेशी अंशदान या विदेशी आतिथ्य के उपयोग को रोकना है।
- यह एक स्वाभाविक व्यक्ति, कॉर्पोरेट निकाय, अन्य सभी प्रकार की भारतीय इकाईयों (चाहे सम्मिलित हो या न हो) के साथ-साथ एन.आर.आई. और विदेशी शाखाओं/ भारतीय कंपनियों की सहायक कंपनियों और भारत में गठित या पंजीकृत अन्य कंपनियों पर लागू होता है।
- सभी गैर-सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.) को अनिवार्य रूप से विदेशी धन प्राप्त करने के लिए एफ.सी.आर.ए. या इसके अंतर्गत पंजीकृत होना आवश्यक है।

एन.जी.ओ. हेतु पात्रता

- एफ.सी.आर.ए. के अंतर्गत पंजीकृत होने के लिए एक गैर सरकारी संगठन कम से कम तीन वर्षों के लिए अस्तित्व में होना चाहिए और इसे अपने

क्षेत्र में उचित गतिविधि करनी चाहिए जिसके लिए विदेशी अंशदान का उपयोग करना प्रस्तावित किया गया है।

- इसके अतिरिक्त, इसकी गतिविधियों पर इसके आवेदन की तारीख से पहले तीन वर्षों में कम से कम 1,000,000 रूपए खर्च होने चाहिए।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. हीमोफिलिया ए का सस्ता और शीघ्र नैदानिक परीक्षण

- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर.) के मुंबई स्थित राष्ट्रीय प्रतिरक्षा रूधिर विज्ञान संस्थान ने गंभीर हेमोफिलिया ए और वॉन विलेब्रांड रोग के लिए एक लागत प्रभावी प्वाइंट-ऑफ-केयर (पी.ओ.सी.) नैदानिक परीक्षण विकसित किया है।
- पी.ओ.सी. किसी भी सामान्य रक्तस्राव विकार के विशिष्ट निदान हेतु विश्व का पहला परीक्षण है।

संबंधित जानकारी

हीमोफीलिया

- यह एक आनुवांशिक विकार है जिसमें रक्त के थक्के जमने की क्षमता बहुत कम हो जाती है, जिससे मामूली चोट लगने पर भी गंभीर रक्तस्राव हो जाता है।
- यह पूरे विश्व में एक दुर्लभ विकार है जो दो प्रकार का होता है
- हीमोफिलिया ए. जो 5,000 जन्मों में लगभग 1 में होता है
- हेमोफिलिया बी लगभग 20,000 जन्मों में से 1 में भी दुर्लभ है।
- इस रोग के प्रति पुरुष महिलाओं की तुलना में अधिक कमजोर होते हैं क्योंकि कि हीमोफिलिया एक्स. गुणसूत्र में दोष के कारण होता है।

हीमोफिलिया के लिए उपचार

- हीमोफिलिया का कोई इलाज नहीं है लेकिन उपचार सामान्यतः व्यक्ति को अच्छी गुणवत्ता का जीवन जीने का आनंद लेने की अनुमति देता है।

वॉन विलेब्रांड रोग

- यह भी एक आनुवांशिक विकार है जो गायब या दोषपूर्ण वॉन विलेब्रांड कारक (वी.डब्ल्यू.एफ.) के कारण होता है, जो एक थक्का प्रोटीन है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

7. तटीय विनियमन क्षेत्र: तट के किनारे निर्माण के नियम कैसे विकसित हुए हैं?

- सर्वोच्च न्यायालय ने तटीय विनियमन क्षेत्र (सी.आर.जेड.) मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए केरल के अर्नाकुलम में मारादु नगर पालिका में पाँच अपार्टमेंट परिसरों को गिराने का आदेश दिया है।
- सी.आर.जेड. नियम केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा बनाए गए हैं, इनका कार्यान्वयन राज्य सरकारों द्वारा अपने तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरणों के माध्यम से किया जाना निर्धारित किया गया है।
- केंद्रीय नियमों के अनुसार राज्य द्वारा भी अपनी स्वयं की तटीय क्षेत्र प्रबंधन योजनाओं को तैयार किया जाना चाहिए।

सी.आर.जेड. नियम

- सी.आर.जेड. नियम समुद्र के निकट नाजुक पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा करने के लिए तट के निकट मानव और औद्योगिक गतिविधियों को नियंत्रित करते हैं।
- इस नियम को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के अंतर्गत अनिवार्य किया गया है, इसे 1991 में पहली बार तैयार किया गया था।
- उन्होंने तटरेखा से निश्चित दूरी के भीतर बड़े निर्माण कार्य, नए उद्योगों की स्थापना, खतरनाक सामग्रियों का भंडारण अथवा निपटान, भूमि सुधार और मेड़बंदी जैसी निश्चित प्रकार की गतिविधियों को प्रतिबंधित करने की मांग की है।
- सभी सी.आर.जेड. नियमों में, विनियमन क्षेत्र को उच्च-ज्वार रेखा से 500 मीटर तक के क्षेत्र के रूप में परिभाषित किया गया है।

नियमों का विकास

- केंद्र ने वर्ष 2011 में नए सी.आर.जेड. नियमों को अधिसूचित किया है, जो कुछ चिंताओं को संबोधित करते हैं।
- इन नियमों के अपर्याप्त पाए जाने के बाद, वर्ष 2014 में पर्यावरण मंत्रालय ने सी.आर.जेड. नियमों के एक नए सेट के लिए सुझाव देने हेतु पृथ्वी विज्ञान सचिव शैलेश नायक के अंतर्गत छह सदस्यीय समिति का गठन किया था। समिति ने वर्ष 2015 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी।
- इसके साथ ही, चेन्नई आधारित राष्ट्रीय सतत तट प्रबंधन केंद्र ने अस्पष्टता को दूर करने के लिए भारत की पूरी तटरेखा के साथ एक नई उच्च-ज्वार रेखा को परिभाषित किया है।
- इसके अतिरिक्त, भारत सर्वेक्षण विभाग ने तटों के किनारे एक खतरनाक रेखा को परिभाषित किया- जिसका उपयोग मुख्य रूप से आपदा प्रबंधन योजना के लिए किया जाना है।
- इन और अन्य इनपुटों के आधार पर, पर्यावरण मंत्रालय ने दिसंबर, 2018 में नए सी.आर.जेड. नियम जारी किए हैं, जिन्होंने निर्माण पर निश्चित प्रतिबंधों को हटा दिया, निकासी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया और इसका उद्देश्य तटीय क्षेत्रों में पर्यटन को प्रोत्साहित करना है।

वर्तमान स्थिति

- सरकार ने जनवरी, 2019 में सतत विकास को बढ़ावा देने और तटीय वातावरण के संरक्षण के घोषित उद्देश्यों के साथ नए सी.आर.जेड. नियमों को अधिसूचित किया है।
- तथाकथित सी.आर.जेड.-III (ग्रामीण) क्षेत्रों के लिए, दो अलग-अलग श्रेणियों को निर्धारित किया गया है।
- 2011 की जनगणना के अनुसार, प्रति वर्ग कि.मी. 2161 की जनसंख्या के साथ घनी आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्र (सी.आर.जेड.-IIIए.) हैं, अब नो-डेवलपमेंट ज़ोन अब उच्च-ज्वार स्तर

से 50 मीटर ऊँचाई पर हैं, जो पहले 200 मीटर था।

- सी.आर.जेड.-IIIबी. श्रेणी में (प्रति वर्ग कि.मी. 2161 से कम जनसंख्या घनत्व वाले ग्रामीण क्षेत्र) में उच्च-ज्वार रेखा से 200 मीटर तक नो-डेवलपमेंट ज़ोन है।
- नए नियमों में मुख्य भूमि के तट के पास के सभी द्वीपों और मुख्य भूमि के सभी पानी वाले द्वीपों के लिए 20 मीटर का नो-डेवलपमेंट ज़ोन है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

16.05.2019

1. भारत, ऑनलाइन स्तर पर अतिवाद से निपटने के लिए वैश्विक पहल "क्राइस्टचर्च कॉल टू एक्शन" में शामिल हुआ है।
- भारत, ऑनलाइन स्तर पर आतंकवाद और अतिवाद से निपटने और इंटरनेट को सुरक्षित करने के लिए एक प्रमुख वैश्विक पहल में शामिल हुआ है।
- 'क्राइस्टचर्च कॉल टू एक्शन'- पहल का नाम न्यूजीलैंड के एक शहर के नाम पर रखा गया है जहां मस्जिद पर हुए हमले में 51 लोग मारे गए थे।
- यह भारत, फ्रांस, न्यूजीलैंड, कनाडा और कई अन्य देशों द्वारा पेरिस में लॉन्च किया गया था।
- क्राइस्टचर्च कॉल टू एक्शन पर घोषणापत्र में कहा गया है कि एक स्वतंत्र, खुला हुआ और सुरक्षित इंटरनेट एक शक्तिशाली उपकरण है जिसके द्वारा कनेक्टिविटी, सामाजिक समावेशन और आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है।
- इंटरनेट को आतंकी समूहों से सुरक्षित करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

- इस प्रकार की सामग्री के ऑनलाइन प्रसार से पीड़ितों के मानवाधिकारों, हमारी सामूहिक सुरक्षा और पूरे विश्व के लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- अब तक, इस 'क्राइस्टचर्च कॉल टू एक्शन' के कुल 17 हस्ताक्षरकर्ता देश हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

2. सरकार ने सी.बी.आई.सी. अधिकारियों के लिए "स्पैरो (SPARROW)" परियोजना को लागू किया है।
 - हाल ही में लागू किए गए केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सी.बी.आई.सी.) के समूह 'बी' और 'सी' अधिकारियों के लिए स्मार्ट प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट रिकॉर्डिंग ऑनलाइन विंडो (SPARROW) में वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट (ए.पी.ए.आर.) के ऑनलाइन लेखन हेतु यह परियोजना है।
 - आई.आर.एस. (सी. & सी.ई) अधिकारियों के लिए SPARROW में ए.पी.आर.एस. का ऑनलाइन लेखन 2016-17 में ही लागू किया जा चुका है।
 - SPARROW-सी.बी.आई.सी., केंद्र सरकार के विभागों के संबंध में शामिल किए गए कर्मचारियों की संख्या/ स्केल के पदों में यह इस प्रकार की पहली परियोजना है।
 - इसने सी.बी.आई.सी. के समूह बी और सी के बड़ी संख्या में अधिकारियों/ कर्मचारियों के ए.पी.ए.आर. प्रबंधन में पूर्णतया बदलाव ला दिया है, जिससे यह बेहतर एच.आर. प्रबंधन का नेतृत्व करेगा।
 - यह परियोजना केंद्रीय जी.एस.टी. और सी.बी.आई.सी. के सीमा शुल्क संरचनाओं में काम करने वाले विशाल कार्यबल की समग्र दक्षता और मनोबल को बढ़ाने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाती है।
 - यह परियोजना डिजिटलीकरण और कागज रहित कामकाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

3. एस.सी.टी.एल.डी.: एक प्रवाल बीमारी है जिसने अमेरिकी वर्जिन द्वीप समूह की भित्तियों पर खतरा पैदा कर दिया है।
 - अमेरिकी वर्जिन द्वीप समूह में प्रवाल, "पत्थर प्रवाल ऊतक हानि बीमारी" नामक एक तेजी से फैलने वाली बीमारी से प्रभावित हैं, जिसने पिछली बार फ्लोरिडा में लगभग 80 प्रतिशत पत्थर प्रवाल को समाप्त कर दिया था।
 - यह बीमारी कई प्रकार की भित्ति-निर्माण प्रवाल प्रजातियों को प्रभावित कर रही है, उनमें से कई लंबे समय से जीवित हैं और पूरे दक्षिण-पश्चिम में भित्ति-से-भित्ति में फैलती हुई प्रतीत हो रही हैं।
 - यह एक जीवाणु रोग है।
 - इस बीमारी में, शैवाल के इसमें बसने तक ऊतक एक कड़ा सफेद कंकाल छोड़ते हुए छूट जाएगा।

संबंधित जानकारी

प्रवाल विरंजन

- प्रवाल विरंजन तब होता है जब प्रवाल जंतु अपने ऊतकों में रहने वाले सहजीवी शैवाल जूक्सेंथेल को निष्कासित कर देते हैं, जिससे वे पूरी तरह से सफेद हो जाते हैं। इस घटना को प्रवाल विरंजन कहते हैं।
- पीला सफेद रंग, कैल्शियम कार्बोनेट के पारदर्शी ऊतकों का होता है जो वर्णक-उत्पादक जूक्सेंथेल के नुकसान के कारण दिखाई देते हैं।

प्रवाल विरंजन के कुछ कारण

- समुद्र के तापमान में वृद्धि होना
- महासागर अम्लीकरण
- संक्रामक रोग
- सौर विकिरण और पराबैंगनी विकिरण
- रासायनिक प्रदूषण
- मानव प्रेरित खतरे

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- डाउन टू अर्थ

4. नभवेंचर ने कृषि, खाद्य और ग्रामीण स्टार्ट-अप का समर्थन करने हेतु अपना पहला फंड लांच किया है।

- नभर्वेचर, नाबार्ड की एक सहायक कंपनी है, जिसने कृषि और ग्रामीण-केंद्रित स्टार्टअप्स में इक्विटी निवेश हेतु 700 करोड़ रुपये के उद्यम पूंजी फंड की घोषणा की है।
- ऐसा पहली बार हुआ है कि ग्रामीण विकास बैंक ने अपना एक फंड लॉन्च किया है।

संबंधित जानकारी

उद्यम पूंजी निधि

- यह एक निवेश फंड है जो स्टार्टअप और छोटे एवं मध्यम उद्यमों में पूंजी प्रदान करने के इच्छुक विभिन्न निवेशकों से धन का प्रबंधन करता है जिसमें मजबूत विकास क्षमता होती है।
- सेबी के अनुसार, वी.सी.एफ. एक फंड है जिसे ट्रस्ट/ कंपनी के रूप में स्थापित किया जाता है, जिसमें एक निगमित निकाय भी शामिल है और यह सेबी द्वारा पंजीकृत है।
- उद्यम पूंजी वित्तपोषण का उद्देश्य उच्च जोखिम वाली परियोजनाओं में उच्च रिटर्न की प्रत्याशा के साथ निवेश करना है।
- भारत में, उद्यम पूंजी फंड को सेबी द्वारा विनियमित किया जाता है।

नोट: नाबार्ड, अब सरकार के 100 प्रतिशत स्वामित्व में है, जो अनेक उपायों के माध्यम से स्टार्टअप पर ध्यान केंद्रित कर रहा है

नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक)

- भारत में शीर्ष विकास वित्तीय संस्थान है
- मुख्यालय- मुंबई में स्थित है।
- नाबार्ड अधिनियम, 1981 के अंतर्गत जुलाई, 1982 में स्थापित किया गया था।
- बी. सिवारमन समिति की सिफारिश पर गठित किया गया था।
- यह भारत में कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु एक विशेष बैंक है।
- ग्रामीण नवीनीकरण फंड और ग्रामीण ढांचा विकास फंड को नाबार्ड के अंतर्गत रखा गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – भारतीय अर्थव्यवस्था

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

5. विश्व का सबसे बड़ा रेडियो दूरदर्शी डिजाइन किया गया है।

- वैज्ञानिकों ने विश्व के सबसे बड़े रेडियो दूरदर्शी स्क्वायर किलोमीटर ऐरे (एस.के.ए.) के 'मस्तिष्क' का डिजाइन तैयार कर लिया है।
- इसके पूरा होने के बाद एस.के.ए. खगोलविदों को अभूतपूर्व विस्तार से आकाश की निगरानी करने और वर्तमान में अस्तित्व में किसी भी प्रणाली की तुलना में बहुत तेजी से पूरे आकाश का सर्वेक्षण करने में सक्षम बनाएगा।
- ब्रिटेन में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के नेतृत्व में एस.डी.पी. संघ ने उन तत्वों को डिजाइन किया है जो एक साथ एस.के.ए. के 'मस्तिष्क' का निर्माण करेंगे।

टॉपिक- जी.एस.-3 विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. आर.बी.आई. ने ई-भुगतान प्रणाली के लिए विज्ञान दस्तावेज़ जारी किए हैं।
- आर.बी.आई. ने एक सुगम, सुरक्षित, सुविधाजनक, त्वरित और सस्ती ई-भुगतान प्रणाली सुनिश्चित करने हेतु एक विज्ञान दस्तावेज़ जारी किया है।
- आर.बी.आई. ने "असाधारण ई-भुगतान प्रणाली का सशक्तीकरण" की थीम के साथ 'भारत में भुगतान एवं निपटान प्रणाली: विज्ञान 2019-2021' को जारी किया है, जिसमें प्रतियोगिता, लागत-प्रभावी, सुविधा और आत्म-विश्वास (4 सी) के लक्ष्यों के माध्यम से "एक उच्च डिजिटल और कैश-लाइट सोसाइटी" प्राप्त करने की परिकल्पना की गई है।
- बैंक 2019-2021 की अवधि के दौरान इस विज्ञान में उल्लिखित दृष्टिकोण को लागू करेगा।
- यह दस्तावेज़ ग्राहक जागरूकता पैदा करने, सिस्टम ऑपरेटरों और सेवा प्रदाताओं के लिए 24X7 हेल्पलाइन और स्व-नियामक संगठन स्थापित करने की बात करता है।
- इसने कहा गया है कि भुगतान प्रणालियों की सुरक्षा और सतर्कता के प्रति 'कोई समझौता नहीं' का दृष्टिकोण अपनाया जाएगा, जो दृष्टि का हॉलमार्क नियत रखता है।

टॉपिक- जी.एस.-3- भारतीय अर्थव्यवस्था

स्रोत-ए.आई.आर.

7. ऑर्किड "लीकानोरचिस ताइवानियाना" असम में खोजा गया है।

- यह आकार और विकसित होने की अवधि के अनुरूप वनस्पति रूप से दर्ज किए जाने वाले आर्किडों में यह भारत में पाए जाने वाले सबसे छोटे ऑर्किडों में से एक है।
- इसके पहले इसे जापान, ताइवान और लाओस में पाया गया था, इस ऑर्किड की अधिकतम ऊंचाई 40 से.मी. और विकसित की अवधि पांच-छह दिनों की थी।
- लीकानोरचिस ताइवानियाना, एक माइको-हेटेरोट्रोफ है, जो दो प्रकार के परजीवी पौधों में से एक है जिन्होंने प्रकाश संश्लेषण करना छोड़ दिया है।

टॉपिक- जी.एस.-3- जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

8. जैव-प्रिंटिंग

- आंध्र प्रदेश मेडटेक क्षेत्र (ए.एम.टी.जेड.) ने हाल ही में विशाखापत्तनम में अंग जैव प्रिंटिंग पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया है।
- आंध्र प्रदेश मेडटेक क्षेत्र, विविध सामग्रियों और विविध अनुप्रयोगों के साथ विश्व की सबसे बड़ी 3 डी. प्रिंटिंग सुविधाओं में से एक है।

संबंधित जानकारी

3 डी जैव-प्रिंटिंग

- जैवप्रिंटिंग, एक योगशील विनिर्माण प्रक्रिया है, जहां प्राकृतिक ऊतक से समानता रखने वाले ऊतक के समान संरचना हेतु कोशिका जैसी जैव सामग्रियों और वृद्धि कारकों को संयुक्त किया जाता है।
- प्रौद्योगिकी परत-दर-परत तरीके से इन संरचनाओं को बनाने के लिए जैव-स्याही के रूप में जानी जाने वाली सामग्री का उपयोग करती है।
- यह तकनीक, व्यापक रूप से चिकित्सा और बायोइंजीनियरिंग के क्षेत्रों में लागू है।
- हाल ही में, प्रौद्योगिकी ने पुनर्निर्माण और उत्थान में उपयोग के लिए उपास्थि ऊतक के उत्पादन में भी प्रगति की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत-पी.आई.बी.

17.05.2019

1. वॉयनिच हस्तलिपि: विश्व के सबसे रहस्यमयी पाठ का अंततः उद्घाटन हो गया है।

- हाल ही में, ब्रिस्टॉल अकादमिक के शोधकर्ताओं ने वॉयनिच में लिखी गई 600 वर्ष पुरानी हस्तलिपि की खोज हुई भाषा को गूढ़ाक्षरों में व्यक्त किया है।
- वॉयनिच हस्तलिपि 15वीं शताब्दी का एक हस्तलिखित, सचित्र पाठ है जो कि पाठ और दृष्टांतों के साथ वेल्लम (भेड़ के बच्चे, बकरी या बछड़े की खाल से बना एक प्रकार का चर्मपत्र कागज) पर लिखा गया है।
- वॉयनिच हस्तलिपि, प्रोटो-रोमांस का एक उदाहरण है।
- वॉयनिच हस्तलिपि- 'दुनिया के सबसे रहस्यमय पाठ' के रूप में जाना जाता है- इसमें कोड, जादू टोना, विदेशी संदेश और यहां तक कि कम्युनिस्ट प्रचार भी शामिल है।
- यह हस्तलिपि को डोमिनिकन मठवासियों ने मारिया ऑफ कैस्टिले, क्वीन ऑफ एरागॉन के संदर्भ के स्रोत के रूप में संकलित किया था जो स्पेन में एक स्वायत्त समुदाय है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- टी.ओ.आई.

2. केंद्र, ई.आई.ए. नियमों को प्रतिस्थापित करता है।

- केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने अपने मौजूदा पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन (ई.आई.ए.) अधिसूचना को "फिर से इंजीनियरीकृत" करने का फैसला किया है, जो इस प्रक्रिया को काफी हद तक सहज कर देता है जिसके माध्यम से परियोजनाओं को पर्यावरणीय मंजूरी प्रदान की जाती है।
- मौजूदा पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ई.आई.ए.) नियम, 2006 पूरे देश में खनन, बुनियादी ढांचे, उद्योगों, थर्मल, हाइड्रो और सिंचाई जैसे कार्यों

की सभी किस्मों के लिए हरित मंजूरी को शासित करता है।

ई.आई.ए. का नया मसौदा नियम

- यह मसौदा नियम नगरपालिकाओं, शहरी विकास प्राधिकरणों और जिला पंचायतों जैसे स्थानीय निकायों को 20,000 वर्ग मीटर से अधिक और 50,000 वर्ग मीटर से कम के निर्मित क्षेत्र के साथ भवन या निर्माण परियोजनाओं के लिए निर्माण की मंजूरी देने का अधिकार प्रदान करते हैं।
- इस मसौदे के अंतर्गत सीमावर्ती क्षेत्रों में दोगुना परिवहन कार्यों, मौजूदा राजमार्गों की वृद्धि करना और बिना पर्यावरण मूल्यांकन के भूमि के अतिरिक्त अधिग्रहण के बिना मौजूदा औद्योगिक कार्यों की वृद्धि जैसे विविध कार्यों को मंजूरी प्रदान की जाती है।
- इसके अतिरिक्त यह किसी भी प्रकार के सार्वजनिक परामर्श से विभिन्न क्षेत्रों में मौजूदा क्षमता की 50% तक परियोजनाओं के विस्तार को छूट प्रदान करता है।
- इसमें सिंचाई परियोजनाओं, सड़कों और राजमार्गों के आधुनिकीकरण को शामिल किया गया है जहाँ भूमि का अतिरिक्त अधिग्रहण शामिल नहीं है।

संबंधित जानकारी

पर्यावरण प्रभाव आकलन (ई.आई.ए.)

- यह एक औपचारिक प्रक्रिया है जिसका उपयोग किसी भी विकास परियोजना के पर्यावरणीय परिणामों की भविष्यवाणी करने के लिए किया जाता है।
- भारत में ई.आई.ए. वैधानिक रूप से वर्ष 1986 से पर्यावरण संरक्षण अधिनियम द्वारा समर्थित है, जिसमें ई.आई.ए. पद्धति और प्रक्रिया पर विभिन्न प्रावधान शामिल हैं।
- पर्यावरणीय (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत विकासात्मक गतिविधियों की 29 श्रेणियों के लिए ई.आई.ए. अनिवार्य है, जिसमें 50 करोड़ और उससे अधिक का निवेश शामिल है।

- मौजूदा ई.आई.ए. को 2006 में अधिसूचित किया गया था, यह वर्तमान में देश भर में सभी प्रकार की परियोजनाओं- खनन, बुनियादी ढांचे, थर्मल, जल, सिंचाई और उद्योगों के लिए हरित मंजूरी को नियंत्रित करता है।
- नई ई.आई.ए. अधिसूचना को जारी करने के क्रम में, मंत्रालय ने इसका एक प्रस्तावित संस्करण जारी किया है, जिसे "जीरो ड्राफ्ट" कहा जाता है और मई के मध्य तक सभी राज्यों और संबंधित प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों से टिप्पणियां मांगी थीं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

3. ईश्वरचंद्र विद्यासागर क्यों मायने रखते हैं?

- उनका जन्म 26 सितंबर, 1820 को मिदनापुर जिले के बिरसिंघा गाँव में एक गरीब ब्राह्मण परिवार में हुआ था।
- उनका सबसे स्थायी योगदान एक पारंपरिक उच्च जाति के हिंदू समाज के शिक्षाविद् और सुधारक के रूप में था।
- उनके सुधारों का प्रमुख ध्यान महिलाओं पर था- उन्होंने अपने जीवन की उर्जाओं को बाल विवाह की प्रथा को समाप्त करने और विधवा विवाह की शुरुआत करने की प्रयासों में खर्च किया था।
- उनकी बंगाली वर्णमाला की पुस्तक, बोर्नो पोरिचोय ने आधुनिक बंगाली वर्णमाला का पुनर्निर्माण किया था और वर्ष 1891 में उनकी मृत्यु के 125 से अधिक वर्षों बाद भी भाषा सीखने और लिखने के लिए लगभग प्रत्येक बच्चे ने उस पुस्तक का प्रयोग किया है।

विद्यासागर का तर्कवाद

- उन्नीसवीं सदी के हिंदू धर्म, मैक्स वेबर ने वर्ष 1916 में भारत के धर्म पर अपने अध्ययन में लिखा है कि: हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म का समाजशास्त्र "जादू, आत्मवाद और अंधविश्वास का एक यौगिक बन गया है"।
- राजा राममोहन राय (1772-1833), अक्षय कुमार दत्त (1820-86) और विद्यासागर के मानवतावादी सुधारों का शक्तिशाली तर्कवाद के माध्यम से विरोध किया था जिसने समकालीन

हिंदू समाज के पतन को खारिज कर दिया गया और उस विश्वास के आधारों पर सवाल उठाए गए जिसमें यह दावा किया गया था इसकी जड़ें हैं।

- विद्यासागर अज्ञेयवाद थे उन्होंने अलौकिक पर चर्चा करने से इंकार कर दिया था।

महिलाओं के लिए सुधार

- वर्ष 1855 में, उन्होंने हिंदू विधवाओं के विवाह पर अपने दो प्रसिद्ध निबंध लिखे, तर्क और कारण के साथ उनकी बहस का आधार यह दर्शाता था कि 'स्मृति' साहित्य (सूत्र और शस्त्र) के पूरे निकाय में पुनर्विवाह करने वाली विधवाओं पर कोई प्रतिबंध नहीं था।
- विधवा पुनर्विवाह के आंदोलन के साथ-साथ विद्यासागर ने बहु-विवाह के खिलाफ भी आंदोलन किया था।
- 16 जुलाई, 1856 को हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम, जिसे अधिनियम XV के रूप में जाना जाता है, को पारित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर -1- भारतीय इतिहास

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. वैश्विक औषधि सर्वेक्षण 2019

- वैश्विक औषधि सर्वेक्षण (जी.डी.एस.) एक अज्ञात, ऑनलाइन सर्वेक्षण है जो दवा के उपयोग में रुझान और नियमित दवा उपयोगकर्ताओं और नए रुझानों के शुरुआती ग्रहण करने वालों के मध्य स्वयं दर्ज किए गए नुकसानों का आकलन करने हेतु एक विस्तृत प्रश्नावली का उपयोग करता है।
- वैश्विक औषधि सर्वेक्षण (जी.डी.एस.) 2019 में बताया गया है कि भारतीय शराब के सेवन को कम करने में मदद करने हेतु विश्व का नेतृत्व कर रहे हैं। ऐसा पहली बार हुआ है कि सर्वेक्षण में भारत के उत्तरदाताओं को चुना गया है।
- सर्वेक्षण के अनुसार, शराब, तंबाकू और भांग भारतीयों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सबसे आम उत्तेजक थे।
- आने वाले वर्षों में 51% उत्तरदाताओं ने 'कम पीना' चाहा है और 41% लोग "ऐसा करने हेतु मदद चाहते हैं", जो कि सभी देशों में सबसे अधिक है।

- इसके अतिरिक्त, सर्वेक्षण में शामिल 51% लोगों का कहना है कि वे आने वाले वर्षों में 'कम भांग' का उपयोग करना चाहते हैं, किसी भी अन्य राष्ट्रीयता से अधिक और वैश्विक औसत 31% से अधिक है।
- इसके अतिरिक्त, सर्वेक्षण में शामिल 6% भारतीय महिलाओं ने पिछले 12 महीनों में 'आपातकालीन चिकित्सा उपचार' की मांग की है। वैश्विक महिला का औसत लगभग 13% था।
- हालांकि, भारत के किसी भी पुरुष ने 12% के वैश्विक औसत की तुलना में चिकित्सा उपचार की मांग नहीं की है।
- भारतीयों ने पिछले 12 महीनों में औसतन 41 बार शराब पीने की पुष्टि की है, जो कि ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और डेनमार्क के कम है लेकिन 33 बार के वैश्विक औसत से काफी अधिक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. भारत ने जिनेवा में अनुरूपता का निर्माण किया है क्यों कि सी.ओ.पी. बैठकों ने विकासशील देशों में ई-कचरा निपटान को प्रतिबंधित करने के लिए संशोधनों को अपनाया है।
- पुनः उपयोग और मरम्मत के अंतर्गत भारत में ई-कचरे का संभावित "निपटान" किया जाएगा, जिसमें पूर्व सूचित सहमति (पी.आई.सी.) श्रेणी में मिश्रित, दूषित प्लास्टिक कचरे के प्रवेश सहित दो ऐसे मुद्दे थे जिन पर भारत ने ट्रिपल सी.ओ.पी. (पार्टियों के सम्मेलन) बैठकों में हस्तक्षेप किया था।
- इन बैठकों में बेसल, रॉटरडैम और स्टॉकहोम सम्मेलनों के लिए पार्टियों का सम्मेलन शामिल थे और इन बैठकों का आयोजन 29 अप्रैल और 10 मई के बीच जिनेवा में "स्वच्छ ग्रह, स्वस्थ लोग: रसायन और अपशिष्ट का बेहतर प्रबंधन" की थीम पर किया गया था।
- ई-कचरे की सीमापार गतिविधि पर मुख्य निर्णय लिया गया है।

- पुनः उपयोग और मरम्मत की तर्ज पर विकसित देशों से अपशिष्ट को विकासशील देशों को भेजा जाता है। इन्हें वापस लेने के लिए निर्यातक देश की कोई जवाबदेही नहीं होती है।
- बेसल सम्मेलन में, मसौदा तकनीकी दिशानिर्देशों ने उन शर्तों को निर्धारित किया है, जब प्रत्यक्ष पुनः उपयोग, मरम्मत, नवीनीकरण या विफल विश्लेषण के लिए प्रयोग किए जा चुके विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को गैर-कचरा माना जाना चाहिए।
- भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने परिपूर्ण के दौरान इन दिशानिर्देशों पर प्रस्तावित निर्णयों पर कड़ी आपत्ति जताई थी और इसे पार्टियों के सम्मेलन (सी.ओ.पी.) द्वारा पारित नहीं होने दिया था।
- बाद में एक संशोधित निर्णय लिया गया था जिसमें भारत द्वारा उठाई गई सभी चिंताओं को शामिल किया गया था।
- इस वर्ष की शुरुआत में, भारत ने देश में प्लास्टिक कचरे के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था।

संबंधित जानकारी

- एसोचैम-एन.ई.सी. के हालिया अध्ययन के अनुसार, भारत चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और जर्मनी में सबसे अधिक ई-कचरे का उत्पादन करता है।
- भारत में, महाराष्ट्र 19.8% ई-कचरे के साथ सबसे अधिक योगदान देता है, इसके बाद क्रमशः तमिलनाडु (13%) और उत्तर प्रदेश (10.1%) हैं।
- दुख की बात यह है कि भारत के कुल ई-कचरे के मात्र 5% का ही पुनर्नवीनीकरण किया जाता है।
- 95% से अधिक उत्पादित ई-कचरे को असंगठित क्षेत्र और इस बाजार में स्कैप डीलरों द्वारा प्रबंधित किया जाता है, इसका पुनर्चक्रण करने के बजाय उत्पादों के निपटान को समाप्त कर दिया जाता है।

टॉपिक- जी.एस.-3- पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. यू.एन.डी.आर.आर. ने प्रधानमंत्री के सचिव को ससाकावा पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया है।

- संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यालय (यू.एन.डी.आर.आर.) ने भारत के प्रधानमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा को आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए ससाकावा पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया है।
- इस पुरस्कार की घोषणा जिनेवा, स्विट्जरलैंड में वैश्विक आपदा जोखिम न्यूनीकरण मंच (जी.पी.डी.आर.आर.) के दौरान की गई थी।

2019 ससाकावा पुरस्कार के अन्य विजेता

- सिदनेई फुर्टाडो, कैपिनास, ब्राजील के नागरिक सुरक्षा विभाग के निदेशक
- बिजल ब्रह्मभट्ट, भारतीय महिला आवास सेवा ट्रस्ट की निदेशक

ससाकावा पुरस्कार

- ससाकावा पुरस्कार, आपदा जोखिम प्रबंधन के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है।
- ससाकावा पुरस्कार 2019 की थीम "समावेशी और लचीला समाज निर्माण" थी।
- इस पुरस्कार के विजेता या तो संगठन या व्यक्ति हो सकते हैं जिन्हें पुरस्कार के रूप में 50000 अमेरिकी डॉलर का अनुदान दिया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत-पी.आई.बी.

7. ट्रम्प ने योग्यता आधारित आप्रवासन प्रणाली का अनावरण किया है।

- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक योग्यता-आधारित आप्रवासन प्रणाली ग्रीन कार्ड का अनावरण किया है जो अमेरिका में स्थायी निवास का पासपोर्ट है।
- यह योग्यता-आधारित आप्रवासन प्रणाली विदेशियों की मदद करेगी जिसमें सैनिकों और हजारों भारतीय पेशेवर और कुशल श्रमिक शामिल हैं, जो ग्रीन कार्ड या स्थायी कानूनी

निवास स्थान का लाभ पाने के लिए इंतजार कर रहे थे।

- प्रस्तावित प्रणाली, स्थायी कानूनी निवास को उनकी आयु, ज्ञान, नौकरी के अवसरों और नागरिक भावना के लिए अंकों के आधार पर दिया जाएगा।
- यह प्रस्ताव कुशल श्रमिकों के लिए कोटा को मौजूदा लगभग 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 57 प्रतिशत कर देता है।
- इसके अतिरिक्त, आप्रवासियों को अंग्रेजी सीखने और प्रवेश से पहले नागरिक शास्त्र परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता होगी।

संबंधित जानकारी

ग्रीन कार्ड

- ग्रीन कार्ड, स्थायी निवासियों के लिए अमेरिकी नागरिकता और आप्रवासन सेवाओं द्वारा जारी किए गए पहचान पत्र हेतु एक बोलचाल की भाषा का नाम है, जो कानूनी रूप से अमेरिका में अनिश्चित काल तक रहने और काम करने की अनुमति प्रदान करता है।

अमेरिका में एक अस्थायी प्रवास हेतु वीजा

एच.1 बी. वीजा

- एच-1बी, वीजा एक गैर-आप्रवासी वीजा है।
- यह अमेरिकी कंपनियों को विशेष व्यवसायों में विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने की अनुमति देता है जिन्हें सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है।
- एच-1बी, वीजा की प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 65,000 की वार्षिक संख्यात्मक पूंजी सीमा है, जैसा कि कांग्रेस द्वारा अनिवार्य किया गया है।

एच.4 वीजा

- एच-1बी, वीजा धारकों के आश्रितों को एच-4 वीजा मिलता है।
- 2015 में अमेरिकी नागरिकता एवं आप्रवासन सेवा ने कुछ निश्चित एच-4 आश्रित पति/पत्नी नियम के लिए रोजगार प्राधिकरण पारित किया था।

- कुछ निश्चित एच-4 आश्रित पति-पत्नी का अर्थ है कि एच-1बी वीजा धारकों का/ की पति/ पत्नी, जिसका ग्रीन कार्ड आवेदन एक निश्चित सीमा तक पहुंच गया है।
- 2015 के बाद भारत जाने वाले 1.26 लाख एच-4 वीजा लाभार्थियों के 90 प्रतिशत से अधिक को लिए रोजगार प्राधिकरण दस्तावेज (ई.ए.डी.) जारी किए गए हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत- ए.आई.आर.

8. शी जिनपिंग ने "सभ्यताओं के सिद्धांत" के टकराव को अस्वीकार किया है।
- चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने "सभ्यताओं के टकराव" के सिद्धांत को खारिज कर दिया और "एशियाई सभ्यताओं के संवाद पर सम्मेलन" के दौरान सभ्यताओं के मध्य सौहार्दपूर्ण संवाद और सह-अस्तित्व की अपील की है।
- यह बयान, अमेरिकी अधिकारियों द्वारा चीन और अमेरिका के मध्य प्रतिद्वंद्विता को एक अलग सभ्यता और एक अलग विचारधारा के साथ लड़ाई के रूप में वर्णित करने के बाद आया था।

संबंधित जानकारी

सभ्यता का टकराव क्या है?

- यह अमेरिकी राजनीतिक वैज्ञानिक सैमुअल पी. हंटिंगटन द्वारा प्रस्तावित किया गया था जिन्होंने तर्क दिया था कि भविष्य के युद्ध देशों के बीच नहीं बल्कि संस्कृतियों के बीच लड़े जाएंगे।
- सभ्यताओं का टकराव, एक परिकल्पना है कि लोगों की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान शीत युद्ध के बाद विश्व में संघर्ष का प्राथमिक स्रोत होगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- इकानॉमिक टाइम्स

9. अलबामा, संयुक्त राज्य अमेरिका का एक राज्य है जिसने सबसे सख्त गर्भपात विधेयक पारित किया है।

- संयुक्त राज्य अमेरिका के अलाबामा राज्य ने संयुक्त राज्य में सबसे अधिक सख्त प्रतिबंधात्मक गर्भपात विधेयक पारित किया है।
- इस विधेयक ने बलात्कार और अनाचार के मामलों में भी गर्भावस्था को समाप्त करने पर लगभग पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है और ऐसा करने वाले डॉक्टरों को आजीवन कारावास की सजा दी जा सकती है।

विधेयक के प्रावधान

- विधेयक के अंतर्गत, गर्भपात करना एक अपराध है, जिसमें गर्भपात करने वाले चिकित्सक को 10 से 99 वर्ष तक के आजीवन कारावास की सजा हो सकती है।
- गर्भपात केवल तभी वैध होगा जब मां का जीवन खतरे में हो या यदि गर्भस्थ शिशु, घातक स्थिति में हो।

संबंधित जानकारी

भारतीय परिप्रेक्ष्य

- भारतीय कानून गर्भपात की अनुमति देता है यदि गर्भावस्था की निरंतरता गर्भवती महिला के जीवन के लिए जोखिम उत्पन्न करती है या उसके शारीरिक अथवा मानसिक स्वास्थ्य के प्रति गंभीर खतरा पैदा करती है।
- सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि निजता का अधिकार, संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित है और गर्भपात के अधिकार को इस अधिकार से पढ़ा जा सकता है।
- गर्भावस्था चिकित्सा समाप्ति अधिनियम, 1971 भारत में महिलाओं को अधिकार के साथ गारंटी प्रदान करता है कि सरकार द्वारा स्थापित या विनियमित अस्पताल या सरकार द्वारा इस अधिनियम के उद्देश्य हेतु अनुमोदित स्थान में पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टीशनर द्वारा अनाधिकृत रूप से गर्भावस्था को समाप्त किया जाए।
- सभी गर्भधारण को समाप्त नहीं किया जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

20.05.2019

1. केरल, विदेशी बाजार में मसाला बॉन्ड के रूप में सूचीबद्ध होने वाला पहला राज्य बन गया है।

- केरल ढांचा निवेश निधि बोर्ड, भारत में पहली क्षेत्रीय इकाई बन गई है जिसने विदेशी बाजार से धन जुटाने के लिए मसाला बॉन्ड जारी किया है।
- इस बॉन्ड को लंदन स्टॉक एक्सचेंज के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार में सूचीबद्ध किया गया है

संबंधित जानकारी

मसाला बॉन्ड के संदर्भ में जानकारी

- मसाला बॉन्ड, एक भारतीय इकाई द्वारा रुपये मूल्यवर्ग में एक विदेशी बाजार में जारी किए गए बॉन्ड हैं।
- यह एक इकाई के लिए विदेशी निवेशकों से धन उधार लेने का एक माध्यम है और निर्धारित अंतिम तिथि पर इसका भुगतान किया जाता है।
- मसाला बांड, केवल एक देश में जारी किए जा सकते हैं और ऐसे देश के निवासी द्वारा इसकी सदस्यता ली जा सकती है जो वित्तीय कार्रवाई टास्क फोर्स का सदस्य है और जिसका प्रतिभूति बाजार विनियामक, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभूति आयोग संगठन का सदस्य हो।
- इसके अतिरिक्त बहुपक्षीय एवं क्षेत्रीय वित्तीय संस्थानों द्वारा भी इसकी सदस्यता ली जा सकती है, इसमें भारत एक सदस्य देश है।
- आर.बी.आई. के अनुसार, कोई भी कॉर्पोरेट, कॉर्पोरेट निकाय और भारतीय बैंक, विदेशों में मसाला बॉन्ड जारी कर सकते हैं।
- आर.बी.आई ने शासनादेश जारी किया है कि इस तरह के बॉन्ड के माध्यम से जुटाए गए धन का उपयोग एकीकृत टाउनशिप या किफायती आवास परियोजनाओं के विकास के अतिरिक्त अन्य अचल संपत्ति गतिविधियों के लिए नहीं किया जा सकता है।
- इसके अतिरिक्त इसका उपयोग पूंजी बाजार में निवेश करने, भूमि खरीदने और उपर्युक्त

उल्लिखित गतिविधियों के लिए अन्य संस्थाओं को ऋण प्रदान करने हेतु भी नहीं किया जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

2. राजस्थान सरकार, उजाला क्लीनिकों में सुधार कर रही है।

- किशोरों के लिए पुर्नजीवित उजाला क्लीनिक के अंतर्गत, राजस्थान सरकार युवाओं की काउंसलिंग के लिए सहकर्मि शिक्षकों और छाया शिक्षकों की नियुक्ति करेगी और अन्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य योजनाओं के बेहतर समन्वय को सुनिश्चित करेगी।
- राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आर.के.एस.के.) के अंतर्गत राज्य के 10 जिलों में सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में उजाला क्लीनिक संचालित हो रहे हैं।
- इन्हें उदयपुर, राजसमंद, बांसवाड़ा, दुंगरपुर, जैसलमेर, बाड़मेर, जालौर, बुंदी, करौली और धौलपुर जिलों में जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और चयनित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्थापित किया गया है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के संदर्भ में जानकारी

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 10-19 वर्ष की आयु वर्ग के किशोरों के लिए यह स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू किया है, जो अन्य मुद्दों के साथ उनके पोषण, प्रजनन स्वास्थ्य और मादक द्रव्यों के सेवन को लक्षित करेगा।
- इस कार्यक्रम का प्रमुख सिद्धांत किशोरों की भागीदारी और नेतृत्व, समानता और समावेश, अन्य क्षेत्रों और हितधारकों के साथ लैंगिक समानता और रणनीतिक भागीदारी हैं।
- इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन को निर्देशित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यू.एन.एफ.पी.ए.) के सहयोग से एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू. ने एक राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य रणनीति विकसित की है।

लक्षित समूह

- नई किशोर स्वास्थ्य (ए.एच.) रणनीति, 10-14 वर्ष और 15-19 वर्ष आयु वर्ग के साथ सार्वभौमिक कवरेज पर केंद्रित है अर्थात पुरुषों और महिलाओं, शहरी और ग्रामीण, स्कूल में और स्कूल से बाहर, विवाहित और अविवाहित और कमजोर और सेवा से वंचितों पर ध्यान केंद्रित करती है।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के उद्देश्य

- पोषण में सुधार करना
- यौन और प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार करना
- चोट और हिंसा की रोकथाम करना
- पदार्थ के दुरुपयोग की रोकथाम करना
- उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक, कार्डियो-वस्कुलर रोग और मधुमेह जैसे गैर-संचारी रोग (एन.सी.डी.) का इलाज करना

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत- द हिंदू

3. केंद्र ने 6 राज्यों को सूखा परामर्श जारी किया है।

- केंद्र ने महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु को सूखा परामर्श जारी किया है और उनसे कहा है कि वे जल स्तर का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग करें क्योंकि बांधों का जल स्तर गंभीर स्तर तक गिर रहा है।
- पानी, राज्य सूची के अंतर्गत आता है और परामर्श में बांधों के दोबारा बनने तक राज्यों से इस पानी का केवल पीने के उद्देश्य के लिए उपयोग करने की सिफारिश की गई है।
- केंद्रीय जल आयोग (सी.डब्ल्यू.सी.) पूरे देश में 91 प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध जल भंडारण की निगरानी करता है।
- राज्यों को सूखा परामर्श तब जारी किया जाता है जब जलाशयों में जल स्तर, पिछले 10 वर्षों के जल भंडारण के आंकड़ों के औसत से 20% कम होता है।

संबंधित जानकारी

- भारतीय मौसम विभाग के पूर्व वर्गीकरण के अनुसार, "जब वर्षा की कमी 10% से अधिक होती है और जब देश का 20-40% क्षेत्र सूखे की स्थिति में होता है तो उस वर्ष को अखिल भारतीय सूखा वर्ष कहा जाता है"।
- हालांकि, 2016 में, आई.एम.डी. ने नीचे दर्शाए गए अनुसार "कम वर्ष" और "बड़े कम वर्ष" के साथ कम वर्षा का वर्णन करने हेतु "सूखा" शब्द को प्रतिस्थापित किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – आपदा प्रबंधन

स्रोत- लाइवमिंट

4. ताइवान, समलैंगिक विवाह को वैध बनाने वाला पहला एशियाई राष्ट्र बन गया है।
- समलैंगिक विवाहित जोड़ों को पूर्ण कानूनी अधिकार प्रदान करने वाले विधेयक के पक्ष में संसद के मतदान करने के बाद ताइवान, समलैंगिक विवाह को वैध बनाने वाला पहला एशियाई राष्ट्र बन गया है।

संबंधित जानकारी

समलैंगिकता पर भारतीय कानून

- वर्ष 2018 में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता की धारा 377 को असंवैधानिक घोषित करते हुए समलैंगिकता को वैधानिक ठहराया है, जो लेस्बियन, गे, समलैंगिक और ट्रांसजेंडर (एल.जी.बी.टी.) समुदाय के लिए भारत में ऐतिहासिक फैसला था।

अन्य देशों में समलैंगिकता पर कानून:

- वियतनाम ने वर्ष 2015 में समलैंगिक विवाह समारोह का वैध किया था लेकिन समलैंगिक संघों को पूर्ण कानूनी मान्यता देने से रोक दिया था।
- जबकि चीन में समलैंगिक विवाह अभी भी अवैध है, 1997 में देश में समलैंगिकता को वैध कर दिया गया था और तीन वर्ष बाद आधिकारिक तौर पर मानसिक बीमारियों की सूची से इसे हटा दिया गया था।

- ब्रुनेई ने नए सख्त इस्लामिक कानूनों ने गुदा मैथुन और व्यभिचार के अपराधों को पत्थर से मारने के दंडनीय अपराध के रूप में घोषित किया है लेकिन यह कहा गया है कि यह गे सेक्स के लिए मृत्युदंड को लागू नहीं करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- टी.ओ.आई.

5. नौसेना, अपनी वायु युद्ध क्षमताओं को बढ़ा रहा है।
- भारतीय नौसेना ने एक मध्यम श्रेणी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एम.आर.एस.ए.एम.) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।
- इस मिसाइल का परीक्षण भारतीय नौसेना, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) और इजराइल एयरोस्पेस उद्योग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

संबंधित जानकारी

मध्यम श्रेणी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल के संदर्भ में जानकारी

- डी.आर.डी.ओ. ने इजराइल एयरोस्पेस उद्योग के साथ मिलकर संयुक्त रूप से मिसाइल विकसित की है।
- एम.आर.एस.ए.एम. का निर्माण भारत डायनेमिक्स लिमिटेड द्वारा किया गया है।
- एम.आर.एस.ए.एम. में हवाई, समुद्री और जमीनी खतरों के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करने की क्षमता है।
- यह क्षमता भारतीय नौसेना की युद्धक प्रभावकता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती है जिस प्रकार यह संभावित विरोधियों पर परिचालन बढ़त प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- द हिंदू

6. ई-भुगतान पैनल ने आर.बी.आई. को रिपोर्ट सौंपी है।

- यू.आई.डी.ए.आई. के पूर्व अध्यक्ष नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में डिजिटल भुगतानों को गहन करने हेतु उच्च स्तरीय समिति ने भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर को अपनी रिपोर्ट सौंपी है।

संबंधित जानकारी

- केंद्रीय बैंक ने भुगतानों के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और डिजिटलीकरण के माध्यम से वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण से डिजिटल भुगतान को गहन बनाने हेतु पांच-सदस्यीय पैनल की स्थापना की थी।
- पैनल से निम्न हेतु कहा गया था:
- देश में भुगतान के डिजिटलीकरण की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करने
- पारिस्थितिकी तंत्र में वर्तमान अंतरालों की पहचान करने और उन्हें पाटने के तरीके सुझाने
- वित्तीय समावेशन में डिजिटल भुगतान के वर्तमान स्तरों का आकलन करने
- हाल ही में, आर.बी.आई. ने एक सुरक्षित, सुगम, सुविधाजनक, त्वरित और सस्ती ई-भुगतान प्रणाली को सुनिश्चित करने हेतु एक विज्ञान दस्तावेज़ जारी किया है, जिसका उद्देश्य भारत को 'कैश-लाइट' सोसाइटी बनाना है।
- 'भारत में भुगतान एवं निपटान प्रणाली: विज्ञान 2019-2021' को प्रतियोगिता, लागत-प्रभावी, सुविधा और आत्म-विश्वास (4C) के लक्ष्य पदों के माध्यम से "अत्यधिक डिजिटल और कैश-लाइट सोसाइटी" के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु परिकल्पित किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थव्यवस्था

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. बी.आई.एस. द्वारा प्रमाणित नवीनीकृत मोबाइल आयात को सरकार ने मंजूरी प्रदान की है।
- भारत सरकार ने अंततः नवीनीकृत अथवा पुराने मोबाइल फोनों के आयात को अनुमति प्रदान की है, यह शर्त रखी गई है कि ये मोबाइल भारतीय मानक ब्यूरो (बी.आई.एस.) द्वारा प्रमाणित होने चाहिए।

संबंधित जानकारी

भारतीय मानक ब्यूरो के संदर्भ में जानकारी:

- भारतीय मानक ब्यूरो, भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय है, जो उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय के तत्वावधान में काम करता है।
- भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 द्वारा बी.आई.एस. की स्थापना की गई थी।
- मंत्रालय अथवा विभाग के प्रभारी मंत्री के पास बी.आई.एस. का प्रशासनिक नियंत्रण होता है, यह बी.आई.एस. का पदेन अध्यक्ष होता है।
- बी.आई.एस. को उत्पाद और उससे संबंधित मुद्दों के मानकीकरण, अंकन और गुणवत्ता प्रमाणन की गतिविधियों के सामंजस्यपूर्ण विकास हेतु अधिदिष्ट किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण संस्थान

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

8. रिसैट-2बी: एक ऑल सीइंग रडार इमेजिंग उपग्रह है।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), पी.एस.एल.वी. श्रृंखला के 48वें मिशन'- पी.एस.एल.वी.- सी.46 की रिसैट-2बी के साथ शुरुआत करेगा, सात वर्ष बाद भारतीय ऑल सीइंग रडार इमेजिंग उपग्रहों के एरे के पहले उपग्रह को तैनात किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

रिसैट-2बी के संदर्भ में जानकारी:

- रिसैट-2बी, "रडार इमेजिंग सैटेलाइट -2 बी" का संक्षिप्त रूप है, यह उपग्रहों की श्रृंखला का दूसरा उपग्रह है जिसका उपयोग रडार इमेजिनरी का प्रयोग करके पृथ्वी पर मौसम स्थितियों का अवलोकन करने हेतु किया जाता है।
- एक बार चालू होने के बाद यह उपग्रह सभी मौसम स्थितियों में दिन-रात निगरानी करने में सक्षम होगा।
- रिसैट-2 का मुख्य सेंसर इजरायल एयरोस्पेस उद्योग (आई.ए.आई.) का एक्स-बैंड कृत्रिम द्वारक उपग्रह है।

- यह भारत की सीमाओं की निगरानी करने और घुसपैठरोधी और आतंकवादी-विरोधी अभियानों के हिस्से के रूप में निगरानी करने हेतु बनाया गया है।
- इस उपग्रह का भार 300 किलोग्राम है।
- रिसैट-2बी के बाद रिसैट-2बी.आर.1, 2बी.आर.2, रिसैट-1ए., 1बी, 2ए और आगे भी इसी प्रकार जारी किए जाएंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

9. जी.एस.आई. का कहना है कि अरुणाचल में भारत का 35% ग्रेफाइट पाया जाता है।
 - भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, जी.एस.आई. ने खुलासा किया है कि देश का 35 प्रतिशत ग्रेफाइट अरुणाचल प्रदेश में पाया जाता है।
 - जी.एस.आई. की 2013 की रिपोर्ट में दर्शाया गया है कि अरुणाचल प्रदेश के पास देश के 43% ग्रेफाइट संसाधन हैं, इसके बाद जम्मू-कश्मीर (37%), झारखंड (6%), तमिलनाडु (5%) और ओडिशा (3%) शामिल हैं।
 - हालांकि, भंडारण के संदर्भ में तमिलनाडु के पास लगभग 37% की अग्रणी हिस्सेदारी है, उसके बाद झारखंड (30%) और ओडिशा (29%) है।

संबंधित जानकारी

ग्रेफाइट के संदर्भ में जानकारी:

- ग्रेफाइट, क्रिस्टलीय कार्बन का प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला रूप है।
- यह एक मूल तत्व खनिज है जो रूपांतरित और आग्नेय चट्टानों में पाया जाता है।
- यह बेहद नरम, बहुत हल्के दबाव के साथ दरारों और बहुत कम विशिष्ट गुरुत्व वाला पदार्थ है।
- उच्च दबाव और ताप में यह हीरे में परिवर्तित हो जाता है।
- ग्रेफाइट का उपयोग पेंसिल और स्नेहक में किया जाता है।
- इसकी उच्च चालकता इसे इलेक्ट्रोड, बैटरी और सौर पैनल जैसे विद्युत उत्पादों हेतु उपयोगी बनाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- ए.आई.आर.

21.05.2019

1. जम्मू-कश्मीर रिपोर्ट के बाद भारत, संयुक्त राष्ट्र के पैनल से बाहर हो गया है।

- हाल ही में भारत ने संयुक्त राष्ट्र निकाय को सूचित किया है कि वह अब अपनी रिपोर्ट पर एच.आर.सी. के विशेष दूत के साथ किसी भी संचार पर विचार नहीं करेगा।

संबंधित जानकारी

मानवाधिकार परिषद की विशेष प्रक्रिया

- मानवाधिकार परिषद की विशेष प्रक्रिया स्वतंत्र मानवाधिकार विशेषज्ञ हैं, जिसे विषयगत अथवा देश-विशिष्ट परिप्रेक्ष्य से मानवाधिकारों पर रिपोर्ट करने और उन्हें सलाह देने के लिए विशेषाधिकार प्राप्त है।
- विशेष प्रक्रियाएं या तो व्यक्ति (जिन्हें "विशेष दूत" या "स्वतंत्र विशेषज्ञ" कहा जाता है) या पाँच सदस्यों से बना एक कार्यकारी समूह है, संयुक्त राष्ट्र के पाँच क्षेत्रीय समूह: अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका और कैरिबियाई, पूर्वी यूरोप और पश्चिमी समूहों में से प्रत्येक में से एक है।
- इन्हें मानवाधिकार परिषद द्वारा नियुक्त किए जाते हैं और अपनी व्यक्तिगत क्षमताओं से कार्य करते हैं।
- वे संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारी सदस्य नहीं हैं और उन्हें वित्तीय पारिश्रमिक प्राप्त नहीं होता है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के संदर्भ में जानकारी

- यह संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के अंतर्गत एक अंतर-सरकारी निकाय है।
- यह पूरे विश्व में मानवाधिकारों को बढ़ावा देने और उनके संरक्षण हेतु जिम्मेदार है।
- यू.एन.एच.आर.सी. में 3 वर्ष के कार्यकाल के साथ 47 सीटें हैं। कोई भी सदस्य लगातार 2 से अधिक कार्यकालों के लिए सीट पर नियुक्त नहीं रह सकता है।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा, पूर्ण बहुमत से सदस्यों का चुनाव करती है।

- यू.एन.एच.आर.सी., मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र आयोग का उत्तराधिकारी है और संयुक्त राष्ट्र महासभा का एक सहायक निकाय है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

2. भारतीय एयरोस्पेस के भविष्य को आकार देने हेतु बिल्ड (BUILD) कार्यक्रम शुरू किया गया है।

- बोइंग ने घोषणा की है कि वह देश में नवाचार और कौशल विकास के पोषण के लिए विश्वविद्यालय के छात्रों, संकाय और शुरुआती चरण के स्टार्ट-अप हेतु बोइंग विश्वविद्यालय नवाचार नेतृत्व विकास (BUILD) कार्यक्रम शुरू कर रहा है

संबंधित जानकारी

BUILD कार्यक्रम के संदर्भ में जानकारी

- BUILD कार्यक्रम, विचारों को व्यवहार्य व्यावसायिक अवसरों में बदलने में अन्वेषकों की मदद करेगा, जिसमें भारतीय एयरोस्पेस और रक्षा के भविष्य को आकार देने की क्षमता है।
- यह छात्रों और उद्यमियों को न केवल हमारे विशाल अनुभव और साझेदार नेटवर्क से लाभान्वित करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा बल्कि उनके विचारों को अग्रणी नवाचारों में भी विकसित करेगा।

बोइंग के संदर्भ में जानकारी

- बोइंग कंपनी, एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय निगम है जो पूरे विश्व में हवाई जहाज, रोटारक्राफ्ट, रॉकेट, उपग्रह और मिसाइलों की डिजाइन, निर्माण और बिक्री करता है।
- बोइंग, सबसे बड़े वैश्विक एयरोस्पेस निर्माताओं में से एक है, वर्ष 2017 के राजस्व के आधार पर यह विश्व का पांचवा सबसे बड़ा रक्षा ठेकेदार है।
- इसका मुख्यालय शिकागो, इलिनॉयस, अमेरिका में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

3. विश्व को माप की पुनः परिभाषित इकाइयाँ प्राप्त हुई हैं।

- अंतर्राष्ट्रीय वजन एवं माप ब्यूरो में वजन एवं माप महासभा ने सर्वसम्मति से सात आधार इकाइयों में से चार को पुनः परिभाषित करने के संकल्प को अपनाया है।
- पुनः परिभाषित इकाइयाँ- किलोग्राम (वजन की एस.आई. इकाई), केल्विन (तापमान की एस.आई. इकाई), मोल (पदार्थ की मात्रा की एस.आई. इकाई) और एम्पीयर (वर्तमान की एस.आई. इकाई) हैं।
- इसने पूर्णतया प्रकृति के मौलिक गुणों पर एस.आई. इकाइयों को आधार बनाने में वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को सक्षम बनाया है, जो भविष्य में उनके शोधन और सुधार को सुनिश्चित करेगा।
- इससे पहले किलोग्राम को एक ब्लॉक के भार से उत्पन्न किया गया था, एक प्लैटिनम-इरिडियम अलॉय को फ्रांस में अंतर्राष्ट्रीय वजन एवं माप ब्यूरो में रखा गया था।
- अब किलोग्राम, प्लांक नियतांक की परिभाषा पर आधारित होगा, यह प्रकृति का एक नियतांक है जो इस बात से संबंधित है कि द्रव्य किस प्रकार ऊर्जा निकालता है।
- किलोग्राम तुला, एक उपकरण है जिसका उपयोग प्लांक नियतांक को मापने के लिए किया गया था और इस प्रकार, किलोग्राम को रिबूट करने हेतु सी.एस.आई.आर.- राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एन.पी.एल.) द्वारा निर्मित किया जाएगा।
- पूरे विश्व में 20 मई, 2019 अर्थात विश्व मौसम विज्ञान दिवस से लागू किया जा रहा है।
- सी.एस.आई.आर.-एन.पी.एल. ने नई परिवर्तन, पोस्टर और दस्तावेजों पर जानकारी समायोजित करने और प्रचारित करने के लिए "पुनर्निर्धारित एस.आई. इकाइयों और एन.पी.एल. मौसम विज्ञानी गतिविधियों की झलकियाँ" नामक एक पुस्तक प्रकाशित की है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- पी.आई.बी.

4. भारत, पाकिस्तान एस.सी.ओ. की बैठक में भाग लेंगे।

- भारतीय और पाकिस्तानी विदेश मंत्री, पुलवामा आतंकी हमले और बालाकोट हवाई हमले के बाद एक साथ किरगिज गणराज्य के बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एस.सी.ओ.) के अंतर्गत एक मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेंगे।

संबंधित जानकारी

शंघाई सहयोग संगठन

- यह एक यूरेशियाई राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य संगठन है जिसकी स्थापना चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान के नेताओं द्वारा की गई थी।
- वर्तमान सदस्य राज्य (8) - चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान, भारत और पाकिस्तान हैं।
- पर्यवेक्षक राज्य (4) - अफगानिस्तान, बेलारूस, ईरान और मंगोलिया हैं।
- वार्तालाप साझेदार (6) - अजरबैजान, आर्मेनिया, कंबोडिया, नेपाल, तुर्की, श्रीलंका हैं।
- शंघाई सहयोग संगठन की आधिकारिक कार्यकारी भाषाएँ चीनी और रूसी हैं।
- बीजिंग में स्थित एस.सी.ओ. सचिवालय, एस.सी.ओ. का मुख्य स्थायी कार्यकारी निकाय है।

क्षेत्रीय आतंकवाद रोधी संरचना के संदर्भ में जानकारी

- यह एस.सी.ओ. का एक स्थायी अंग है जो आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ सदस्य राज्यों के सहयोग को बढ़ावा देने का काम करता है।
- इसका मुख्यालय ताशकंद, उजबेकिस्तान में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. सी.डी.एस.सी.ओ. ने पेसमेकर पर चेतावनी जारी की है।
- केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) द्वारा विश्व के सबसे बड़े चिकित्सा उपकरण निर्माता, मेडट्रॉनिक द्वारा बेचे जाने वाले कुछ दोषपूर्ण पेसमेकर के मॉडलों पर एक राष्ट्रव्यापी चेतावनी की घोषणा की गई है।

संबंधित जानकारी

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के संदर्भ में जानकारी

- यह भारतीय फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरण के लिए राष्ट्रीय विनियामक संस्था है।
- यह औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम के अंतर्गत काम करता है।
- सी.डी.एस.सी.ओ., स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अंतर्गत आता है।
- सी.डी.एस.सी.ओ. निम्न के लिए जिम्मेदार है:
- नई दवाओं की स्वीकृति
- नैदानिक परीक्षणों के संचालन
- दवाओं के लिए मानकों को पूरा करना
- देश में आयातित दवाओं की गुणवत्ता पर नियंत्रण करना

पेसमेकर के संदर्भ में जानकारी

- एक पेसमेकर या कृत्रिम पेसमेकर, एक चिकित्सा उपकरण है जो हृदय की मांसपेशियों के सिक्कुने के लिए इलेक्ट्रोड द्वारा वितरित विद्युत आवेगों को उत्पन्न करता है और हृदय की विद्युत प्रवाहकत्व प्रणाली को विनियमित करता है जो एक प्राकृतिक पेसमेकर के समान है।
- पेसमेकर का प्राथमिक उद्देश्य, पर्याप्त हृदय गति बनाए रखना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण संस्थान

स्रोत- लाइवमिंट

6. अनुच्छेद 12 के अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र, एक राज्य नहीं है।
- हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने संजय बहेल बनाम भारत संघ और अन्य मामले में निर्णय देते हुए यह फैसला सुनाया है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 12 के अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र, एक राज्य नहीं है और संविधान के अनुच्छेद 226 के अंतर्गत अपने अधिकार क्षेत्र के लिए उत्तरदायी नहीं है।
- संयुक्त राष्ट्र (विशेषाधिकार और प्रतिरक्षा) अधिनियम, 1947 के अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र

द्वारा प्राप्त प्रतिरक्षा के संबंध में एक याचिका पर निर्णय पारित किया गया था।

- याचिकाकर्ता, संयुक्त राष्ट्र का एक पूर्व कर्मचारी था जिसे कदाचार का दोषी पाया गया था और उसे 97 महीने के कारावास की सजा सुनाई गई थी। सजा काटने के बाद, याचिकाकर्ता को भारत भेज दिया गया था।

संबंधित जानकारी

अनुच्छेद 12

- भारत के संविधान के अनुच्छेद 12 के अनुसार, 'राज्य' शब्द, संघ और राज्य सरकारों, संसद और राज्य विधानसभाओं और भारत के क्षेत्र के भीतर या भारत सरकार के नियंत्रण के अंतर्गत सभी स्थानीय या अन्य प्राधिकरणों को दर्शाता है।
- अनुच्छेद 226, उच्च न्यायालय को सरकार सहित किसी व्यक्ति या प्राधिकरण को रिट जारी करने का अधिकार प्रदान करता है।
- जारी की जा सकने वाली रिटें परमादेश, बंदी प्रत्यक्षीकरण, प्रतिबंध, अधिकार-पृच्छा और उत्प्रेषण-लेखा हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. अल्टिमा थुले पर पानी के साक्ष्य पाए गए हैं: नासा
- नासा को मानव जाति अल्टिमा थुले द्वारा खोजे गए अब तक के सबसे दूर स्थित सतह पर मेटेनॉल, पानी के बर्फ और कार्बनिक अणुओं के एक अद्वितीय मिश्रण के साक्ष्य मिले हैं।

संबंधित जानकारी

नासा का नया हॉरिजन अंतरिक्ष यान

- नासा का नया हॉरिजन अंतरिक्ष यान, रहस्यमय वस्तु-अल्टिमा थुले के अतीत में उड़ान भरने वाला पहला खोजकर्ता बन गया है, जो पृथ्वी से लगभग 4 बिलियन मील की दूरी पर स्थित है।
- नए हॉरिजन का मुख्य विज्ञान मिशन, प्लूटो और चारोन की सतहों का अध्ययन करना है।
- प्लूटो का वातावरण और तापमान रीडिंग लेना है।

अल्टिमा थुले के संदर्भ में जानकारी

- अल्टिमा थुले, नेपच्यून की कक्षा से ऊपर सौरमंडल के सबसे बाहरी क्षेत्रों में क्यूपर बेल्ट में स्थित है।
- इसका व्यास लगभग 30 कि.मी. है और यह अनियमित आकार का है।
- अल्टिमा थुले का रंग लाल है, जो संभवतः अरबों वर्षों से सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने के कारण हो गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

8. विश्व व्यापार संगठन अपीलीय निकाय

- विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.) का विवाद निपटान तंत्र एक "संकट" से गुजर रहा है, यह निकाय अपने नए अपीलीय निकाय में नए सदस्यों को नियुक्त करने के लिए संघर्ष कर रहा है जो व्यापार से संबंधित मामलों की अपील सुनते हैं।

संबंधित जानकारी

डब्ल्यू.टी.ओ. के अपीलीय निकाय के संदर्भ में जानकारी

- वर्ष 1995 में स्थापित अपीलीय निकाय, सात सदस्यों की एक स्थायी समिति है जो डब्ल्यू.टी.ओ. सदस्यों द्वारा लाए गए व्यापार-संबंधी विवादों में पारित निर्णयों के खिलाफ अपील की अध्यक्षता करती है।
- अपीलीय निकाय, एक पैनल के कानूनी निष्कर्षों और निष्कर्षों में संशोधन अथवा रद्द कर सकती है और एक बार विवाद निपटान निकाय (डी.एस.बी.) द्वारा अधिग्रहीत की गई अपीलीय निकाय रिपोर्टों को अवश्य ही विवाद की पार्टों द्वारा स्वीकार किया जाना चाहिए।
- डी.एस.बी. शासनों और सिफारिशों के क्रियान्वयन की निगरानी करता है और किसी देश के शासन का अनुपालन नहीं करने पर प्रतिशोध को अधिकृत करने की शक्ति रखता है।
- डी.एस.बी., अपीलों को स्वीकार या अस्वीकार कर सकता है और पुनः अस्वीकृति आम सहमति से ही संभव है।

- देश या तो विवाद के एक पक्ष या दोनों पक्षों की तरफ से अपील कर सकता है।
- अपीलीय निकाय का मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- टी.ओ.आई.

9. जोको विडोडो को दूसरे कार्यकाल के लिए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के रूप में चुना गया है।
- इंडोनेशिया के जोको विडोडो को एक बार फिर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के रूप में चुना गया है, उन्होंने एक सेवानिवृत्त जनरल, प्राबोवो सुबियांतो को हराया है।
- उन्होंने सुबियांतो और सांदियागा ऊनो पर 55.5 प्रतिशत से 44.5 प्रतिशत के अंतर से चुनाव जीता है।

टॉपिक- राज्य पी.सी.एस. परीक्षा

स्रोत- न्यूज ऑन ए.आई.आर.

22.05.2019

1. पाकिस्तान को एफ.ए.टी.एफ. की ग्रेलिस्ट से बाहर निकलने हेतु आक्रामक कूटनीति की आवश्यकता है।
- वित्तीय कार्रवाही टास्क फोर्स ने कहा है कि पाकिस्तान को ग्रेलिस्ट से बाहर आने या ब्लैक लिस्ट में जाने से रोकने हेतु पर्याप्त समर्थन सुरक्षित करने के लिए एक आक्रामक कूटनीतिक प्रयास शुरू करने की आवश्यकता है।
- यह बयान दक्षिणी चीनी शहर गुआंगझू में पेरिस आधारित वैश्विक प्रहरी एफ.ए.टी.एफ. के एशिया-प्रशांत समूह (ए.पी.जी.) की दो दिवसीय बैठक के दौरान आया था।
- जून, 2018 में एफ.ए.टी.एफ. ने पाकिस्तान को देशों की ग्रेलिस्ट में डाल दिया था।
- मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण की चुनौतियों से निपटने हेतु इसके देशीय कानूनों को कमजोर माने जाने के बाद पाकिस्तान को ग्रेलिस्ट में डाल दिया गया था।

संबंधित जानकारी

वित्तीय कार्रवाही टास्क फोर्स के संदर्भ में जानकारी

- यह जी 7 की पहल पर 1989 में स्थापित एक अंतर-सरकारी निकाय है।
- यह एक नीति-निर्माण निकाय है जो विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय विधायी और विनियामक सुधार लाने के लिए आवश्यक राजनीतिक इच्छाशक्ति उत्पन्न करने का काम करता है।
- इसका सचिवालय फ्रांस के पेरिस में ओ.ई.सी.डी. मुख्यालय में स्थित है।

एफ.ए.टी.एफ. के उद्देश्य

- मानक निर्धारित करना और कानूनी, विनियामक और परिचालन उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन को बढ़ावा देना
- मनी लॉन्ड्रिंग से निपटना
- आतंकवादी वित्तपोषण से निपटना
- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली की अखंडता की संबंधित अन्य खतरे
- एफ.ए.टी.एफ. में वर्तमान में मतदान के अधिकार वाले 36 सदस्य हैं और दो क्षेत्रीय संगठन (यूरोपीय आयोग और खाड़ी सहयोग) शामिल हैं, जो विश्व के सभी हिस्सों में अधिकांश प्रमुख वित्तीय केंद्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

2. मैन बुकर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

- ओमान की लेखिका जोखा अलहर्थी को उनकी पुस्तक "सेलेस्टियल बॉडीज़" के लिए प्रतिष्ठित मैन बुकर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- सेलेस्टियल बॉडीज़, एक मरुस्थलीय देश की तीन बहनों की कहानी है जो अपने गुलाम अतीत और जटिल आधुनिक दुनिया का सामना कर रही हैं।

संबंधित जानकारी

मैन बुकर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

- मैन बुकर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, यूनाइटेड किंगडम में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक पुरस्कार है।

- मैन ग्रुप द्वारा प्रस्तुत अंग्रेजी भाषा के उपन्यासों के लिए मैन बुकर पुरस्कार, मैन बुकर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के समकक्ष है।
- यह किसी भी भाषा में पुस्तकों के लिए खुला है जिसका अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 –सम्मान एवं पुरस्कार

स्रोत- ए.आई.आर.

3. आर.बी.आई., विशेष एन.बी.एफ.सी. विंडो के खिलाफ है।
 - भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.), नीति आयोग और उद्योग खिलाड़ियों द्वारा मजबूत समर्थन के बावजूद तनावग्रस्त गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एन.बी.एफ.सी.) को एक जीवनरेखा की पेशकश करने के लिए उत्सुक नहीं है।
 - नीति अयोग ने एन.बी.एफ.सी. के लिए एक विशेष ऋण देने वाली विंडो के लिए आर.बी.आई. के समक्ष एक मजबूत स्थिति प्रस्तुत की थी। जो आई.एल. एंड एफ.एस. संकट के परिणामस्वरूप नकदी संकट से जूझ रहा है जिसने बैंकों को इस क्षेत्र को वित्तपोषित करने से सावधान कर दिया है।

संबंधित जानकारी

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के संदर्भ में जानकारी

- एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एन.बी.एफ.सी.), कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत पंजीकृत कंपनी है।
- यह ऋण और अग्रिमों, शेयरों के अधिग्रहण, स्टॉक, बॉन्ड, किराया-खरीद बीमा व्यवसाय या चिट-फंड व्यवसाय के व्यवसाय में लगी हुई हैं।
- इसमें ऐसी कोई संस्था शामिल नहीं है जिसके प्रमुख व्यवसाय में कृषि, औद्योगिक गतिविधि या अचल संपत्ति की बिक्री, खरीद या निर्माण शामिल है।
- एन.बी.एफ.सी. के कार्य और संचालन भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 द्वारा विनियमित किए जाते हैं।

- नए मानदंडों के अनुसार, एन.बी.एफ.सी. नो योर कस्टमर (के.वाई.सी.) मानदंडों और ऋण की मंजूरी के लिए रणनीतिक और अनुपालन कार्य, आंतरिक ऑडिट, निवेश पोर्टफोलियो का प्रबंधन जैसे मुख्य प्रबंधन कार्य को आउटसोर्स नहीं कर सकते हैं।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 –बैंकिंग

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

4. सरकार, एम.सी.ए. 21 पोर्टल में कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली शुरू करने की योजना बना रही है।
 - सरकार, एम.सी.ए. 21 पोर्टल में कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली शुरू करने की योजना बना रही है क्योंकि यह अनुपालन प्रक्रिया को आसान बनाने के साथ-साथ ऑटोपायलट आधार पर चौबीसों घंटे नियमित रूप से प्रवर्तन गतिविधियों के संचालन को सुनिश्चित करता है।

संबंधित जानकारी

एम.सी.ए. 21 के संदर्भ में जानकारी

- एम.सी.ए. 21, भारत सरकार के कंपनी मामलों के मंत्रालय (एम.सी.ए.) की एक ई-गवर्नेंस पहल है जो भारत की कॉर्पोरेट संस्थाओं, पेशेवरों और नागरिकों तक एम.सी.ए. सेवाओं की आसान और सुरक्षित पहुँच को सक्षम बनाता है।

लक्ष्य

- एम.सी.ए. 21 एप्लीकेशन को कंपनी अधिनियम, 1956, नई कंपनी अधिनियम, 2013 और सीमित देयता भागीदारी अधिनियम, 2008 के अंतर्गत सक्रिय आवश्यकताओं और कानूनी आवश्यकताओं के अनुपालन से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को पूरी तरह से स्वचालित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- व्यापारिक समुदाय की उनके वैधानिक दायित्वों को पूरा करने में मदद करना।

लाभ

एम.सी.ए. 21 एप्लीकेशन निम्नलिखित प्रदान करता है:

- व्यवसाय समुदाय को एक कंपनी को पंजीकृत करने और वैधानिक दस्तावेजों को शीघ्र और त्वरित दर्ज करने में सक्षम बनाता है।

- सार्वजनिक दस्तावेजों तक आसान पहुँच प्रदान करता है
- जनता की शिकायतों के तेज और प्रभावी समाधान में मदद करता है
- पंजीकरण और शुल्कों के सत्यापन में आसानी से मदद करता है
- प्रासंगिक कानूनों और कॉर्पोरेट प्रशासन के साथ सक्रिय और प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करता है
- एम.सी.ए. कर्मचारियों को सर्वोत्तम किस्म की सेवाओं को वितरित करने में सक्षम बनाता है

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

5. उनके अवैध व्यापार की जांच करने के लिए हवाई अड्डों पर अति लुप्तप्राय जानवरों की तस्वीरें प्रदर्शित करने हेतु ए.एन.वी. मिन
- पर्यावरण मंत्री ने 'सभी जानवर पसंद के अनुसार प्रवास नहीं करते हैं' अभियान के अंतर्गत इन तस्वीरों को प्रदर्शित किया है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस से पहले लॉन्च किया गया है।

संबंधित जानकारी

'सभी जानवर पसंद के अनुसार प्रवास नहीं करते हैं' अभियान के संदर्भ में जानकारी

- यह एक जागरूकता अभियान है जिसे भारत के संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और भारतीय वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यू.सी.सी.बी.) द्वारा 22 मई को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस से पहले लांच किया गया था।
- यह अभियान देश भर के प्रमुख हवाई अड्डों पर प्रदर्शित किया जाएगा।
- अभियान के पहले चरण में, टाइगर, पेंगोलिन, स्टार कछुआ और टोके छिपकली को चुना गया है क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इनके अवैध व्यापार के कारण यह अत्यधिक लुप्तप्राय हैं।

संरक्षण दर्जा

- बाघ को आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

- चीनी पेंगोलिन को आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- स्टार कछुआ को आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में संकटग्रस्त के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- टोके गेको को आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में न्यूनतम चिंतनीय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो

- वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यू.सी.सी.बी.), भारत सरकार द्वारा वन्यजीव अपराध से निपटने हेतु स्थापित एक संवैधानिक निकाय है।
- यह वन्य जीवन (संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 1972 के माध्यम से गठित किया गया था।
- 2018 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यू.एन.ई.पी.) ने भारत के वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यू.सी.सी.बी.) को सीमा पार पर्यावरणीय अपराधों से निपटने में उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. आर.बी.आई. के बाद सेबी और इरडा ने स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए पहल शुरू की है।
- भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) और भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने अपने क्षेत्र में स्टार्टअप को डाटा और तंत्र उपलब्ध प्रदान करने के द्वारा बढ़ावा देने हेतु सैंडबॉक्स पहल की घोषणा की है।
- यह पहल आर.बी.आई. विनियामक सैंडबॉक्स के समान है जहां स्टार्टअप सीमित नियमों के साथ वास्तविक समय में नए वित्तीय उत्पादों का परीक्षण कर सकते हैं।
- इरडा सैंडबॉक्स में आवेदक (एक बीमा कंपनी/ब्रोकर या व्यक्ति) का परिणामी मूल्य 10 लाख रुपये और एक वित्तीय वर्ष की समय सीमा होनी चाहिए।

संबंधित जानकारी

सैंडबॉक्स के संदर्भ में जानकारी

- सैंडबॉक्स, एक सक्षम बुनियादी ढाँचा या इंटरफ़ेस है जो एक बैंक द्वारा बाहरी अन्वेषक या फिनटेक को उपलब्ध कराया जाता है जिससे कि वे वास्तविक समय में अपने उत्पाद और सेवाओं का परीक्षण कर सकें।
- यह लाइव परीक्षण, बाजार में जाने के समय की बचत करता है और किसी व्यावसायिक लॉन्च के बिना विफलता की भी संभावनाएं प्रदान करता है।
- सेबी ने सैंडबॉक्स पहल को इनोवेशन सैंडबॉक्स नाम दिया है।
- इनोवेशन सैंडबॉक्स एक साझा कार्यक्षेत्र है, जो नए विचार सोचने, नए विषयों की खोज करने, तकनीकी विकसित करने और ज्ञान साझा करने हेतु है।
- इसका उद्देश्य एक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है जो प्रतिभूति बाजार में नवाचार को बढ़ावा देता है।
- यह स्थान उन फिनटेक फर्मों को अनुमति देता है जो सेबी के साथ सैंडबॉक्स का हिस्सा बनने हेतु पंजीकृत नहीं हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

7. मणिपुर में चिकित्सकीय गुणों वाली नई पौधा प्रजातियां पाई गई हैं।
- उत्तर पूर्वी विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्रीय संस्थान से अनुसंधान टीम ने ज़ेलियानग्रोंग संजातीय समूह के 27 चिकित्सकों का साक्षात्कार लिया था, जो वैज्ञानिकों की मणिपुर में उन पौधों की नई प्रजातियों की पहचान करने में मदद करेगा, जिनके चिकित्सकीय या औषधीय गुणों का अभी तक ज्ञात नहीं हैं।

संबंधित जानकारी

ज़ेलियानग्रोंग संजातीय समूह के संदर्भ में जानकारी

- ज़ेलियानग्रोंग संजातीय समूह, मणिपुर में 32 जनजातियों में से एक है, जो तामेंगलोंग जिले में रहते हैं।

- यह तीन समूह- ज़ेमे, लियांगमई और रोंगमेई से मिलकर बना है- जिन्हें सामूहिक रूप से ज़ेलियानग्रोंग के रूप में जाना जाता है।
- वे अपने औषधीय ज्ञान के लिए भी जाने जाते हैं।

नोट:

जातीयवनस्पति विज्ञान, एक क्षेत्र के पौधों का अध्ययन है और उनका व्यावहारिक उपयोग स्थानीय संस्कृति और लोगों के पारंपरिक ज्ञान के माध्यम से होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति, राज्य पी.सी.एस. परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

8. इसरो ने पृथ्वी अवलोकन उपग्रह रिसैट-2बी लॉन्च किया है।

- इसरो ने श्रीहरिकोटा से अपना पृथ्वी अवलोकन उपग्रह रिसैट-2बी सफलतापूर्वक लॉन्च किया है।
- इसरो का विश्वसनीय अंतरिक्षयान पी.एस.एल.वी.-सी46, रिसैट-2बी को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लंकर प्रक्षेपित किया गया है।
- इसरो ने कहा कि रिसैट-2बी द्वारा ली गई तस्वीरों का उपयोग कृषि, वानिकी और आपदा प्रबंधन सहायता में अनुप्रयोगों के लिए किया जाएगा।
- लेकिन ऐसे उपग्रहों की सेवाओं की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ-साथ भारी मांग हैं।
- रिसैट श्रृंखला में दो उपग्रहों को इसके पहले इसरो द्वारा लॉन्च किया गया था।
- रिसैट-2 पहला लांच किया गया उपग्रह है जिसे 2009 में लांच किया गया था, जब कि रिसैट-1 को लांच करने में देरी हो गई थी तो इसे 2012 में लांच किया गया था।
- रिसैट-1 काफी समय तक नहीं चल पाया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द इंडियन एक्सप्रेस और ए.आई.आर. न्यूज

23.05.2019

1. आई.ए.एफ. ने सफलतापूर्वक ब्रह्मोस के हवाई संस्करण का परीक्षण किया है।

- हाल ही में, भारतीय वायु सेना ने एस.यू.-30 एम.के.आई. लड़ाकू विमान से सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल के हवाई संस्करण का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।
- हवा से सतह पर मार करने वाली 2.5 टन वजनी मिसाइल की रेंज लगभग 300 कि.मी. है और यह भारतीय वायुसेना की लड़ाकू क्षमता में काफी वृद्धि करेगी।

संबंधित जानकारी

ब्रह्मोस मिसाइल

- ब्रह्मोस, एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है जिसे ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा विकसित किया गया है, जो रूस के माशिनुस्ट्रोएनिया और भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन का संयुक्त उद्यम है।
- यह एक हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है जिसकी रेंज लगभग 300 कि.मी. है।
- इसकी शीर्ष सुपरसोनिक गति 2.8 से 3 माच तक है।
- इसका नाम दो नदियों ब्रह्मपुत्र और मोस्कवा (पश्चिमी रूस में नदी) के नाम पर रखा गया है।
- यह दो-चरणीय मिसाइल है, इसका पहला चरण ठोस है और दूसरा चरण रामजेट तरल प्रणोदक है।
- यह स्व-प्रणोदित निर्देशित मिसाइल है जो वायुगतिकीय लिफ्ट के माध्यम से उड़ान भरती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- द हिंदू

2. क्रेस्टेड इबिसेस, दक्षिण कोरिया में स्वतंत्र रूप से उड़ते हैं।

- प्रायद्वीप पर विलुप्त होने के चार दशक बाद दक्षिण कोरियाई प्राधिकरणों द्वारा क्रेस्टेड इबिसेस को वनों में पुनः प्रस्तावित किया गया है।

- क्रेस्टेड इबिसेस को दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय स्मारक संख्या 198 के रूप में सूचीबद्ध किया गया है लेकिन इसे आखिरी बार 1979 में जंगलों में प्रायद्वीप को विभाजित करने वाले असैनिकीकरण क्षेत्र में देखा गया था।

संबंधित जानकारी

- क्रेस्टेड इबिसेस (निप्पोनिया निप्पॉन) को जापानी क्रेस्टेड इबिसेस या टोकी के नाम से भी जाना जाता है।
- यह प्रजाति जीनस निप्पोनिया की एकमात्र सदस्य है।
- इसे आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता, राज्य पी.सी.एस. परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण

स्रोत- द हिंदू

3. आई. और बी. मंत्रालय ने टीवी चैनलों पर समाचार और करंट अफेयर्स सामग्री के संदर्भ में परामर्श जारी किया है।

- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने टीवी चैनलों पर समाचार और करंट अफेयर्स सामग्री के प्रसारण के संबंध में एक परामर्श जारी किया है।
- परामर्श में कहा गया है कि भारत, 2011 से टेलिविज़न चैनलों के अपलिंकिंग हेतु नीतिगत दिशानिर्देशों के अनुसार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय दो श्रेणियों के अंतर्गत टीवी चैनलों को अपलिंक करने की अनुमति प्रदान करता है:
 - गैर समाचार और करंट अफेयर्स
 - समाचार और करंट अफेयर्स
- **गैर-समाचार और करंट अफेयर्स चैनल-** एक गैर-समाचार और करंट अफेयर्स टीवी चैनल का अर्थ एक ऐसा चैनल है, जिसके कार्यक्रम की सामग्री में समाचार और करंट अफेयर्स का कोई तत्व नहीं होता है।
- **समाचार और करंट अफेयर्स चैनल-** एक समाचार और करंट अफेयर्स टीवी चैनल का अर्थ एक ऐसा चैनल है, जिसकी कार्यक्रम सामग्री में समाचार और करंट अफेयर्स के तत्व होते हैं।

- समाचार चैनलों को समाचार और करंट अफेयर्स सामग्री का प्रसारण करना अनिवार्य हैं जब कि गैर-समाचार और करंट अफेयर्स चैनलों को किसी भी समाचार और करंट अफेयर्स सामग्री का प्रसारण करना अनिवार्य नहीं है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

4. भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सी.सी.आई.) ने कल अर्थात् 20 मई, 2019 को अपना 10वाँ वार्षिक दिवस मनाया है, जो प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 के महत्वपूर्ण प्रवर्तन प्रावधानों की अधिसूचना को चिह्नित करता है।

संबंधित जानकारी

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, वर्ष 2003 में स्थापित भारत सरकार का एक संवैधानिक निकाय है।
- यह पूरे भारत में भारतीय प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 को लागू करने और भारत में प्रतिस्पर्धा पर सराहनीय प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली गतिविधियों को रोकने हेतु जिम्मेदार है।
- प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 को प्रतिस्पर्धा (संशोधन) अधिनियम, 2007 द्वारा संशोधित किया गया है, जो गैर-प्रतिस्पर्धात्मक समझौते, उद्यमों द्वारा प्रमुख स्थिति के दुरुपयोग और संयोजनों (अधिग्रहण, नियंत्रण और विलय और अधिग्रहण) को नियंत्रित करता है जिसके कारण से अथवा जिसके कारण से भारत के भीतर प्रतिस्पर्धा पर एक सराहनीय प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

5. भूजल भंडारण के जल्द ही अपडेट होने का अनुमान है।
- केंद्रीय जल मंत्रालय ने देश में भूजल भंडार की स्थिति पर एक अपडेट अनुमान को अंतिम रूप दे रहा है।

- भूजल मूल्यांकन, पिछली बार 2013 में किया गया था, यह एक सर्वेक्षण है जो प्रत्येक राज्य में ब्लॉकों के एक सिल्वर का नमूना देता है और गिनता है कि कितने ब्लॉकों में गंभीर रूप से कम पानी के स्तर पर है और कितने अच्छी तरह से स्टॉक किए गए हैं।
- पानी की राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति वार्षिक उपलब्धता में 15% की कमी आई है।
- भूजल के अत्यधिक दोहन के कारण पंजाब शीर्ष सूची में है।

संबंधित जानकारी

समग्र जल प्रबंधन सूचकांक

- नीति आयोग ने समग्र जल प्रबंधन सूचकांक पर अपनी रिपोर्ट जारी की है।
- समग्र जल प्रबंधन सूचकांक रिपोर्ट, उस दिशा में एक कदम है जिसका उद्देश्य देश में जल संकट की वास्तविकताओं के बारे में लोगों और सरकारों के मध्य जागरूकता पैदा करना है।
- नीति आयोग ने समग्र जल प्रबंधन सूचकांक में सभी राज्यों को स्थान दिया है, जिसमें 9 व्यापक क्षेत्रों के साथ 28 विभिन्न संकेतक शामिल हैं जो भूजल के विभिन्न पहलुओं, जल निकायों की पुनर्स्थापना, सिंचाई, खेत प्रथाओं, पेयजल, नीति और शासन के विभिन्न पहलुओं को शामिल करता है।
- इस रिपोर्ट में गुजरात अपने जल संसाधनों के प्रबंधन में संदर्भ वर्ष (2016-17) में शीर्ष पर है, इसके बाद मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र हैं।
- सबसे खराब राज्यों में झारखंड, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार शामिल हैं।

टॉपिक- महत्वपूर्ण सूचकांक- राज्य पी.सी.एस. परीक्षाओं हेतु

स्रोत- टी.ओ.आई.

6. कोझिकोड में वेस्ट नाइल बुखार के मामलों पर ध्यान नहीं दिया गया है?
- मार्च में मलप्पुरम के एक लड़के की पश्चिम नील बुखार से मृत्यु हो जाने के एक महीने बाद

केरल के कोझिकोड निगम सीमा के भीतर से संक्रमण के चार मामले सामने आए हैं।

संबंधित जानकारी

वेस्ट नाइल बुखार के संदर्भ में जानकारी

- वेस्ट नाइल विषाणु को पहली बार 1937 में युगांडा के वेस्ट नाइल जिले में एक महिला से अलग किया गया था।
- यह वेस्ट नाइल विषाणु के कारण होने वाला एक जूनोटिक रोग है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) के अनुसार, वेस्ट नाइल विषाणु संक्रमित क्यूलेक्स मच्छरों के काटने से मनुष्यों में संक्रमित होता है।
- संक्रमित पक्षियों का खून चूसने पर मच्छर संक्रमित हो जाते हैं।
- पक्षी, वेस्ट नाइल विषाणु के प्राकृतिक वाहक हैं।
- यह अन्य संक्रमित जानवरों, उनके रक्त या अन्य ऊतकों के संपर्क के माध्यम से भी हस्तांतरित हो सकता है।
- व्यवहारिक संपर्क से मानव से मानव में संक्रमण का मामला दर्ज नहीं किया गया है।
- विषाणु के संक्रमण के लक्षणों में ठंड लगना, बुखार, थकान और मतली आना शामिल हैं। यह मनुष्यों में घातक न्यूरोलॉजिकल बीमारी का कारण बन सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

7. भारत-म्यांमार समन्वित नौसेना गश्त का 8वां संस्करण
- 2019 भारत म्यांमार समन्वित गश्त (आई.एम.सी.ओ.आर.) अंडमान एवं निकोबार के पोर्ट ब्लेयर में शुरू किया गया है।
- इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य आतंकवाद, नशीले पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी, अवैध मत्स्य व्यापार, अवैध शिकार और दोनों देशों के हितों के लिए हानिकारक अन्य अवैध गतिविधियों को संबोधित करना है।
- यह समन्वित गश्त युद्धाभ्यास को वर्ष 2013 में शुरू किया गया था।

- इसने दोनों देशों के मध्य आपसी समझ को बढ़ाने में मदद की है और समुद्री अंतरकार्यकारिता हेतु दोनों नौसेनाओं के मध्य व्यवसायिक संचार को बेहतर बनाने में भी मदद की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. डब्ल्यू.एच.ओ. ने अल्जीरिया और अर्जेंटीना को मलेरिया मुक्त घोषित किया है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने अल्जीरिया और अर्जेंटीना को मलेरिया मुक्त घोषित किया है, इन देशों में क्रमशः वर्ष 2013 और 2010 के बाद से इस रोग के स्वदेशी हस्तांतरण का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन ढांचा

- राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन ढांचा (एन.एफ.एम.ई.) 2016-2030, वर्ष 2030 तक इस रोग के उन्मूलन हेतु भारत की रणनीति की रूपरेखा तैयार करता है।
- देश से मलेरिया को समाप्त करने और बेहतर स्वास्थ्य और बेहतर जीवन की गुणवत्ता में योगदान देने और गरीबी के उन्मूलन में योगदान देने के एक दृष्टिकोण के साथ रूपरेखा विकसित की गई है।

एन.एफ.एम.ई. के लक्ष्य

- मलेरिया के लिए डब्ल्यू.एच.ओ. वैश्विक तकनीकी रणनीति 2016-2030 (जी.टी.एस.) और एशिया प्रशांत लीडर्स मलेरिया संघ, मलेरिया उन्मूलन रोडमैप की तर्ज पर भारत में राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन 2016-2030 के लक्ष्य हैं:
- वर्ष 2030 तक पूरे देश में मलेरिया (शून्य स्वदेशी मामले) को समाप्त करना और
- उन क्षेत्रों में मलेरिया-मुक्त दर्जा प्राप्त करना जहाँ मलेरिया हस्तांतरण बाधित हो गया है और मलेरिया के पुनः हस्तांतरण को रोकना है।

उद्देश्य

- वर्ष 2022 तक सभी निम्न (श्रेणी 1) और मध्यम (श्रेणी 2) स्थानिक राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों (26) को मलेरिया मुक्त बनाना
- सभी राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों और जिलों में मलेरिया की घटनाओं को प्रति 1000 आबादी में 1 से भी कम करना है और वर्ष 2024 तक 31 राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों से मलेरिया को समाप्त करना है।
- वर्ष 2027 तक सभी राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों (श्रेणी 3) में मलेरिया के स्वदेशी हस्तांतरण को रोकना है
- उन क्षेत्रों में मलेरिया के स्थानीय हस्तांतरण के पुनः स्थापित होने से रोकना है जहां से इसे समाप्त कर दिया गया है और वर्ष 2030 तक मलेरिया मुक्त देश के दर्जे को प्राप्त करना है।

मलेरिया मुक्त प्रमाणन हेतु मानदंड

- डब्ल्यू.एच.ओ. प्रमाणन को प्राप्त करने के लिए एक देश को यह साबित करना होगा कि उसने कम से कम लगातार तीन वर्षों तक बीमारी के स्वदेशी हस्तांतरण को बाधित किया है।
- कुल 36 देशों और क्षेत्रों को यह डब्ल्यू.एच.ओ. प्रमाणन मिला है।
- वर्ष 2013 में अल्जीरिया में और वर्ष 2010 में अर्जेंटीना में स्वदेशी मलेरिया का माला सामने आया था।
- यह प्रमाण पत्र, विश्व स्वास्थ्य सभा के 72वें सत्र के अवसर पर प्रस्तुत किए जाएंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण संगठन

स्रोत- डाउन टू अर्थ

24.05.2019

1. शाहीन II: पाकिस्तान बैलिस्टिक मिसाइल

- हाली ही में, पाकिस्तान ने शाहीन II बैलिस्टिक मिसाइल का प्रशिक्षण लॉन्च किया है।

संबंधित जानकारी

शाहीन II के संदर्भ में जानकारी

- शाहीन-II एक भूमि-आधारित सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मध्यम दूरी की निर्देशित बैलिस्टिक मिसाइल है।
- यह पारंपरिक और परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है।
- इसकी सीमा 1,500 कि.मी. तक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- द हिंदू

2. एक अध्ययन ने ओजोन-क्षयकारी गैस के स्रोत को इंगित किया है।

- हाल ही में शोधकर्ताओं की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम ने पाया है कि ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाली गैस सी.एफ.सी.-11 का उत्सर्जन पूर्वी चीन से हो रहा है।
- सी.एफ.सी.-11 क्लोरोफ्लोरो कार्बन नामक यौगिकों के एक वर्ग में से एक है जो वायुमंडलीय ओजोन को नष्ट करता है।
- वे ग्रीनहाउस गैसों को भी शक्तिशाली बनाते हैं जो वायुमंडल को गर्म करने में योगदान देती हैं।
- मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल द्वारा लगभग सभी उपयोगों के लिए क्लोरोफ्लोरोकार्बन को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया है।

संबंधित जानकारी

मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के संदर्भ में जानकारी

- यह एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है जो ओजोन के क्षय हेतु जिम्मेदार कई ओजोन क्षयकारक पदार्थों के उत्पादन को रोककर ओजोन परत के संरक्षण हेतु डिजाइन की गई है।
- इसे 26 अगस्त, 1987 को कनाडा के मॉन्ट्रियल में मंजूर किया गया था और 26 अगस्त, 1989 को लागू किया गया था।
- इस संधि में कई संशोधन हुए हैं और किगाली संशोधन इस प्रोटोकॉल का आठवां संशोधन है।
- इसने सफलतापूर्वक क्लोरोफ्लोरो कार्बन और अन्य ओ.डी.एस. के 98% उत्पादन रोका है और ओजोन छिद्र की मरम्मत में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

- यह सदस्य देशों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी है और 197 दलों द्वारा मंजूरी प्रदान करके इसे संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में सार्वभौमिक रूप से अनुसमर्थित प्रोटोकॉल बनाया गया है।
- यह अंटार्कटिका में ओजोन छिद्र को ठीक करने में मदद करती है।

वियना ओजोन परत संरक्षण सम्मेलन

- यह एक बहुपक्षीय पर्यावरण समझौता है जिसे 1985 के वियना सम्मेलन में मंजूर किया गया था और 1988 में लागू किया गया था।
- यह सार्वभौमिकता के संदर्भ में अभी तक की सबसे सफल संधियों में से एक है।
- इसे 197 राज्यों (सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्यों के साथ-साथ नीयू, हॉली सी और कुक आइलैंड्स) के साथ-साथ यूरोपीय संघ द्वारा मंजूर किया गया था।
- इसमें सी.एफ.सी. के उपयोग के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी न्यूनीकरण लक्ष्य शामिल नहीं हैं, यह प्रमुख रासायनिक एजेंट है जिसके कारण ओजोन का क्षय हो रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

3. **यू.ए.ई. ने अमीर निवेशकों और असाधारण प्रतिभाओं को लुभाने के लिए 'गोल्डन कार्ड' योजना शुरू की है।**
 - संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.) ने गोल्डन कार्ड कार्यक्रम नामक एक स्थायी निवास योजना शुरू की है।
 - गोल्डन कार्ड, व्यवसाय और विकास के लिए आकर्षक वातावरण बनाते हुए कार्डधारकों और उनके परिवारों को अभूतपूर्व लाभ प्रदान करता है।
 - यह योजना डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, छात्रों और कलाकारों जैसे धनी व्यक्तियों और असाधारण प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए शुरू की गई थी।
 - गोल्डन कार्ड वीजा श्रेणियों में निम्न शामिल हैं:

- रियल एस्टेट निवेशक, जिन्हें 5 वर्ष के लिए वीजा मिल सकता है।
- सामान्य निवेशक, जिन्हें 10 वर्ष के लिए वीजा की अनुमति मिल सकती है
- अन्य उद्यमी और डॉक्टर, शोधकर्ता और अन्वेषकों जैसे प्रतिभाशाली व्यवसायी को 10 वर्ष के लिए वीजा की अनुमति मिल सकती है।
- इसके अतिरिक्त, प्रकांड छात्रों को भी 5 वर्ष के लिए निवासी वीजा की अनुमति मिल जाएगी।
- सभी श्रेणियों के वीजा को समाप्ति पर नवीनीकृत किया जा सकता है।
- यह पहल अधिक विदेशी निवेश को आकर्षित करेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को निवेशकों के लिए अधिक कुशल और आकर्षक बनाने हेतु प्रोत्साहित करेगी।
- यह संयुक्त अरब अमीरात की प्रतिस्पर्धात्मकता को भी बढ़ाएगी और वैश्विक इनक्यूबेटर के रूप में देश की स्थिति की पुष्टि करेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

4. **वर्ष 2025 के बाद से देश में केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बेचे जा सकते हैं।**
 - उम्मीद है कि अप्रैल, 2023 से सरकार द्वारा केवल इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर्स की बिक्री को अनिवार्य किया जाएगा, जब कि अप्रैल, 2025 तक शोरूम से बाहर संचालित 150सीसी इंजन क्षमता तक के सभी दो पहिया वाहनों को बिजली द्वारा संचालित किया जा सकता है।

संबंधित जानकारी

फेम (FAME) इंडिया योजना

- भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (हाइब्रिड) का शीघ्र अनुकूलन और विनिर्माण, वर्ष 2015 में शुरू की गई सरकार की दोहरी रणनीति का हिस्सा है, जिससे भारत को वैश्विक गतिशीलता क्रांति में एक प्रमुख ड्राइवर के रूप में स्थापित किया जा सके।
- यह रणनीति, ई-वाहनों में न्यूनतम 50% स्थानीय सामग्री पर जोर देकर घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा दे रही है।

- यह देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बड़े आकार और पैमाने का निर्माण करने में भी मदद करती है जिससे कि क्षेत्र में किए गए निवेश को व्यावहारिक बनाया जा सके।
- फेम II, फेम I का एक विस्तारित संस्करण है, जिसका उद्देश्य हाइब्रिड/ इलेक्ट्रिक वाहनों के बाजार का विकास करना और विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- इकोनॉमिक्स टाइम्स

5. **'एलीफेंट बॉन्ड': भारत के उत्पाद और सेवाओं के निर्यात को दोगुना कर रहे हैं।**
- हाल ही में, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने निर्यात और व्यापार को बढ़ाने के लिए एक सलाहकार समूह की नियुक्ति की है।
- सलाहकार समूह की अध्यक्षता अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला कर रहे हैं।

पैनल की सिफारिशें

- पैनल ने "एलिफेंट बॉन्ड" जारी करने का सुझाव दिया है, जिसमें अघोषित आय की घोषणा करने वाले व्यक्तियों को अनिवार्य रूप से उस राशि का आधा हिस्सा इन प्रतिभूतियों में निवेश करना होगा।
- यह बॉन्ड, 25 वर्षीय सॉवरेन बॉन्ड का होगा और इस फंड का उपयोग केवल ढांचा परियोजनाओं के लिए किया जाएगा।
- उच्च-स्तरीय पैनल ने प्रभावी कॉर्पोरेट कर की दर को कम करने, पूंजी की लागत को कम करने और विदेशी निवेश कोष के लिए विनियामक और कर ढांचे को सरल बनाने जैसे अन्य उपायों की मेजबानी की सिफारिश की है।
- इसका उद्देश्य भारत के उत्पाद और सेवाओं के निर्यात को वर्ष 2018 में 500 बिलियन अमरीकी डालर से बढ़ाकर वर्ष 2025 में 1000 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक करना है।
- इस रिपोर्ट में तर्क दिया गया है कि भारत के प्रतियोगियों की प्रभावी कर दर 20 प्रतिशत से भी कम है।

- इस समूह ने एक्विजि बैंक के पूंजी आधार को वर्ष 2022 तक 20,000 करोड़ रुपये बढ़ाने की सिफारिश की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थव्यवस्था

स्रोत- टी.ओ.आई.

6. **"गोल्डन चावल" अब वास्तविकता के करीब हैं।**

- अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आई.आर.आर.आई.) और उसके साझेदार, फिलीपींस चावल अनुसंधान संस्थान और बांग्लादेश चावल अनुसंधान संस्थान ने आई.आर.आर.आई. परिसर में नियंत्रित वातावरण में गोल्डन चावल की सफलतापूर्वक खेती की है।

संबंधित जानकारी

गोल्डन चावल

- गोल्डन चावल, चावल की एक किस्म (ओरिजा सैतिवा) है, जिसे बीटा-कैरोटीन के जैवसंश्लेषण हेतु आनुवंशिक इंजीनियरिंग के माध्यम से उत्पादित किया जाता है, यह चावल के खाद्य भाग में विटामिन ए का एक अग्रगामी है।
- यह विटामिन ए की कमी वाले क्षेत्रों में उगाने और खाने हेतु स्थायी भोजन के उत्पादन का इरादा रखता है।
- विटामिन ए की कमी से रतौंधी होती है।

अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान के संदर्भ में जानकारी

- अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आई.आर.आर.आई.), एक अंतरराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संगठन है जिसका मुख्यालय फिलीपींस के लागुना में लॉस बानोस में स्थित है।
- आई.आर.आर.आई. को 1960 के दशक में हरित क्रांति में योगदान देने वाले चावल की किस्मों को विकसित करने के लिए जाना जाता है इसने एशिया में अकाल को रोका था।
- इसका उद्देश्य गरीबी और भुखमरी को कम करना, चावल किसानों और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य में सुधार करना और चावल की कृषि

हेतु पर्यावरणीय स्थिरता को सुनिश्चित करना है।

नोट:

- हाल ही में, भारत के प्रधानमंत्री ने वाराणसी में अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (आई.एस.ए.आर.सी.) परिसर का उद्घाटन किया है।
- यह केंद्र दक्षिण एशिया में चावल अनुसंधान और प्रशिक्षण हेतु एक केंद्र के रूप में काम करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. जल विशेषज्ञों ने मराठवाड़ा के 'मरुस्थलीकरण' की चेतावनी दी है।

- अर्थशास्त्रियों और जल विशेषज्ञों ने महाराष्ट्र के पानी की कमी वाले मराठवाड़ा क्षेत्र में "मरुस्थलीकरण" की चेतावनी दी है।
- उन्होंने आगे कहा है कि इस क्षेत्र में जल संकट एक नीति प्रेरित विफलता है।

मरुस्थलीकरण के कारण

- असतत फसल प्रारूप, जिसके कारण अंधाधुंध रूप से भूजल के निष्कासन ने भूजल पटलों का इस हद तक क्षय कर दिया है कि कायाकल्प करना असंभव है।
- मराठवाड़ा में शुष्क जलवायु परिस्थितियों के कारण अनाज और तिलहन पारंपरिक रूप से खेती की जाने वाली प्रमुख फसलें हैं।
- हालांकि, यहां की प्रमुख फसलें सोयाबीन और बी.टी. कपास हैं जो इस क्षेत्र के लिए अनुकूल नहीं हैं।
- गन्ने की खेती ने स्थिति और अधिक खराब कर दी है क्योंकि इसकी गन्ने की फसल एक जल अपव्ययी फसल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

8. एंथ्रोपोसीन, पृथ्वी का नया युग है।

- हाल ही में वैज्ञानिकों की एक टीम ने "एंथ्रोपोसीन" को पृथ्वी के भूवैज्ञानिक इतिहास में एक नए अध्याय के रूप में घोषित करने हेतु

मतदान किया है, जो होलोसीन युग के अंत होने का संकेत देता है, जो 12,000 से 11,600 वर्ष पूर्व शुरू हुआ था।

- वर्तमान भूवैज्ञानिक समय अंतराल को निरूपित करने के लिए इसे वर्ष 2000 में पॉल क्रुटज़ेन और युगीन स्टोइमर द्वारा प्रतिपादित किया गया था।
- एन्थ्रोपोसीन का उपयोग पर्यावरण पर बढ़ते वैश्विक तापमान, समुद्र के स्तर, ओजोन परत के क्षय और अम्लीय महासागरों जैसे पर्यावरण पर पड़ने वाले बड़े मानवजनित प्रभावों का वर्णन करने के लिए किया गया है, जिसने हमारे ग्रह को "विशिष्ट रूप से" बदल दिया है।

सम्बंधित जानकारी

भूगर्भिक समय पैमाना

- भूगर्भिक समय पैमाना (जी.टी.एस.) कालानुक्रमिक डेटिंग की एक प्रणाली है जो भूवैज्ञानिक स्तर (स्तर विज्ञान) को समय से जोड़ती है।
- इसका उपयोग भूवैज्ञानिकों, जीवाश्म विज्ञानियों और अन्य पृथ्वी वैज्ञानिकों द्वारा पृथ्वी के इतिहास के दौरान होने वाली घटनाओं के समय और संबंधों का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- यहां प्रस्तुत भूगर्भिक समय सारणी की तालिका, अंतर्राष्ट्रीय सतह विज्ञान आयोग (आई.सी.एस.) द्वारा निर्धारित नामकरण, तिथियाँ और मानक रंग कोडों से सहमत है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- डाउन टू अर्थ

9. श्याम शरण को जापान के "ऑर्डर ऑफ द राइजिंग सन" पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

- हाल ही में, पूर्व भारतीय विदेश सचिव श्याम शरण को "ऑर्डर ऑफ द राइजिंग सन, गोल्ड एंड सिल्वर स्टार" नामक जापान के राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुना गया है।

- उन्हें रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने और भारत एवं जापान के मध्य आपसी समझ बढ़ाने में उनके योगदान हेतु सम्मानित किया गया है।

संबंधित जानकारी

"ऑर्डर ऑफ द राइजिंग सन" पुरस्कार के संदर्भ में जानकारी

- "द ऑर्डर ऑफ द राइजिंग सन, गोल्ड एंड सिल्वर स्टार", जापानी सरकार का दूसरा सबसे बड़ा राष्ट्रीय सम्मान है।
- इसे वर्ष 1875 में जापानी सम्राट मीजी द्वारा स्थापित किया गया था।
- इसे एक असाधारण नागरिक अथवा सैन्य योग्यता के लिए सम्मानित किया जाता है।

नोट:

- वर्ष 2016 में नौकरशाह से राजनेता बने एन.के. सिंह को भी जापान के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय अलंकरण "ऑर्डर ऑफ द राइजिंग सन, गोल्ड एंड सिल्वर स्टार" से सम्मानित किया गया था, उन्हें इस पुरस्कार से पिछले कुछ दशकों में व्यापार और निवेश के क्षेत्र में भारत-जापान संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान हेतु सम्मानित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

27.05.2019

1. चेन्नई में टी एम्बुलेंस लांच की गई है।

- भारत के उपराष्ट्रपति ने चेन्नई, तमिलनाडु में "टी एम्बुलेंस" का उद्घाटन किया है।
- अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस (आई.डी.बी.) मनाए जाने के अवसर पर इसका उद्घाटन किया गया था।
- टी एम्बुलेंस, वर्दाह (2016) और गाजा (2018) जैसे चक्रवातों के परिणामस्वरूप तमिलनाडु में लाखों पेड़ों के उखड़ने के बाद पेड़ों को पुनः लगाने हेतु किया गया एक प्रयास है।
- यह एम्बुलेंस प्राथमिक चिकित्सा, उखड़े हुए पेड़ों का वृक्षारोपण, बीज वितरण, पौधा वितरण,

सहायक वृक्षारोपण, वृक्षों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना, वृक्षों का सर्वेक्षण और मृत पेड़ों को हटाने जैसी सेवाएं प्रदान करेगी।

- इस टी एम्बुलेंस में एक पौधा विशेषज्ञ और सहायक चलेगा जो बागवानी उपकरणों, पानी, खाद और एंजाइम से सुसज्जित होंगे।

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस

- संयुक्त राष्ट्र ने जैव विविधता के मुद्दों की समझ और जागरूकता को बढ़ाने हेतु 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस (आई.डी.बी.) घोषित किया है।
- अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 2019 की थीम "हमारी जैव विविधता, हमारा भोजन, हमारा स्वास्थ्य" थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- टी.ओ.आई.

2. पृथ्वी का सबसे पुराना, एक अरब वर्ष पुराना कवक पाया गया है।

- हाल ही में, वैज्ञानिकों ने एक बहुकोशिकीय कवक के सबसे पुराने ज्ञात जीवाश्मों की खोज की है जिसे उन्होंने उत्तर-पश्चिमी कनाडा के एक आर्कटिक क्षेत्र में औरासैफाईरा गिराल्डे नाम दिया था।
- यह कवक, आज के मशरूम, खमीर और फंफूद का पूर्वज है।
- प्राचीन कवक के सूक्ष्म जीवाश्म प्रोटोरोज़ोइक युग के हैं।
- अब तक, सबसे पुराना ज्ञात कवक जीवाश्म स्कॉटलैंड का है जो लगभग 410 मिलियन वर्ष पुराना था।
- वैज्ञानिकों ने कहा है कि कवक, "टी ऑफ लाइफ" में जानवरों के सबसे करीबी रिश्तेदार हैं।
- इसका मतलब है कि यदि 1 अरब वर्ष पहले कवक पहले से ही मौजूद थे, अतः उस समय जानवर भी मौजूद थे।
- एक अरब वर्ष पहले कवक के अस्तित्व से ज्ञात होता है कि जीवों ने लगभग 470 मिलियन वर्ष

पहले भूमि में निवास बनाने हेतु पहले पौधों की नींव रखी थी।

संबंधित जानकारी

कवक के संदर्भ में जानकारी

- कवक, यूकेरियोटिक नामक जीवों के एक व्यापक समूह से संबंधित होते हैं, जिसमें स्पष्ट रूप से परिभाषित नाभिक होता है और इसमें जानवर और पौधे भी शामिल होते हैं।
- कवक, जैविक अपघटन प्रक्रिया जैसे वैश्विक पारिस्थितिक तंत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- कवक और पौधों के मध्य एक आधारभूत अंतर यह है कि कवक, प्रकाश संश्लेषण करने, पोषक तत्वों को संश्लेषित करने के लिए सूर्य के प्रकाश का दोहन करने में असमर्थ होते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

3. अक्षय ऊर्जा: केंद्र, डिस्कॉम द्वारा भुगतान में की गई देरी का खुलासा करने हेतु एक पोर्टल की स्थापना करने पर विचार रहा है।
- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) से अक्षय ऊर्जा खिलाड़ियों को किए जाने वाले भुगतानों में की गई देरी का सार्वजनिक रूप से खुलासा करने हेतु एक वेब पोर्टल स्थापित करने पर विचार कर रहा है।
- यह पोर्टल ऊर्जा खरीद भुगतान मंजूरी एवं विश्लेषण में पारदर्शिता लाने हेतु (PRAAPTI) पोर्टल के समान है।
- इससे लंबित भुगतानों में अधिक पारदर्शिता लाने में मदद मिलेगी।

संबंधित जानकारी

ऊर्जा खरीद भुगतान मंजूरी एवं विश्लेषण में पारदर्शिता लाने हेतु पोर्टल के संदर्भ में जानकारी:

- इसे वर्ष 2018 में ऊर्जा मंत्रालय ने उत्पादकों से विभिन्न दीर्घकालिक ऊर्जा खरीद समझौतों (पी.पी.ए.) के लिए चालान प्रक्रिया और भुगतान डेटा प्राप्त करने हेतु लांच किया था।

- यह पोर्टल उत्पादकों से विभिन्न दीर्घकालिक पी.पी.ए. के लिए चालान प्रक्रिया और भुगतान डेटा प्राप्त करता है।
- यह बिजली खरीद के खिलाफ डिस्कॉम की बकाया राशि पर महीनेवार और वसीयत डेटा प्राप्त करने में हितधारकों की मदद करता है।
- यह ऐप उपयोगकर्ताओं को बिजली उत्पादन कंपनी को डिस्कॉम द्वारा किए गए भुगतान से संबंधित विवरणों को जानने की अनुमति प्रदान करता है और वे भुगतान कब किए गए हैं यह जानकारी भी प्रदान करता है।
- यह उपभोक्ताओं को उत्पादन कंपनियों को किए जा रहे भुगतान के संदर्भ में अपने डिस्कॉम के वित्तीय प्रदर्शन का मूल्यांकन करने में सक्षम बनाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – ऊर्जा क्षेत्र

स्रोत- द हिंदू

4. आर.बी.आई, ओ.एम.ओ. के अंतर्गत सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद करेगा।
- भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि वह सतत तरलता को बढ़ाने हेतु 15,000 करोड़ के लिए खुला बाजार परिचालन (ओ.एम.ओ.) के अंतर्गत सरकारी प्रतिभूतियों की खरीदने के लिए 13 जून को एक नीलामी आयोजित करेगा।
- यह निर्णय इसलिए लिया गया है क्योंकि इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एवं वित्तीय सेवा लिमिटेड (IL & FS) के अपने भुगतान दायित्वों में डिफाल्टर पाए जाने के बाद से वित्तीय क्षेत्र तरलता संकट का सामना कर रहा है, जिसने ऋणदाताओं के मध्य गैर-बैंकिंग वित्तीय सेवा कंपनी (एन.बी.एफ.सी.) क्षेत्र में ऋण देने की अनिच्छा को बढ़ा दिया है।

संबंधित जानकारी

खुला बाजार परिचालन

- यह मौद्रिक नीति का एक साधन है जिसमें जनता और बैंक से या को सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद या बिक्री शामिल है।

- यह तंत्र बैंकों की आरक्षित स्थिति, सरकारी प्रतिभूतियों पर प्राप्तियों और बैंक ऋण की लागत को प्रभावित करता है।
- आर.बी.आई. धन के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए सरकारी प्रतिभूतियों को बेचता है और धन प्रवाह को बढ़ाने के लिए सरकारी प्रतिभूतियों को खरीदता है।
- खुला बाजार परिचालन, बैंक दर नीति को प्रभावी बनाता है और सरकारी प्रतिभूति बाजार में स्थिरता बनाए रखता है।

अन्य महत्वपूर्ण मौद्रिक नीति साधन

नकद आरक्षित अनुपात

- नकद आरक्षित अनुपात, बैंक जमाओं का एक निश्चित प्रतिशत है जिसे बैंकों को आर.बी.आई. के पास भंडार या शेष के रूप में रखना अनिवार्य होता है।
- आर.बी.आई. का सी.आर.आर. जितना अधिक होगा, प्रणाली में तरलता उतनी ही कम होगी और सी.आर.आर. जितना कम होगा, तरलता उतनी ही अधिक होगी।
- इसकी वर्तमान दर 4% है।

वैधानिक तरलता अनुपात

- इसे तरलता परिसंपत्तियों के समय और मांग देयताओं के साथ अनुपात के रूप में परिभाषित करते हैं।
- प्रत्येक वित्तीय संस्थान को अपने कुल समय और मांग देयताओं के किसी भी समय पर अपने साथ तरलता परिसंपत्तियों की निश्चित मात्रा को बनाए रखना होता है।
- इन परिसंपत्तियों को जी-सेक कीमती धातुएं, अनुमोदित प्रतिभूति जैसे बांड आदि जैसे गैर-नकदी रूप में रखा जाना चाहिए।
- वर्तमान एस.एल.आर. की दर 19% है।

रेपो दर और रिवर्स रेपो दर

- रेपो दर वह दर होती है जिस पर आर.बी.आई. अपने ग्राहकों को सामान्यतः सरकारी प्रतिभूतियों पर उधार देती है।
- रेपो दर में कमी से वाणिज्यिक बैंकों को सस्ती दर पर धन प्राप्त करने में मदद मिलती है और

रेपो दर में वृद्धि से वाणिज्यिक बैंकों को धन प्राप्त करने में कठिनाई होती है क्योंकि दर बढ़ जाती है जिससे ऋण महंगा हो जाता है।

- रिवर्स रेपो दर वह दर होती है जिस पर आर.बी.आई. वाणिज्यिक बैंकों से धन उधार लेता है।
- रेपो दर में वृद्धि से बैंकों की ऋण लेने और उधार देने की लागत में वृद्धि होगी जो जनता को पैसे उधार लेने के लिए हतोत्साहित करेगा और उन्हें जमा करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।
- जैसे दरें बढ़ती हैं वैसे ही ऋण की उपलब्धता और मांग घटती है जिसके परिणामस्वरूप मुद्रास्फीति में कमी आती है।
- रेपो दर और रिवर्स रेपो दर में वृद्धि, नीति को सख्त करने का प्रतीक है।
- वर्तमान में रेपो दर 6% है और रिवर्स रेपो दर 5.75% है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थव्यवस्था

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. डब्ल्यू.एच.ओ. ने सर्पदंश से निपटने की योजना का अनावरण किया है।

- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सर्पदंश से होने वाली मौतों और घटनाओं को कम करने हेतु एक नई रणनीति का अनावरण किया है।
- डब्ल्यू.एच.ओ. वैश्विक रणनीति ने वर्ष 2030 तक सर्पदंश से विष फैलने के कारण होने वाली मृत्यु दर और विकलांगता में 50% की कमी करने का लक्ष्य रखा है।
- यह लक्ष्य निम्न के माध्यम से हासिल किया जाएगा:
- निर्माताओं की संख्या में 25 प्रतिशत की वृद्धि करके और एक वैश्विक विषरोधक भंडार का निर्माण करके विष-रोधी और सहायक चिकित्सा देखभाल जैसे उपचार तक पहुंच को सुनिश्चित करके
- नए उपचार, निदान और स्वास्थ्य उपकरण सफलताओं पर शोध को प्रोत्साहित करके

संबंधित जानकारी

सर्पदंश विषाक्तकरण के संदर्भ में जानकारी

- वर्ष 2017 में, डब्ल्यू.एच.ओ. ने औपचारिक रूप से "सर्पदंश विषाक्तकरण" को एक उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग के रूप में वर्गीकृत किया था।
- सांप के काटने से होने वाली मौतों और गंभीर परिणामों को उच्च गुणवत्ता वाले सर्प विषरोधी तक पहुँच को सुलभ बनाकर रोका जा सकता है, ये विषरोधी डब्ल्यू.एच.ओ. की आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – स्वास्थ्य एवं मुद्दा

स्रोत-डाउन टू अर्थ

6. उत्पादकों ने चेतावनी दी है कि यदि भारत आर.सी.ई.पी. में शामिल हो जाता है तो तांबा, एल्युमिनियम क्षेत्र को कच्चा सौदा मिल सकता है।
- क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी के अतिरिक्त देश में तांबा और एल्युमिनियम संघ ने सस्ते आयात से संरक्षण हेतु सरकार को प्रतिनिधित्व भेजा है।

आर.सी.ई.पी. में शामिल होने के परिणाम

- हाल ही में, 24 मई, 2019 को आर.सी.ई.पी. देशों की बैठक की पृष्ठभूमि में एक बयान आया है कि वह एक संधि को समाप्त करने की कोशिश कर रहे हैं जो लगभग 90% व्यापारिक उत्पादों पर इनपुट टैरिफ को समाप्त कर देगी।
- यदि भारत आर.सी.ई.पी. में शामिल होता है तो इस कदम से तांबे और एल्यूमीनियम के आयात पर शून्य शुल्क का मार्ग प्रशस्त होगा जो घरेलू क्षेत्र को कमजोर करेगा और भविष्य के निवेश को रोकगा।

भारत की चिंता

- भारत ने कई बार वकालत की है कि समझौते को व्यापक प्रकृति का होना चाहिए।
 - भारत निम्न के बारे में चिंतित है:
1. यह व्यापार समझौता चीनी उत्पादों तक अधिक पहुँच प्रदान करेगा जिसका भारतीय विनिर्माण क्षेत्र पर प्रभाव पड़ सकता है।

2. कई आर.सी.ई.पी. देशों द्वारा कई उत्पादों पर सीमा शुल्क कम करने और भारतीय बाजार में विदेशी सामानों की अधिक पहुँच की मांग की जाती है।

संबंधित जानकारी

क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी के संदर्भ में जानकारी:

- यह दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) (ब्रुनेई, बर्मा (म्यांमार), कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम) के दस सदस्य राज्यों के बीच एक प्रस्तावित मेगा व्यापार समझौता है।
- इसमें उन छह राज्यों को भी शामिल किया गया है, जिनके साथ आसियान ने मौजूदा निशुल्क व्यापार समझौते (एफ.टी.ए.) (ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया और न्यूजीलैंड) को हस्ताक्षरित किया है।
- इसका उद्देश्य अधिकांश टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को समाप्त करके उत्पाद व्यापार को बढ़ावा देना है- एक ऐसा कदम जिससे क्षेत्र के उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर गुणवत्ता वाले उत्पादों का अधिक विकल्प प्रदान करने की उम्मीद है।
- यह निवेश मानदंडों को उदार बनाने और सेवाओं के व्यापार प्रतिबंधों को दूर करने का भी प्रयास करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

7. सरकार सी.एस.ओ., एन.एस.एस.ओ. का विलय करने की योजना बना रही है।
- सरकार ने एक राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एन.एस.ओ.) का निर्माण करने हेतु केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (सी.एस.ओ.) और राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एन.एस.एस.ओ.) का विलय करने का निर्णय लिया है।
- यह कदम संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के कार्यकाल के दौरान 2005 में लिए गए एक निर्णय का अनुवर्ती है, जो राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग की रिपोर्ट की सिफारिशों पर

आधारित था, जिसकी अध्यक्षता भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर सी. रंगराजन ने की थी।

- यह सांख्यिकीय प्रणाली को सुव्यवस्थित और मजबूत बनाने में मदद करेगा।

संबंधित जानकारी

एन.एस.एस.ओ. और सी.एस.ओ. के संदर्भ में जानकारी

- दोनों विंग वर्तमान में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एम.ओ.एस.पी.आई) का हिस्सा हैं।
- जब कि एन.एस.एस.ओ. खपत व्यय, रोजगार और बेरोजगारी जैसे विभिन्न नमूना सर्वेक्षणों को जारी करता है, सी.एस.ओ. जी.डी.पी. और आई.आई.पी. जैसे विभिन्न डेटा जारी करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश को यू.ए.पी.ए. के अंतर्गत प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है।

- बांग्लादेश आधारित आतंकी संगठन- जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जे.एम.बी.) को केंद्र द्वारा आतंकवाद विरोधी कानून गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के अंतर्गत प्रतिबंधित किया गया है।
- बांग्लादेश की राजधानी ढाका के एक कैफे में वर्ष 2016 के हुए आतंकी हमले में कथित रूप से शामिल जे.एम.बी. को गृह मंत्रालय द्वारा गैरकानूनी संघ घोषित किया गया था।

संबंधित जानकारी

गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के संदर्भ में जानकारी:

- यह व्यक्तियों और संगठनों की कुछ गैरकानूनी गतिविधियों की अधिक प्रभावी रोकथाम के लिए और आतंकवादी गतिविधियों से निपटने के लिए प्रदान किया गया एक कानून है।
- यह अधिनियम गैर कानूनी गतिविधियों को किसी व्यक्ति या संघ द्वारा किसी भी कार्यवाई के रूप में परिभाषित करता है जिसका इरादा अलगाव/ उपद्रव करना या जिसका इरादा भारत की

संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बाधित या उस पर प्रश्न चिन्ह लगाना होता है।

- इसे 2004 में एक आतंकवादी अधिनियम के लिए धन जुटाने, आतंकवाद पर कार्यवाही को राकने, एक आतंकवादी संगठन की सदस्यता ग्रहण करने, एक आतंकवादी संगठन को समर्थन करने और एक आतंकवादी संगठन हेतु धन जुटाने के लिए संशोधित किया गया था।
- वित्तीय कार्यवाई कार्य बल के दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए वर्ष 2012 में इसे पुनः संशोधित किया गया था।
- "आतंकवादी अधिनियम" की परिभाषा का विस्तार उन अपराधों को शामिल करने के लिए किया गया था जिनसे आर्थिक सुरक्षा के प्रति खतरा, भारतीय मुद्रा का जालीकरण और हथियारों की खरीद आदि का डर है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-टी.ओ.आई.

9. 5 लाख करोड़ की कार्य योजना से उच्च शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने अगले पांच वर्षों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार करने के लिए एक महत्वाकांक्षी 1.5 लाख करोड़ की कार्ययोजना शुरू करने की योजना बनाई है।
- यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन की योजना में मदद करेगा।
- पिछली राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 1986 में जारी की गई थी, जिसमें 1992 में संशोधन किया गया था।
- EQUIP परियोजना भी उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच में मदद करती है।

संबंधित जानकारी

शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन एवं समावेशन कार्यक्रम (EQUIP)

- उच्च शिक्षा प्रणाली में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए EQUIP परियोजना पर काम किया जा रहा था।

- इसे सरकार के भीतर विशेषज्ञों के नेतृत्व में दस समितियों द्वारा तैयार किया गया था।
- इसका उद्देश्य नीति और कार्यान्वयन के बीच के अंतर को पूरा करना है।
- यह परियोजना आगामी 5 वर्षों में उच्च शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन लाने के लिए बनाई गई है।

EQUIP का मुख्य फोकस

- उच्च शिक्षा तक पहुंच में सुधार करना
- सकल नामांकन रसद में सुधार
- शिक्षण एवं अधिगम प्रक्रियाओं में सुधार करना
- शैक्षिक बुनियादी ढांचे का निर्माण
- अनुसंधान एवं नवाचार की गुणवत्ता में सुधार करना
- प्रौद्योगिकी और ऑनलाइन शिक्षण उपकरण का उपयोग करना

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत- द हिंदू

10. दुर्लभ अल्बिनो पांडा को चीन में कैमरे पर देखा गया है।
 - दक्षिण-पश्चिम चीन में एक प्रकृति रिजर्व में एक दुर्लभ ऑल-व्हाइट पांडा को कैमरे पर देखा गया है, इस क्षेत्र में जंगली पांडा के मध्य रंगहीनता मौजूद है।

संबंधित जानकारी

विशालकाय पांडा

- विशालकाय पांडा को पांडा भालू के रूप में भी जाना जाता है या केवल पांडा के रूप में जाना जाता है यह दक्षिण मध्य चीन का मूल निवासी है।
- इसे आंखों के चारों ओर, कानों पर और गोलाकार शरीर पर बड़े, विशिष्ट काले धब्बों द्वारा आसानी से पहचाना जा सकता है।
- विशालकाय पांडा एक फोलिएवोर (एक जानवर जो केवल पत्तियों खाता है) है, इसके भोजन के 99 प्रतिशत हिस्से में बांस के अंकुर और पत्तियां शामिल हैं।
- विशालकाय पांडा मध्य चीन में कुछ पर्वत श्रृंखलाओं, मुख्य रूप से सिचुआन में, लेकिन पड़ोसी शानक्सी और गांसु में भी रहता है।

- विशालकाय पांडा एक संरक्षित-विश्वसनीय लुप्तप्राय प्रजाति है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

28.05.2019

1. बिम्स्टेक नेताओं को प्रधानमंत्री पद के लिए मोदी के शपथग्रहण समारोह हेतु आमंत्रित किया गया है।
 - हाल ही में भारत ने "सर्वप्रथम पड़ोस" की नीति के आधार पर 30 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के लिए राज्यों के कई प्रमुखों को आमंत्रित किया है जिसमें बंगाल की खाड़ी समुदाय (बिम्स्टेक) के नेता भी शामिल हैं।

संबंधित जानकारी

बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल

- यह एक क्षेत्रीय संगठन है जो 1997 में बैंकॉक घोषणापत्र के माध्यम से अस्तित्व में आया था।
- इसका उद्देश्य वैश्वीकरण के हमलों को कम करके और क्षेत्रीय संसाधनों एवं भौगोलिक लाभों का उपयोग करके सामान्य हितों के विभिन्न क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग के माध्यम से विकास को बढ़ावा देना था।
- बिम्स्टेक के सदस्य देश- बांग्लादेश, भारत, म्यांमार, श्रीलंका, थाईलैंड, नेपाल और भूटान हैं, ये उन देशों में से हैं जो बंगाल की खाड़ी पर निर्भर हैं।
- बिम्स्टेक का स्थायी सचिवालय ढाका में स्थित है।
- हाल ही में आयोजित शिखर सम्मेलन के दौरान काठमांडू घोषणापत्र जारी किया गया था।
- इसने आतंकवाद को अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के प्रति एक "बड़ा खतरा" बताया था।
- यह इस क्षेत्र में ऊर्जा संसाधनों का उपयोग करने और कुशल ऊर्जा प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए अनुकूलन प्रदान करता है

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत- द हिंदू

2. एन.जी.टी. ने यू.पी. प्रदूषण निकाय पर 'भ्रामक' रिपोर्ट हेतु जुर्माना लगाया है।

- राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पर गाजियाबाद में दो औद्योगिक इकाइयों के निरीक्षण से संबंधित एक "भ्रामक" रिपोर्ट पेश करने पर जुर्माना लगाया है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय हरित अधिकरण:

- राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एन.जी.टी.), एक संवैधानिक निकाय है जिसे वर्ष 2010 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया था।

उद्देश्य

- यह पर्यावरण संरक्षण, वनों के संरक्षण से संबंधित और पर्यावरणीय कानूनों या अनुमति प्रदान करते समय निर्दिष्ट शर्तों के उल्लंघन के कारण व्यक्तियों या संपत्ति को हुए नुकसान के मुआवजे की मांग से संबंधित केसों के प्रभावी एवं त्वरित निपटान हेतु एक विशिष्ट मंच प्रदान करता है।
- एन.जी.टी. की प्रधान पीठ राष्ट्रीय राजधानी- नई दिल्ली में स्थापित है जब कि इसकी क्षेत्रीय पीठ पुणे, भोपाल, चेन्नई और कोलकाता में स्थापित की गई हैं।
- एन.जी.टी. के अध्यक्ष सर्वोच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश हैं और अन्य न्यायिक सदस्य, उच्च न्यायालयों के सेवानिवृत्त न्यायाधीश हैं।

एन.जी.टी. का कानूनी अधिकार क्षेत्र:

- एन.जी.टी. के पास पर्यावरण संबंधी मुद्दों और एन.जी.टी. अधिनियम की अनुसूची 1 में सूचीबद्ध कानूनी को लागू करने से संबंधित प्रश्नों से संबंधित सभी नागरिक मामलों की सुनवाई करने की शक्ति है।

इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974
- वानिकी (संरक्षण) अधिनियम, 1980

- वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981
- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986
- सार्वजनिक देयता बीमा अधिनियम, 1991
- जैविक विविधता अधिनियम, 2002
- एन.जी.टी. के पास वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972, भारतीय वन अधिनियम, 1927 और वनों, वृक्ष संरक्षण आदि से संबंधित राज्यों द्वारा अधिनियमित किए गए विभिन्न कानूनों से संबंधित किसी भी मामले की सुनवाई हेतु शक्तियां नहीं प्राप्त हैं।
- एन.जी.टी., नागरिक प्रक्रिया संहिता, 1908 के अंतर्गत निर्धारित प्रक्रिया द्वारा बाध्य नहीं हैं लेकिन इन्हें प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित किया जाएगा।
- भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बाद पर्यावरणीय मामलों से निपटने के लिए इस तरह का निकाय स्थापित करने वाला तीसरा देश है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

3. डी.आर.डी.ओ. ने आकाश- एम.के.-1एस. का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) ने आकाश एम.के. 1एस. मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

संबंधित जानकारी

आकाश एम.के. 1 एस. के संदर्भ में जानकारी:

- आकाश एम.के. 1एस., स्वदेशी अन्वेषक के साथ मौजूदा आकाश मिसाइल का उन्नत संस्करण है।
- आकाश एम.के. 1एस., सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है जो उन्नत हवाई लक्ष्यों को नष्ट कर सकती है।
- यह मध्यम दूरी के बहु-लक्ष्यीय कार्य सक्षम मिसाइल है, इस मिसाइल को नाग, अग्नि, त्रिशूल और पृथ्वी मिसाइलों के अतिरिक्त एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम

(आई.जी.एम.डी.पी.) के हिस्से के रूप में विकसित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

4. मध्य प्रदेश के ओरछा ने इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल कराया है।

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने मध्य प्रदेश के ओरछा कस्बे को विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल करने हेतु यूनेस्को को एक प्रस्ताव भेजा था।

संबंधित जानकारी

ओरछा के संदर्भ में जानकारी

- ओरछा, बेतवा नदी के तट पर मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले में स्थित है।
- इसे 16वीं शताब्दी में बुंदेला वंश के राजा रुद्र प्रताप सिंह द्वारा बनवाया गया था।
- ओरछा, सावन और भांदव नामक अपनी दो उन्नत मीनारों के लिए भी प्रसिद्ध है।
- इस कस्बे के चार महल- जहाँगीर महल, राज महल, शीश महल और राय प्रवीण महल हैं।
- बुंदेला वास्तुकला में मुगल प्रभाव है क्योंकि दो राजवंश इसके बहुत करीब थे।
- ओरछा, भारत में एकमात्र ऐसा स्थान भी है जहाँ भगवान राम को राजा के रूप में पूजा जाता है, उनको समर्पित एक मंदिर है, जिसका नाम श्री राम राजा मंदिर है।

भारत में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों के संदर्भ में जानकारी:

- यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल एक ऐसी जगह है जिसे संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन द्वारा विशिष्ट सांस्कृतिक या भौतिक महत्व के रूप में मान्यता प्राप्त है जिसे मानवता के लिए उत्कृष्ट मूल्य माना जाता है।
- यूनेस्को, पूरे विश्व में प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, मान्यता और रखरखाव को प्रोत्साहित करने का प्रयास करता है।

- यह 1972 में यूनेस्को द्वारा स्वीकृत विश्व सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के संदर्भ में सम्मेलन को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

5. भारत को पहली संयुक्त राष्ट्र आवास विधानसभा के कार्यकारी बोर्ड के लिए निर्वाचित किया गया है।

- भारत को पहली संयुक्त राष्ट्र आवास विधानसभा के कार्यकारी बोर्ड के लिए चुना गया है।
- पहली संयुक्त राष्ट्र आवास विधानसभा का आयोजन केन्या के नैरोबी में किया गया था।
- संयुक्त राष्ट्र आवास विधानसभा के लिए विशेष थीम "शहरों और समुदायों में जीवन की बेहतर गुणवत्ता हेतु नवाचार" है।

टॉपिक- राज्य पी.सी.एस. परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण

स्रोत- ए.आई.आर. न्यूज

6. माउंट अगुंग ज्वालामुखी

- हाल ही में, माउंट अगुंग ज्वालामुखी इंडोनेशिया के बाली द्वीप में फट गया है।

संबंधित जानकारी

माउंट अगुंग के संदर्भ में जानकारी

- यह वर्तमान में इंडोनेशिया के बाली में सक्रिय ज्वालामुखी है।
- गुनुंग अगुंग स्ट्रेटो ज्वालामुखी बाली का उच्चतम बिंदु है।
- यह जलवायु, विशेष रूप से वर्षा प्रारूप को प्रभावित करते हुए आसपास के क्षेत्र पर प्रभावी है।

नोट:

- बंजर द्वीप ज्वालामुखी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- टी.ओ.आई.

7. तरलता प्रबंधन को आर.बी.आई. ने नए दिशानिर्देश दिए हैं।

- हाल ही में, भारतीय रिजर्व बैंक ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एन.बी.एफ.सी.) के लिए तरलता कवरेज अनुपात (एल.सी.आर.) प्रस्तावित किया है।
- एन.बी.एफ.सी. के मौजूदा संकट के दौर ने आर.बी.आई. को ऐसे नए नियम लाने के लिए मजबूर किया है।

दिशानिर्देशों की मुख्य विशेषताएं

- अगले चार वर्षों की अवधि में एन.बी.एफ.सी. को उच्च गुणवत्ता वाली तरल परिसंपत्ति (एच.क्यू.एल.ए.) की मात्रा की आवश्यकता होगी, जो 30 दिनों के लिए नकदी बहिर्वाह के लिए पर्याप्त होगी।
- एल.सी.आर. अनिवार्यताएं 1 अप्रैल, 2020 से एन.बी.एफ.सी. के लिए बाध्यकारी होगी, न्यूनतम एच.क्यू.एल.ए., एल.सी.आर. का 60 प्रतिशत होना चाहिए। 1 अप्रैल, 2024 तक 100% के स्तर तक पहुँचने वाले समान चरणों में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी।
- वित्तीय तनाव की अवधि के दौरान, एन.बी.एफ.सी. को एच.क्यू.एल.ए. के अपने स्टॉक का उपयोग करना होगा।

नए विनियमन का प्रभाव

- यह एक प्रभावी तरीके से संरचनात्मक और गतिशील तरलता का प्रबंधन करने के लिए एक प्रभावी और मजबूत जोखिम प्रबंधन प्रणाली को सुनिश्चित करते हुए एन.बी.एफ.सी. विनियमों के ढाँचे को मजबूत करेगा।
- यह एन.बी.एफ.सी. की उनकी देनदारियों का विवेकपूर्ण प्रबंधन करने में मदद करेगा और चरणबद्ध दृष्टिकोण उन्हें धीरे-धीरे इन आवश्यकताओं को पूरा करने की अनुमति देगा।

एन.बी.एफ.सी. संकट के संबंध में आर.बी.आई. द्वारा उठाए गए अन्य कदम

- आर.बी.आई. के केंद्रीय बोर्ड ने बैंकों और एन.बी.एफ.सी. सहित वित्तीय क्षेत्र की निगरानी और विनियमन के लिए एक विशेष कैडर बनाने का फैसला किया था।

- आर.बी.आई. ने हाल ही में स्पष्ट रूप से एन.बी.एफ.सी. को 5,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति आकार के साथ निर्दिष्ट भूमिका और जिम्मेदारियों के साथ मुख्य जोखिम अधिकारी नियुक्त करने के लिए कहा है।

उच्च गुणवत्ता तरल परिसंपत्तियों के संदर्भ में जानकारी

- यह ऐसी परिसंपत्तियां हैं जिनमें केवल उच्च क्षमता वाले आसानी से और जल्दी से नकदी में परिवर्तित हो सकते हैं। उदाहरण- सरकारी प्रतिभूतियां, सोना और अन्य हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अर्थशास्त्र

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

29.05.2019

1. एक गोल्डन स्पाइक: वैज्ञानिकों ने एन्थ्रोपोसीन युग के लिए मंजूरी प्रदान की हैं।

- एन्थ्रोपोसीन युग की शुरुआत का संकेत देने के लिए भूगर्भीय मार्कर या गोल्डन स्पाइक (तकनीकी रूप से वैश्विक सीमा रेखा सतही प्रकार अनुभाग एवं बिंदु) है।

गोल्डन स्पाइक की विशेषताएं

- गोल्डन स्पाइक विश्व स्तर पर मौजूद होने चाहिए और भूवैज्ञानिक रिकॉर्ड के लिए जमा का एक हिस्सा होने चाहिए।
- 1950 के दशक की शुरुआत से परमाणु बम परीक्षणों द्वारा दुनिया भर में फैले कृत्रिम रेडियो नाभिक गोल्डन स्पाइक के रूप में काम करेंगे।
- रेडियो नाभिक लगभग प्रत्येक स्थान पर मौजूद हैं- ये समुद्री तलछट से लेकर बर्फ की परतों और यहां तक कि ये स्टैलेग्माइट्स और स्टैलेक्टाइट्स में भी मौजूद हैं।

संबंधित जानकारी

एन्थ्रोपोसीन युग के संदर्भ में जानकारी

- 'एन्थ्रोपोसीन' शब्द को वर्ष 2000 में नोबेल पुरस्कार विजेता पॉल क्रुटजेन और युगीन स्टोइमर ने वर्तमान भूवैज्ञानिक समयांतराल को निरूपित करने के लिए किया था जिसमें मानव गतिविधियों ने पृथ्वी पर कई स्थितियों और प्रक्रियाओं को काफी हद तक बदल दिया है।

- ए.डब्ल्यू.जी. के अनुसार, एंथ्रोपोसीन से संबंधित घटनाओं में शहरीकरण और कृषि से संबंधित अपरदन और तलछट परिवहन में एक क्रमिक-वृद्धि की मात्रा शामिल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

2. सी.डब्ल्यू.एम.ए. ने कर्नाटक को 9.19 tmcft पानी छोड़ने का आदेश दिया है।

- कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सी.डब्ल्यू.एम.ए.) ने कर्नाटक को बिलीगुंदलु जलाशय से तमिलनाडु के मेत्तूर बांध में 9.19 tmcft पानी छोड़ने का आदेश दिया है।

संबंधित जानकारी

कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के संदर्भ में जानकारी

- केंद्र सरकार ने कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सी.एम.ए.) का गठन तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और पुदुचेरी के बीच नदी जल के बंटवारे के विवाद को संबोधित करने के लिए 2018 में उच्चतम न्यायालय के निम्नलिखित निर्देशों के बाद किया है।

कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण का संघटन

- इस प्राधिकरण में एक अध्यक्ष, एक सचिव और आठ सदस्य शामिल होंगे।
- आठ सदस्यों में से दो पूर्णकालिक होंगे, जब कि दो अंशकालिक सदस्य केंद्र के होंगे।
- बाकी चार सदस्य राज्यों के अंशकालिक सदस्य होंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

3. राजधानी में ओजोन प्रदूषण बढ़ने की संभावना है।

- वायु गुणवत्ता एवं मौसम पूर्वानुमान एवं अनुसंधान प्रणाली (सफर) के द्वारा किए गए पूर्वानुमान के अनुसार अगले तीन दिनों में दिल्ली में सतही ओजोन प्रदूषण के बढ़ने की संभावना है।

संबंधित जानकारी

सतही ओजोन के संदर्भ में जानकारी

- सतही ओजोन, एक प्राथमिक प्रदूषक नहीं है और यह सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में NO_x (नाइट्रोजन ऑक्साइड), CO (कार्बन मोनोऑक्साइड) की रासायनिक अभिक्रियाओं के कारण उत्पन्न होती है।
- जब तापमान बढ़ता है तो ओजोन के उत्पादन की दर भी बढ़ती है।
- सतही ओजोन से खांसी, सांस, थोड़े समय के लिए गले में दर्द हो सकता है और यह फेफड़ों के क्षरण का कारण बन सकती है और लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने पर फेफड़ों को भविष्य में होने वाले संक्रमणों के प्रति कमजोर बना देती है।

वायु गुणवत्ता एवं मौसम पूर्वानुमान एवं अनुसंधान प्रणाली के संदर्भ में जानकारी

- सफर को भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आई.आई.टी.एम.), पुणे द्वारा विकसित किया गया है और भारतीय मौसम विभाग (आई.एम.डी.) द्वारा संचालित किया गया है।
- यह दिल्ली में विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत संचालित भारत की वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली का अभिन्न अंग है।
- यह तापमान, वर्षा, आर्द्रता, हवा की गति और हवा की दिशा जैसे सभी मौसम मापदंडों की निगरानी करेगा।
- यह नियमित रूप से वायु गुणवत्ता और पीएम 2.5, पीएम 10, सल्फर डाइऑक्साइड, ओजोन, नाइट्रोजन ऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसे मौसम मापदंडों के अतिरिक्त वास्तविक समय में सूर्य के यू.वी.-इंडेक्स (यू.वी.आई.), पीएम 1, बुध और ब्लैक कार्बन को मापेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

4. सामाजिक एवं श्रम सम्मिलन कार्यक्रम

- सूती वस्त्र एवं निर्यात संवर्धन परिषद, भारत में सामाजिक एवं श्रम सम्मिलन कार्यक्रम (एस.एल.सी.पी.) शुरू करेगी।

- यह कपड़ा एवं वस्त्र उद्योग के लिए एक मानक-तटस्थ, सम्मिलित मूल्यांकन ढांचे की एक पहल है।
- इस पहल का उद्देश्य उन संसाधनों को अनुमति प्रदान करके कपड़ा इकाईयों में काम की स्थिति में सुधार करना है, जो पहले ऑडिट के अनुपालन हेतु नामित किए जाते थे, जिन्हें सामाजिक एवं श्रम स्थितियों के सुधार की दिशा में पुनर्निर्देशित किया गया था।

संबंधित जानकारी

सूती वस्त्र एवं निर्यात संवर्धन परिषद के संदर्भ में जानकारी

- टेक्सप्रोसिल एक स्वायत्त, गैर-लाभकारी निकाय है जो सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन के प्रति समर्पित है।
- यह निर्यात प्रयासों को मजबूत करने और निर्यात की निगरानी के लिए डेटा प्रदान करने हेतु सुझाव देता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. डब्ल्यू.एच.ओ. का कहना है कि बर्नआउट एक चिकित्सा स्थिति है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पहली बार अपने अंतर्राष्ट्रीय रोग वर्गीकरण (आई.सी.डी.) में "बर्न-आउट" को मान्यता प्रदान की है, जिसका व्यापक रूप से निदान और स्वास्थ्य बीमाकर्ताओं के लिए एक बेंचमार्क के रूप में उपयोग किया जाता है।
- "बर्नआउट" शब्द 1970 के दशक में अमेरिकी मनोवैज्ञानिक हर्बर्ट फ़ुडेनबर्गर ने दिया था।
- डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार, "बर्न-आउट एक सिंड्रोम है, जिसकी अवधारणा स्थायी कार्यस्थल तनाव के परिणाम पर आधारित है, जिसे सफलतापूर्वक प्रबंधित नहीं किया जा सकता है।
- डब्ल्यू.एच.ओ. ने यह भी बताया है कि बर्न-आउट विशिष्ट रूप से व्यावसायिक संदर्भ में घटना को संदर्भित करता है और इसका उपयोग अन्य संदर्भों में नहीं किया जाना चाहिए।
- बर्नआउट के तीन घटक होते हैं:

- ऊर्जा की कमी या थकावट की भावना
- अपनी नौकरी से मानसिक दूरी बढ़ना या नकारात्मकता की भावना आना अथवा अपनी नौकरी से संबंधित कुटिलता बढ़ना
- व्यवसायिक प्रभावकारिता में कमी होना

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय रोग एवं संबंधित स्वास्थ्य समस्या सांख्यिकीय वर्गीकरण के संदर्भ में जानकारी

- यह मान्यता प्राप्त चिकित्सा स्थितियों की एक पुस्तिका है।
- यह बीमारियों, विकारों, चोटों और अन्य स्वास्थ्य संबंधित स्थितियों को परिभाषित करती है।
- अपडेटेड आई.सी.डी. सूची (आई.सी.डी. 11) को वर्ष 2018 में तैयार किया गया था और हाल ही में अनुमोदित किया गया है जो जनवरी, 2022 से लागू की जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- सामाजिक मुद्दे

स्रोत- टी.ओ.आई.

6. तेलंगाना, भारत का पहला ब्लॉकचैन जिला होगा।
- तेलंगाना ने ब्लॉकचैन जिला लॉन्च करने के लिए टेक महिंद्रा के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- ब्लॉकचैन जिले के संस्थापक सदस्य के रूप में टेक महिंद्रा सभी इनक्यूबेटरों को मंच और तकनीकी सहायता प्रदान करेगा और अपने वैश्विक ग्राहक पारिस्थितिकी तंत्र में बाजार की समस्याओं को विकसित करने और हल करने हेतु त्वरक को भी सशक्त बनाएगा।
- विश्व आर्थिक मंच का अनुमान है कि वर्ष 2025 तक वैश्विक जी.डी.पी. का 10 प्रतिशत ब्लॉकचैन पर संग्रहित किया जाएगा।

नीति की विशेषताएं

- इसके परिचालन के पहले 3 वर्षों के लिए पट्टा किराए पर 5 लाख रु प्रति वर्ष तक की 25 प्रतिशत सब्सिडी प्रस्तावित की गई है।
- सरकार सभी ब्लॉकचैन स्टार्ट-अप, सह-कामकाजी और इनक्यूबेशनों को स्थापित करने हेतु

अत्यधिक रियायती कीमतों पर कार्यालय स्थान प्रदान करेगी।

- भूमि रियायती दरों, अनुसंधान और विनियामक और नीति समर्थन के वित्तपोषण पर दी जाती है।
- वार्षिक राजस्व, निवेश वादों के संदर्भ में नियमित आई.सी.टी. (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) कंपनियों के लिए निर्दिष्ट दिशानिर्देश, रोजगार सृजन वादों को ब्लॉकचेन फर्मों से आंशिक रूप से छूट प्रदान की जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत-लाइवमिंट

7. 'विश्व की नदियां एंटीबायोटिक्स अपशिष्ट से भरी हुई हैं।'
 - एक शोधपत्र के अनुसार, पूरे विश्व में नदियां एंटीबायोटिक दवाओं से प्रदूषित हैं जो देहली पर्यावरण सुरक्षा से 300 गुना तक अधिक होती हैं।
 - हाल ही में, हेलसिंकी में पर्यावरण विषयविज्ञानियों की अयोजित की गई बैठक में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया था।
 - पत्र के अनुसार, कई स्थानों पर मनुष्यों और जानवरों में जीवाणु संक्रमण से लड़ने हेतु प्रयोग की जाने वाली दवाओं की सांद्रता, ए.एम.आर. उद्योग संघ द्वारा निर्धारित सुरक्षा स्तर से अधिक पाई गई है।
 - ए.एम.आर. उद्योग संघ, रोगाणुरोधी प्रतिरोध को रोकने के लिए स्थायी समाधान प्रदान करने के लिए स्थापित सबसे बड़े निजी क्षेत्र के गठबंधनों में से एक है।
 - अधिकतम एंटीबायोटिक नदी प्रदूषण स्तर वाले देश बांग्लादेश, केन्या, घाना, पाकिस्तान और नाइजीरिया थे।

संबंधित जानकारी

- रोगाणुरोधी प्रतिरोध तब होता है जब जीवाणु और कवक जैसे रोगाणु स्वयं को मारने के लिए बनाई गई दवाओं को हराने की क्षमता विकसित कर लेते हैं।

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने ए.एम.आर. को वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति एक गंभीर खतरे के रूप में माना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- डाउन टू अर्थ

8. हिंद महासागर में खोजी गई चट्टानों में हिमयुग का समुद्री जल पाया गया है।
 - हाल ही में वैज्ञानिकों ने जहाज से हिंद महासागर के मध्य में चट्टान निर्माण के अंदर के पाए गए समुद्री जल के अवशेष के हिमयुग के होने की खोज की है।
 - यह खोज ज्वाइडस रिजोल्यूशन नामक जहाज का उपयोग करके की गई थी।

संबंधित जानकारी

गहन पृथ्वी संकल्प हेतु संयुक्त समुद्र विज्ञान संस्थान (JOIDES) के संदर्भ में जानकारी

- यह अंतर्राष्ट्रीय महासागर खोज कार्यक्रम (आई.ओ.डी.पी.), एक अंतर्राष्ट्रीय, बहु-ड्रिलिंग मंच अनुसंधान कार्यक्रम द्वारा उपयोग किए गए वैज्ञानिक ड्रिलिंग जहाजों में से एक है।
- JOIDES रिजोल्यूशन नामक इस जहाज को विशेष रूप से समुद्री विज्ञान के लिए बनाया गया है और यह एक ड्रिल से सुसज्जित है जो खोज के लिए समुद्र के नीचे तीन मील से भी एक मील अधिक लंबी चट्टान को निकाल सकता है।
- JOIDES रिजोल्यूशन विज्ञान ऑपरेटर को अमेरिकी राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन के साथ 23 कार्यक्रम सदस्य देशों के अंतर्राष्ट्रीय योगदान के माध्यम से वित्तपोषित किया जा रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

9. अमेरिका ने भारत को अपनी मुद्रा निगरानी सूची से हटा दिया है।
 - ट्रम्प प्रशासन ने प्रमुख व्यापारिक भागीदारों की मुद्रा निगरानी सूची से भारत को हटा दिया है।
 - इसने नई दिल्ली द्वारा किए गए कुछ विकासों और उठाए गए कुछ घटनाक्रमों का हवाला दिया है जो इसकी कुछ प्रमुख चिंताओं को संबोधित करते हैं।

- स्विटजरलैंड दूसरा देश है जिसे अमेरिका ने अपनी मुद्रा निगरानी सूची से हटा दिया है।
- भारत को पहली बार मई, 2018 में पांच अन्य देशों- चीन, जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया और स्विटजरलैंड के साथ संभावित रूप से संदिग्ध विदेशी मुद्रा नीतियों वाले देशों की मुद्रा निगरानी सूची में अमेरिका द्वारा रखा गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- अर्थव्यवस्था

स्रोत- ए.आई.आर.

30.05.2019

1. राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग
 - सात वर्षों की लड़ाई के बाद, हरियाणा के दो किसानों को विशालकाय सहकारी निकाय, भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड से लगभग 5 लाख रूपए के मुआवजे का अनुमोदन प्राप्त हुआ है, निकाय ने इन किसानों को खराब ग्वार बीज बेंच दिए थे जिसके कारण उनकी 70 प्रतिशत फसल खराब हो गई थी।
 - किसानों ने यह मुकदमा राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एन.सी.डी.आर.सी.) में जीता है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग

- यह भारत का एक अर्ध-न्यायिक आयोग है जिसे वर्ष 1988 में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अंतर्गत स्थापित किया गया था।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- इस आयोग की अध्यक्षता भारत के सर्वोच्च न्यायालय के कार्यरत अथवा सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा की जाती है।
- एन.सी.डी.आर.सी. के आदेश से पीड़ित व्यक्ति 30 दिनों की अवधि के भीतर भारत के सर्वोच्च न्यायालय में इस आदेश के खिलाफ अपील दायर कर सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण संस्थान

स्रोत- द हिंदू

2. सशस्त्र बल न्यायाधिकरण

- हाल ही में, सशस्त्र बल न्यायाधिकरण ने जुलाई में नौसेना प्रमुख पर विवाद की सुनवाई की है।

संबंधित जानकारी

सशस्त्र बल न्यायाधिकरण

- सशस्त्र बल न्यायाधिकरण अधिनियम, 2007 के अंतर्गत सशस्त्र बल न्यायाधिकरण की स्थापना की गई है।
- यह सेना अधिनियम, 1950, नौसेना अधिनियम, 1957 और वायु सेना अधिनियम, 1950 के अधीन व्यक्तियों के संबंध में आयोग, नियुक्तियों, नामांकन और सेवा की शर्तों के संबंध में विवादों और शिकायतों के न्यायिक निर्णय या परीक्षण प्रदान करने में मदद करता है।
- यह उक्त अधिनियमों के अंतर्गत किए गए कोर्ट-मार्शलों के आदेशों, निष्कर्षों या निर्णयों के खिलाफ दायर अपीलों और इसके अतिरिक्त संबंधित अथवा आकस्मिक मामलों प्रदान करने में मदद करता है।
- सशस्त्र बल न्यायाधिकरण की प्रधान पीठ नई दिल्ली में स्थित है।
- इसकी आठ क्षेत्रीय पीठें जयपुर, चंडीगढ़, लखनऊ, गुवाहाटी, कोलकाता, चेन्नई, कोच्चि और मुंबई में स्थित हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- द हिंदू

3. यू.एस.-यू.ए.ई. रक्षा समझौते को लागू किया गया है।
 - अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात ने घोषणा की है कि वाशिंगटन और तेहरान के बीच बढ़ते तनाव के दौरान पारस्परिक रक्षा सहयोग समझौता (डी.सी.ए.) लागू किया गया है।
 - डी.सी.ए., संयुक्त राज्य अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात के मध्य सैन्य समन्वय को बढ़ाएगा।
 - इसे आपातकालीन अरब और खाड़ी शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर सऊदी अरब द्वारा लागू किया गया था, इसे तेहरान के मार्ग में गतिरोध पैदा करने और उसे अलग-थलग करने के तरीकों पर चर्चा करने हेतु लागू किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नंस

स्रोत- ए.आई.आर.

4. भारत को पहली संयुक्त राष्ट्र-आवास विधानसभा के कार्यकारी बोर्ड में चुना गया है।

- भारत को केन्या के नैरोबी में विधानसभा के पूर्ण सत्र में पहली संयुक्त राष्ट्र-आवास विधानसभा के कार्यकारी बोर्ड में चुना गया है।
- संयुक्त राष्ट्र आवास विधानसभा की विशेष थीम "शहरों और समुदायों में जीवन की बेहतर गुणवत्ता हेतु नवोन्मेष" है।

संबंधित जानकारी

- संयुक्त राष्ट्र मानव उपनिवेश कार्यक्रम, मानव उपनिवेश एवं सतत शहरी विकास हेतु संयुक्त राष्ट्र संस्था है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1978 में हुई थी।
- इसका मुख्यालय नैरोबी, केन्या में स्थित है।
- आवास एजेंडे के दो लक्ष्य हैं:
- सभी के लिए समुचित आश्रय
- शहरीकरण विश्व में स्थायी मानव उपनिवेशों का विकास करना
- यह प्रत्यक्ष रूप से संयुक्त राष्ट्र महासभा को रिपोर्ट करता है।
- यह संयुक्त राष्ट्र विकास समूह का सदस्य भी है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अंतर्राष्ट्रीय संस्थान

स्रोत- पी.आई.बी.

5. ऑपरेशन सफेद सागर

- हाल ही में, वायु सेना प्रमुख ने कारगिल में "ऑपरेशन सफेद सागर" के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले वायु योद्धाओं को श्रद्धांजलि देने के लिए भिसियाना और सरसावा का दौरा किया है।
- 28 मई, 1999 को भारतीय वायु सेना के चार जवानों ने ऑपरेशन सफेद सागर के दौरान एक मिशन की उड़ान भरते समय अपने जीवन का बलिदान दे दिया था।

संबंधित जानकारी

ऑपरेशन सफेद सागर के संदर्भ में जानकारी:

- यह कारगिल युद्ध के दौरान जमीनी सैनिकों के साथ संयुक्त रूप से कार्य करने के लिए भारतीय

वायु सेना की भूमिका को सौंपा गया कोड नाम था।

- इस ऑपरेशन का उद्देश्य नियंत्रण रेखा पर कारगिल क्षेत्र में खाली पड़ी भारतीय चौकियों से पाकिस्तानी सेना के नियमित और अनियमित सैनिकों को बाहर निकालना था।
- यह 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद से जम्मू और कश्मीर क्षेत्र में वायु शक्ति का पहला इतने बड़े पैमाने पर किया गया ऑपरेशन था।
- लापता व्यक्ति का पता लगाना एक हवाई सलामी है जो गिरे हुए कामरेड-इन-आर्म्स को सम्मानित करता है।
- यह लापता व्यक्ति को पता लगाने वाले निर्माण में दो विमानों के बीच की दूरी में एक तीर का निर्माण है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत-पी.आई.बी.

6. श्रीलंका, जापान, भारत ने कोलंबो बंदरगाह में ईस्ट कंटेनर टर्मिनल विकसित करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

- श्रीलंका, जापान और भारत ने संयुक्त रूप से कोलंबो बंदरगाह पर ईस्ट कंटेनर टर्मिनल विकसित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- यह भारत के लिए फायदेमंद होगा क्योंकि कि कोलंबो बंदरगाह का लगभग 70% शिपमेंट भारत से संबंधित है।
- इसका उद्देश्य चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करना है जिसने श्रीलंका में अपनी महत्वाकांक्षी बेल्ट एवं सड़क पहल (बी.आर.आई.) ढांचा योजना के अंतर्गत पैसा निवेश किया है।

संबंधित जानकारी

बेल्ट एवं सड़क पहल

- बेल्ट एवं सड़क पहल (बी.आर.आई.), चीनी सरकार द्वारा अपनाई गई एक वैश्विक विकास रणनीति है, जिसमें ढांचा विकास और निवेश शामिल है।

- यह कार्यक्रम छह गलियारों के साथ एशिया को अफ्रीका और यूरोप से भूमि और समुद्री नेटवर्क के माध्यम से जोड़ने में मदद करता है।

इसका लक्ष्य निम्न में सुधार करना है:

- व्यापार
- क्षेत्रीय समाकलन
- आर्थिक विकास को गति प्रदान करना

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – ढांचा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. अध्ययन ने उत्तरी हिंद महासागर पर नया प्रकाश डाला है।

- वैज्ञानिकों की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम ने भारतीय महाद्वीप क्षेत्र के पश्चिमी छोर पर स्थित लक्ष्मी घाटी के निकट समुद्र तल से लगभग 70 मिलियन वर्ष पुराने प्राचीन चट्टानों के नमूने का पता लगाया है।
- लक्ष्मी घाटी, 300 किलोमीटर चौड़ी है, सीमांत अवसाद किसी भी ओर से भारतीय महाद्वीपीय शेल्व और लक्ष्मी टीले द्वारा घिरे हुए हैं।

घाटी के विकास के सिद्धांत

- ऐसा माना जाता है कि घाटी का निर्माण, भारतीय महाद्वीपीय टेक्टॉनिक प्लेटों के विस्तार से हुआ है।
- जबकि एक अन्य सिद्धांत का मानना है कि घाटी की सतह का निर्माण, दो टेक्टोनिक प्लेटों के खिसकने के कारण बनने वाले विलुप्त प्रसारित केंद्र के ऊपर एक समुद्री पपड़ी के चढ़ने से हुआ है।
- निष्कर्ष, उस क्षेत्र में एक अभिसरण प्लेट गति की झलक प्रदान करते हैं जो अन्यथा विभिन्न टेक्टॉनिक द्वारा शासित की जाती हैं जो महा महाद्वीप गोंडवानालैंड के तीन भागों: मेडागास्कर, सेशेल्स और भारत में टूटने का कारण बना था।
- ये निष्कर्ष यथार्थपूर्ण ढंग से यह निर्धारित करने में मदद करेंगे कि किस प्रकार भारतीय प्लेटें, दक्कन ज्वालामुखी से ठीक पहले मेडागास्कर और सेशेल्स से दूर चली गई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

8. राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम

- हाल ही में, 102 शहरों में से 84 शहरों ने वर्ष 2024 तक विषाक्त कणिका तत्वों के स्तर में 20% -30% तक कमी करने हेतु अपनी कार्य योजना सौंपी है।
- राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत 102 शहरों को भारत का सबसे प्रदूषित शहर माना गया है। इन्हें वर्ष 2024 तक पी.एम. (कणिका तत्व) 10 और पी.एम. 2.5 के स्तर को कम करने का काम सौंपा गया है।

सम्बंधित जानकारी

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के संदर्भ में जानकारी

- शहरों और कस्बों में बढ़ते प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए जनवरी, 2019 में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम शुरू किया गया था।

कार्यक्रम की विशेषताएं

- वर्ष 2017 को आधार वर्ष मानते हुए वर्ष 2024 तक पी.एम. 10 और पी.एम. 2.5 की सांद्रता में 20-30% की कमी के प्रयोगात्मक लक्ष्य के साथ पांच वर्षीय कार्य योजना है।
- इस योजना में 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 102 गैर-प्राप्ति शहरों को शामिल किया गया है, जिनकी पहचान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सी.पी.सी.बी.) ने 2011 और 2015 के बीच उनके परिवेशी वायु गुणवत्ता डेटा के आधार पर की थी।
- गैर-प्राप्ति शहर, वे शहर हैं जो राष्ट्रीय परिवेश वायु गुणवत्ता मानकों की तुलना में लगातार खराब वायु गुणवत्ता दर्शा रहे हैं।
- पर्यावरण मंत्रालय में सर्वोच्च समिति समय-समय पर उपयुक्त संकेतकों के आधार पर इन घटकों की प्रगति की समीक्षा करेगी, इस समिति को विकसित किया जाएगा।
- प्रत्येक शहर को प्रदूषण के स्रोतों के आधार पर कार्यान्वयन के लिए अपनी कार्य योजना विकसित करने के लिए कहा जाएगा।

• यह योजना कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है।
टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण
स्रोत- द हिंदू

31.05.2019

1. गोवा में ततैया की नई प्रजाति की पहचान की गई है।
 - हाल ही में, गोवा के कोटिगाओ वन्यजीव अभयारण्य में वैज्ञानिकों द्वारा कुदाक्रुमिया वंश से ततैया (वास्प) की एक नई प्रजाति की पहचान की गई है।
 - ततैया, कुदाक्रुमिया रंगेनकारी का नाम गोवा के शोधकर्ता पराग रंगनेकर के नाम पर रखा गया था।
 - कुदाक्रुमिया, प्राथमिक ततैया का एक वंश है, जिसका वर्णन किया गया है और इसे पहले केवल श्रीलंका में जाना जाता था।
 - ततैया, हाइमेनोप्टेरा क्रम और ओपोक्रिटा उपक्रम का कोई भी कीट है, जो न तो मधुमक्खी के समान होता है न ही चींटियों के समान होता है।
 - ततैया, कीटों की आबादी को नियंत्रित करने में निपुण होते हैं और वे फसलों की सुरक्षा के लिए नियमित रूप से तैनात रहती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण एवं जैवविविधता
स्रोत- द हिंदू

2. प्यूर्टो विलियम्स, विश्व का सबसे दक्षिणी शहर है।
 - हाल ही में, दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के दक्षिणतम शहर प्यूर्टो विलियम्स को अर्जेंटीना के उशुआइया के स्थान पर विश्व के सबसे दक्षिणी शहर के रूप में चुना गया है, जो कि पहले विश्व का सबसे दक्षिणी शहर था।

संबंधित जानकारी

प्यूर्टो विलियम्स के संदर्भ में जानकारी:

- प्यूर्टो विलियम्स, चिली में नवारिनो द्वीप पर स्थित प्रमुख उपनिवेश, बंदरगाह और नेवल बेस है।
- यह बीगल चैनल का सामना करता है।
- यह चिली के अंटार्कटिक प्रांत की राजधानी है।

टॉपिक- समाचार में महत्वपूर्ण स्थान, राज्य पी.सी.एस.
परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण
स्रोत- द हिंदू

3. एक अध्ययन में ज्ञात हुआ है कि भारत में प्रति 10,000 व्यक्तियों पर 20 स्वास्थ्य कर्मचारी हैं।
 - राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन पर आधारित एक अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि भारत में प्रति 10,000 व्यक्तियों पर 20.6 स्वास्थ्य कर्मचारी हैं जो कि डब्ल्यू.एच.ओ. की देहली सीमा प्रति हजार व्यक्ति पर 22.8 स्वास्थ्य कर्मचारी से कम है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य कर्मचारियों का वितरण असमान है।
- भारत की लगभग 71% आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 36% स्वास्थ्य कर्मचारी हैं।
- दिल्ली में स्वास्थ्य कर्मचारियों की संख्या अधिकतम है इसके बाद केरल, पंजाब और हरियाणा में स्वास्थ्य कर्मचारियों की संख्या अधिकतम है।
- अध्ययन में आगे कहा गया है कि 80% से अधिक डॉक्टरों और 70% से अधिक नर्सों और दाइयों के साथ निजी और सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में स्वास्थ्य कर्मचारियों का असमान वितरण हो रहा है, इन्हें प्राइवेट क्षेत्र में नियोजित किया जा रहा है।
- हाल ही में, डब्ल्यू.एच.ओ. डेटाबेस ने भारत को "स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की गंभीर कमी" की श्रेणी में रखा है।
- भारत में श्रीलंका, चीन, थाईलैंड, यूनाइटेड किंगडम और ब्राजील की तुलना में स्वास्थ्य व्यवसायियों की संख्या कम है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण रिपोर्ट
स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. विश्व प्रतिस्पर्धा सूचकांक के 2019वें संस्करण में भारत 43वें स्थान पर आ गया है।

- भारत, अंतर्राष्ट्रीय विश्व प्रतिस्पर्धा रैंकिंग प्रबंधन एवं विकास (आई.एम.डी.) संस्थान में विश्व में 43वाँ सबसे प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बनकर एक स्थान ऊपर खिसक गया है।

सूचकांक की मुख्य विशेषताएं

- सूची में शीर्ष स्थान पर सिंगापुर, हांगकांग और अमेरिका हैं।
- संयुक्त अरब अमीरात को 15वें स्थान पर रखा गया है, हाल ही में 2016 के संस्करण में यह शीर्ष पांच की सूची में रहा था।
- वास्तविक जी.डी.पी. में वृद्धि की अधिक दर, व्यापारिक कानूनों में सुधार और शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय में वृद्धि के कारण पिछले एक वर्ष में भारत का स्थान, एक स्थान सुधरकर 43वां हो गया है।

भारत के सामने चुनौती:

- आई.एम.डी. के अध्ययन में कहा गया है कि भारत के सामने निम्न चुनौतियां बनी हुई हैं:
- रोजगार सृजन के साथ उच्च विकास को बनाए रखना,
- ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता और इंटरनेट तरंगदैर्घ्य, राजकोषीय अनुशासन का प्रबंधन करना
- उत्पाद एवं सेवा कर के कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दे
- अवसंरचना विकास हेतु संसाधन जुटाना

संबंधित जानकारी

आई.एम.डी. विश्व प्रतिस्पर्धा रैंकिंग के संदर्भ में जानकारी:

- आई.एम.डी. विश्व प्रतिस्पर्धा रैंकिंग की स्थापना वर्ष 1989 में स्विट्जरलैंड की गई थी।
- यह 63 स्थान प्राप्त अर्थव्यवस्थाओं में से प्रत्येक से 235 संकेतकों को शामिल करता है जिससे कि एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा देने की क्षमता का मूल्यांकन किया जा सके जहां उद्यम स्थायी विकास प्राप्त कर सकें, रोजगार सृजन कर सकें और अपने नागरिकों के लिए कल्याणकारी कार्यों को बढ़ा सके।
- यह बेरोजगारी, जी.डी.पी. और स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर सरकार के खर्च के साथ ही सामाजिक

सामंजस्य, वैश्वीकरण और भ्रष्टाचार जैसे विषयों को शामिल करने वाले एक कार्यकारी सलाह सर्वेक्षण के डेटा के साथ-साथ आंकड़ों की एक व्यापक श्रृंखला पर विचार करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – महत्वपूर्ण सूचकांक

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

5. राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण

- राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एन.सी.एल.ए.टी.) ने ढांचा लीजिंग एवं वित्तीय सेवा (आई.एल. एंड एफ.एस.) कंपनियों को "एम्बर" कंपनियों को 'ग्रीन' कंपनियों के रूप में घोषित करने की स्वीकृति प्रदान की है।
- आई.एल. एंड एफ.एस. के नए बोर्ड ने आई.एल. एंड एफ.एस. समूह की कंपनियों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया है, जिनके नाम 'ग्रीन', 'एम्बर' और 'रेड' हैं। कंपनियों को उनके वित्तीय स्वास्थ्य और सुरक्षित एवं असुरक्षित लेनदारों के ऋण दायित्वों की सेवा प्रदान करने की क्षमता के आधार पर वर्गीकृत किया गया है।
- जिन कंपनियों के पास नकदी नहीं होती है और वे किसी भी लेनदार को भुगतान कर सकने की स्थिति में नहीं होती हैं, उन्हें रेड के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- जिन कंपनियों के पास सुरक्षित लेनदारों को भुगतान करने के लिए पर्याप्त धन होता है लेकिन असुरक्षित लेनदारों को भुगतान करने हेतु धन नहीं होता है। उन्हें एम्बर श्रेणी में रखा गया है।
- जिन फर्मों के पास सुरक्षित और असुरक्षित सभी लेनदारों को भुगतान करने हेतु पर्याप्त धन होता है उन्हें ग्रीन के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण के संदर्भ में जानकारी:

- राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण का गठन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 410 के अंतर्गत राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एन.सी.एल.टी.) के आदेशों के

खिलाफ अपीलों की सुनवाई करने हेतु किया गया था, यह 1 जून, 2016 से लागू हुआ था।

- एन.सी.एल.ए.टी., दिवालियापन एवं शोधन अक्षमता संहिता, 2016 की धारा 61 के अंतर्गत एन.सी.एल.टी. (एस) द्वारा पारित आदेशों के खिलाफ अपीलों की सुनवाई करने हेतु अपीलीय न्यायाधिकरण भी है।
- एन.सी.एल.ए.टी., आई.बी.सी. की धारा 211 और धारा 202 के अंतर्गत भारतीय दिवालियापन एवं शोधन अक्षमता बोर्ड द्वारा पारित आदेशों के खिलाफ दायर की गई अपीलों की सुनवाई करने हेतु एक न्यायाधिकरण भी है।
- एन.सी.एल.ए.टी., भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा जारी किए गए निर्देश या लिए गए किसी भी निर्णय या पारित किए गए आदेश के खिलाफ दायर की गई अपीलों की सुनवाई और निपटान हेतु भी एक न्यायाधिकरण है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – महत्वपूर्ण संस्थान

स्रोत- द हिंदू

6. डब्ल्यू.एच.ओ. ने मानसिक विकारों की सूची में से 'किन्नरों' को हटा दिया है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.), अब किन्नर होने को "मानसिक विकार" के रूप में वर्गीकृत नहीं करेगा।
- अंतर्राष्ट्रीय रोग वर्गीकरण के नए समीक्षा किए गए संस्करण (आई.सी.डी.-11 के रूप में जाना जाता है) के अनुसार, "लिंग पहचान विकार" को "लिंग प्रतिकूलता" के रूप में पुनः परिभाषित किया गया है।
- लिंग प्रतिकूलता को एक व्यक्ति के अनुभवी लिंग और असाइन किए गए लिंग के मध्य एक चिह्नित और निरंतर असंगति के रूप में परिभाषित किया गया है।
- लिंग प्रतिकूलता को अब "मानसिक विकारों" के विपरीत यौन स्वास्थ्य स्थितियों में सूचीबद्ध किया गया है।
- ह्यूमन राइट्स वॉच के अनुसार, आई.सी.डी. से "लिंग पहचान विकारों" को हटाने के

डब्ल्यू.एच.ओ. के निर्णय से पूरे विश्व में किन्नरों पर स्वतंत्रता का प्रभाव पड़ेगा।

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय रोग वर्गीकरण सांख्यिकी के संदर्भ में जानकारी

- यह मान्यता प्राप्त चिकित्सा स्थितियों की एक पुस्तिका है।
- यह बीमारियों, विकारों, चोटों और अन्य संबंधित स्वास्थ्य स्थितियों के ब्रह्मांड को परिभाषित करती है।
- अपडेटेड आई.सी.डी. सूची (आई.सी.डी. 11) को वर्ष 2018 में तैयार किया गया था और हाल ही में अनुमोदित किया गया था, यह जनवरी, 2022 से प्रभावी होगी।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. पश्चिम प्रशांत में उत्पन्न हो रहे चक्रवात के कारण भारतीय महाद्वीप में मानसून में देरी हो सकती है।

- अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा के जलवायु पूर्वानुमान केंद्र (सी.पी.सी.) के अनुसार, केरल में मॉनसून की शुरुआत में मुख्य रूप से मौजूदा मैडेन-जूलियन दोलन (एम.जे.ओ.) लहरों के धीमे चरण के कारण देरी हो रही है।

संबंधित जानकारी

मैडेन-जूलियन दोलन के संदर्भ में जानकारी

- एम.जे.ओ. बादलों, बारिश, हवाओं और दबाव की एक पूर्ववर्ती गतिमान अव्यवस्था है जो ग्रह को कटिबंधों में पार करता है और औसतन 30 से 60 दिनों में अपने प्रारंभिक शुरुआती बिंदु पर लौट आती है।
- यह वायुमंडलीय अव्यवस्था, अल नीनो-दक्षिणी दोलन से अलग है, जो एक बार स्थापित हो जाने पर लगातार उन विशेषताओं से संबंधित रहता है जो प्रशांत महासागर घाटी पर पिछले कई मौसमों अथवा लंबे समय तक बनी रही थी।
- एम.जे.ओ. में दो चरण होते हैं
- विकसित वर्षा (या संवहन) चरण
- संकुचित वर्षा चरण

- एम.जे.ओ., ई.एन.एस.ओ. के समान प्रभाव पैदा कर सकता है लेकिन ये निरंतर बने रहने से पहले केवल साप्ताहिक औसत में दिखाई देते हैं और इ.एन.एस.ओ. के मामलों में मौसमी औसतों में दिखाई देते हैं।

- एम.जे.ओ. लहरों में कम दबाव का बैंड तूफानों/ गिरावटों को निश्चित करता है और इसका पूर्व की ओर बढ़ना मानसून के आगमन की पुष्टि करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – आपदा प्रबंधन

स्रोत- द हिंदू
